जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 103 प्रभात बीकानेर, गुरूवार, 6 नवम्बर, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

मतदान की पूर्व संध्या पर राहुल गांधी ने अपना हाइड्रोजन बम फोड़ा

उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करके आरोप लगाया कि पच्चीस लाख वोट चोरी किये गए हैं तथा आठ चुनाव क्षेत्रों में बाइस हजार वोट मैनेज किये गये हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 नवम्बर। राहुल गांधी ने आज तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने भाजपा नेतृत्व पर हरियाणा में जनता का जनादेश "चुराकर" एक अवैध सरकार बनाने का आरोप लगाया।

राहुल ने हाइड्रोजन बम फोड़ा, जिसमें उन्होंने विस्तार से बताया कि किस तरह भाजपा नेतृत्व ने भारत निर्वाचन आयोग के साथ मिलीभगत करके हरियाणा विधानसभा चुनाव में वोट चोरी की और एक "फर्जी तथा गैरकानूनी" सरकार स्थापित की।

तथ्यों, आँकड़ों, उदाहरणों और ठोस सबूतों के साथ राहुल ने यह साबित किया कि कांग्रेस पार्टी हरियाणा विधानसभा चुनाव में स्पष्ट रूप से जीत रही थी, लेकिन वोट चोरी के कारण धोखाधड़ी से बनी भाजपा सरकार को सत्ता में बैठा दिया गया।

- यह संख्या, विजेता और दूसरे नंबर पर आए उम्मीदवार के वोटों के फर्क के बराबर सी ही है।
- राहुल गांधी के अनुसार, यह जीत का मॉडल भाजपा और चुनाव आयोग ने मिलकर इजाद किया और क्रियान्वित किया, हरियाणा में और अब बिहार में दोहराया जा रहा है।
- भाजपा का प्रत्यारोप है कि राहुल अपनी हार की पाल बाँध रहे हैं।

राहुल का यह "एच-बम" बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण से ठीक एक दिन पहले छोड़ा गया, जहाँ कांग्रेस महागठबंधन के तहत, भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए के खिलाफ चुनाव लड़ रही है।

यह अभी स्पष्ट नहीं है कि राहुल गांधी के इस खुलासे का बिहार चुनाव पर क्या प्रभाव पड़ेगा, लेकिन राहुल ने दावा किया कि बिहार में भी भाजपा ने लाखों वोट जोड़ने और हटाने का खेल खेला है, जिससे चुनाव परिणामों पर गंभीर असर पड़ सकता है।

राहुल ने यह भी स्वीकार किया कि हाँ, इसका बड़ा असर हो सकता है और संभव है कि कांग्रेस को बिहार में हार का सामना करना पड़े।

राहुल ने दावा किया कि "कांग्रेस की जीत को हार में बदलने और भाजपा को विजेता घोषित करने के लिए एक पूर्व नियोजित योजना बनाई गई थी।" उन्होंने दावा किया कि "करीब 25 लाख वोट चोरी किए गए और आठ विधानसभा क्षेत्रों में 22,000 वोटों का हेरफेर किया गया, जो दोनों दलों के बीच के अंतर के बराबर था।"

राहुल ने कहा, "कांग्रेस को छोड़ दीजिए, यह इस देश के युवाओं के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर में नीट की छात्रा ने आत्महत्या की

जयपुर, 5 नवंबर। महेश नगर थाना इलाके में पीजी में रह रही नीट छात्रा ने अपने रुम में फंदे से लटकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना की जानकारी मिलने के बाद हॉस्टल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतार पोस्टमार्टम के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया और घटना की जानकारी मृतक छात्रा के परिजनों को दी।

थानाधिकारी सुरेश यादव ने बताया कि 17 वर्षीय नीट छात्रा दौसा के सिकंदरा इलाके की रहने वाली थी और त्रिवेणी नगर स्थित चौधरी गर्ल्स पीजी

- दौसा के सिकंदरा की रहने वाली छात्रा त्रिवेणी नगर में पीजी हॉस्टल में रह कर तैयारी कर रही थी।

में रहकर नीट की तैयारी कर रही थी। बुधवार सुबह उसकी रूम पार्टनर कोचिंग के लिए चली गई। पीछे से छात्रा ने कमरे में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। दोपहर करीब 1:30 बजे रूम पार्टनर पीजी लौटी। कमरा अंदर से बंद होने पर काफी देर तक दरवाजा खटखटाया और आवाज लगाई। जबाव नहीं मिलने पर पीजी संचालक और सहेलियों को बताया। धक्का देकर गेट खोलने पर कमरे में छात्रा फंदे से लटकी मिली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रथम चरण की 121 सीटों पर एनडीए का पलड़ा कुछ भारी लग रहा है

हालांकि, भाजपा की स्थानीय इकाई में नेतृत्व कमज़ोर है तथा हिन्दुत्व का आकर्षण भी घटा है तथा नीतीश कुमार का स्वास्थ्य व याददाश्त शोचनीय है

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 5 नवम्बर। पहले चरण के मतदान के अन्तर्गत, गुरुवार को 18 जिलों की 121 सीटों पर मतदान होने जा रहा है, और इस चरण में एनडीए को महागठबंधन पर हल्की बढ़त हासिल होती दिखाई दे रही है।

जहां भाजपा के पास राज्य स्तर पर कोई प्रभावी नेतृत्व नहीं है और उसके हिंदुत्व आधारित प्रचार को भी खास गति नहीं मिल पाई है वहीं, मुख्यमंत्री और जेडीयू नेता नीतीश कुमार बीमारियों से जूझ रहे हैं और उनकी याददाश्त कमजोर हो जाने की चर्चाएँ हैं। इसके बावजूद, अगर एनडीए को संभावित विजेता के रूप में देखा जा रहा है, तो इसके पीछे प्रमुख कारण हैं - महागठबंधन का बिखरा हुआ प्रचार अभियान और सीट बंटवारे में की गई भारी गलतियाँ।

लगभग एक दर्जन सीटों पर महागठबंधन के घटक दल एक-दूसरे के खिलाफ ही चुनाव लड़ रहे हैं। साथ

- महागठबंधन टिकटों के बँटवारे पर उत्पन्न आत्मघाती मतभेदों से कभी उभर नहीं पाया और अभी भी बारह सीटों पर फ्रेंडली फाइट (मैत्रीपूर्ण युद्ध) जारी है।
- तेजस्वी यादव के महत्वाकांक्षी वादों, हर महिला को तीन हजार रूपये देना और हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की बात को जनता अविश्वसनीय व अव्यवहारिक मान रही है।
- प्रशांत किशोर दोनों गठबंधनों के वोट कांटेंगे, पर ज्यादा महागठबंधन के।
- पर, यह भी सच है कि चुनाव का एजेंडा प्रशांत किशोर ने तय किया और सभी पार्टियाँ उनके एजेंडा, बेरोज़गारी, यूथ का पलायन, शिक्षा व सुलभ-स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धि का नारा दोहरा रही हैं।

ही, गठबंधन को बाग़ी उम्मीदवारों की गंभीर समस्या का सामना भी करना पड़ रहा है, जो निर्दलीय के रूप में मैदान में हैं।

स्थिति को और खराब किया है महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव के अविश्वसनीय वादों ने, जैसे महिलाओं को 30,000 रुपये देने का वादा और हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी प्रदान करने का दावा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चंद्रबाबू नायडू भी बड़ी गंभीरता से बिहार के चुनाव को देख रहे हैं

उनके सोलह लोकसभा सदस्य एनडीए सरकार की स्थिरता के लिए बहुत महत्व रखते हैं

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 5 नवम्बर। बिहार में पहले चरण के मतदान में अब कुछ ही घंटे बाकी हैं और राज्य के प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में राजनीतिक माहौल तनावपूर्ण और अस्थिर बना हुआ है। जहां एक ओर मुख्य मुकाबला एनडीए और महागठबंधन के बीच है, वहीं बिहार की चुनावी हलचल का असर राज्य की सीमाओं से परे भी महसूस किया जा रहा है, खासकर आंध्र प्रदेश में, जहां तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख और मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू हालात पर बारीकी से नज़र रखे हुए हैं।

टीडीपी के सूत्रों के अनुसार, नायडू स्वयं बिहार से आने वाले राजनीतिक फीडबैक की समीक्षा कर रहे हैं। उन्हें अच्छी तरह पता है कि बिहार चुनाव के नतीजे राष्ट्रीय राजनीति पर असर डाल सकते हैं। सोलह लोकसभा सांसदों के साथ, टीडीपी दिल्ली में एनडीए की एक

- अगर, भाजपा हार भी जाती है बिहार में, तो भी नायडू एनडीए का साथ नहीं छोड़ेंगे, क्योंकि उन्हें केन्द्र से भारी आर्थिक सहायता मिल रही है।
- ऐसा बताया जाता है कि उनकी फिक्र है कि यदि बिहार का नतीजा भाजपा के खिलाफ जाता है तो आरएसएस व भाजपा के बीच समीकरणों में भी अंतर आ सकता है।
- उन्हें इस बात का फर्क नहीं पड़ता कि दिल्ली में किस व्यक्ति का शासन चलता है।
- वे केवल केन्द्र और आँध्र के बीच संबंधों में किसी प्रकार की अनिश्चितता बर्दाश्त नहीं कर पायेंगे, जिससे केन्द्र से मिलने वाली वित्तीय सहायता पर आँच आए।

अहम सहयोगी पार्टी है और मोदी नेतृत्व वाले गठबंधन सरकार का एक महत्वपूर्ण स्तंभ भी। पार्टी के अंदरूनी सूत्र मानते हैं कि यदि बिहार में भाजपा का प्रदर्शन कमजोर रहता है, तो इससे भाजपा की राष्ट्रीय राजनीतिक स्थिति प्रभावित हो सकती है और उसके साथ ही एनडीए में टीडीपी की भूमिका भी प्रभावित हो सकती है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव 12 दिसंबर को

जयपुर, 5 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, जयपुर के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व महासचिव सहित अन्य पदों के लिए 12 दिसंबर को होने वाले वार्षिक चुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। वहीं चुनाव प्रक्रिया पूरी करवाने के लिए अधिवक्ता जयप्रकाश

- चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा हुई।

गुप्ता, दिनेश पाठक और नरेन्द्र सिंह शेखावत की तीन सदस्यीय समिति बना दी गई है।

समिति सदस्य दिनेश पाठक ने बताया कि "वन बार वन वोट" के तहत 10 नवंबर से अधिवक्ता शपथ पत्र भरना शुरू कर देंगे। वहीं 19 नवंबर को बार एसोसिएशन में मतदान करने वाले अधिवक्ताओं की सूची जारी कर दी जाएगी और 22 नवंबर को अंतरिम मतदाता सूची जारी की जाएगी। अंतरिम मतदाता सूची में 25 नवंबर तक यदि कोई संशोधन होगा तो वह किया जाएगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप व उनकी टीम को सामान्य अमेरिकी के दुख दर्द की बेहरमी से अनदेखी करना ले बैठा

एक तरफ तो सरकारी कर्मचारियों को सरकार के शटडाउन होने से लंबे समय से वेतन नहीं मिल रहा था, दूसरी ओर ट्रंप भव्य भोज आयोजित कर रहे थे, फाइव स्टार क्लब व विला और रिसॉर्ट में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 नवम्बर। अमेरिका में लोकतंत्र एक बार फिर मजबूती से अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। हाल ही में हुए कई चुनावों, जिन्हें राजनीतिक विश्लेषकों ने राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के शासन पर जनमत-संग्रह माना था, में मतदाताओं ने राष्ट्रपति की मनमानी नीतियों को सख्ती से नकार दिया है।

एक प्रमुख राजनीतिक हस्ती ने स्थिति को सटीक रूप से व्यक्त किया : अमेरिकी मतदाता इस प्रशासन के कामकाज को लेकर "आक्रोश" में हैं।

तीन अहम राज्यों और अमेरिका के केन्द्र, न्यूयॉर्क सिटी में रिपब्लिकन पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा।

रिपब्लिकन समर्थन में आयी यह गिरावट कोई मामूली नहीं थी। इसका

- अति उस वक्त हो गई, जब ट्रंप ने वाइट हाउस का पूर्वी हिस्सा तुड़वा दिया, अपना ड्रीम बॉलरुम बनाने के लिए, जहाँ राजा की भाँति अपने शाही मेहमानों को दर्शन दे सकें।
- एक सामान्य अमेरिकी के लिए वाइट हाउस उसके प्रजातंत्र का ऐतिहासिक प्रतीक है। अतः इस प्रतीक को तोड़कर पार्टियों के लिए बॉलरुम बनाना किसी के गले नहीं उतर रहा है।
- इसकी तुलना में ज़ोहरान ममदानी साधारण व्यक्ति हैं, जो आम जनता को, जो शटडाउन से त्रसित थी, सोशल वेलफेयर देने के हिमायती थे।

बड़ा कारण ट्रंप की डेमोक्रेट्स के खिलाफ असफल राजनीतिक रणनीति रही, जो अंततः अमेरिकी संघीय सरकार के लंबे समय तक बंद रहने (शटडाउन) पर जाकर खत्म हुई। इसने हजारों संघीय कर्मचारियों को कठिनाई और आर्थिक संकट में डाल दिया।

इससे राष्ट्रपति के करीबी सहयोगियों में आम अमेरिकियों की तकलीफों के प्रति असंवेदनशीलता की भावना फैल गई।

इन तमाम अभावों के बीच, जब देश आर्थिक तंगी से गुजर रहा था, ट्रंप ने अपने आलीशान विला और क्लबों में भव्य पार्टियों का आयोजन किया, जबकि सरकारी कर्मचारियों और अन्य अमेरिकी नागरिकों को सरकारी खाद्य सहायता और अन्य सामाजिक लाभों से वंचित रहना पड़ा, क्योंकि सरकारी बंद (शटडाउन) का दौर चल रहा था।

ट्रंप की विलासिता की इस प्रवृत्ति ने तब और विनाशकारी मोड़ ले लिया, जब उन्होंने वाइट हाउस के पूर्वी विंग को ध्वस्त करने का आदेश दिया, जो अमेरिकी राज्य का सबसे ज्यादा पहचाने जाने वाला प्रतीत है। उन्होंने इसे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विवाह स्थलों के कानूनी प्रावधान से चलने की जाँच जेडीए करे

जयपुर, 5 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर विकास प्राधिकरण को निर्देश दिए हैं कि वह जांच करे कि मैरिज गार्डन मास्टर प्लान और कानूनी प्रावधानों के अनुसार चल रहे हैं या नहीं? वहीं, अदालत ने प्रावधानों की

- हाई कोर्ट ने कहा, यदि चुनिंदा तरीके से कार्यवाही हुई तो जेडीसी पर कार्यवाही हो सकती है।

अवहेलना कर संचालित हो रहे मैरिज गार्डन पर कार्रवाई को कहा है। अदालत ने चेतावनी देते हुए कहा कि मामले में अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी और चुनिंदा तरीके से कार्रवाई करने पर जोन अधिकारी के साथ ही, जेडीसी पर भी कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारतीय मूल के तीन मुस्लिम नेताओं की जीत से ट्रंप की राजनीतिक सोच को भारी झटका

ज़ोहरान ममदानी न्यूयॉर्क में, आफताब पुरवाल सिनसिनाटी में, ग़ज़ाला हाशमी वर्जीनिया में गर्वनर चुने गए

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 नवम्बर। अमेरिकी राजनीति में भारतीय मूल और दक्षिण एशियाई अमेरिकियों के लिए एक अहम घटनाक्रम में तीन प्रमुख नेताओं, ज़ोहरन ममदानी, आफताब पुरवाल और ग़ज़ाला हाशमी ने 2025 के चुनावों में बड़ी जीत दर्ज कर ट्रंप की राजनीति को गहरा झटका दिया है। यह देशभर में प्रतिनिधित्व और विविधता के लिए एक ऐतिहासिक क्षण माना जा रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की वाइट हाउस में दूसरी बार वापसी के बाद हुए पहले बड़े चुनावों में सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि डेमोक्रेट्स ने 4 नवम्बर को हुए विभिन्न चुनावों में भारी जीत हासिल की।

प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक मीरा नायर के बेटे जोहरन ममदानी, जो 34 वर्षीय डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट विधायक हैं, ने न्यूयॉर्क सिटी के मेयर का कड़ा मुकाबला जीतकर इतिहास रच दिया। वे अमेरिका के सबसे बड़े शहर के पहले दक्षिण एशियाई और मुस्लिम मेयर बने हैं। इसे इस्लामोफोबिया और ज़ायनिज़्म के खिलाफ एक मजबूत संदेश के रूप में देखा जा रहा है। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि यहूदी लॉबी ने ममदानी को हराने के लिए पूरा ज़ोर लगाया था और देशभर के रब्बियों ने उनके खिलाफ वोट डालने की अपील जारी की थी।

युगांडा में जन्मे ममदानी, जो फिल्मकार मीरा नायर और विद्वान महमूद ममदानी के पुत्र हैं, ने पूर्व न्यूयॉर्क गवर्नर एंड्रयू कुओमो (जो निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़े

- आफताब पुरवाल ने सिनेटर जेडी वैंस के भाई कोरी बोमैन को हराया। उल्लेखनीय है कि वैंस, ट्रंप की सरकार में उपराष्ट्रपति हैं।
- वैंस अपनी भारतीय मूल की हिंदू पत्नी उषा वैंस के बारे में यह टिप्पणी करके, कि उनकी पत्नी इसाई धर्म अपना लेगी, विवादित हो गये थे।
- ट्रंप के ब्रांड की राजनीति को पराजित करने का श्रेय अप्रवासी भारतीय व लैटिन अमेरिकन मूल के अमेरिकीयों को दिया जा रहा है।

थे) और रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा को हराया। 83 प्रतिशत वोटों की गिनती पूरी होने तक ममदानी को 9,48,202 वोट (50.6 प्रतिशत) मिले, जबकि कुओमो को 7,76,547 (41.3 प्रतिशत) और स्लिवा को 1,37,030 वोट प्राप्त हुए।

न्यूयॉर्क सिटी चुनाव आयोग के अनुसार, इस बार लगभग 20 लाख लोगों ने मतदान किया, जो 1969 के बाद से अब तक का सबसे अधिक मतदान है।

ममदानी के प्रचार अभियान का केन्द्र बिंदु जीवन-यापन की लागत को कम करना और कामकाजी वर्ग के न्यूयॉर्क निवासियों का उत्थान था, जो युवाओं और आर्थिक रूप से परेशान मतदाताओं के साथ गहराई से जुड़ गया था। उनकी जीत को उस शहर के वैचारिक परिवर्तन के रूप में देखा जा रहा है, जिसे अक्सर अमेरिकी पूंजीवाद का केन्द्र कहा जाता है।

एक अन्य महत्वपूर्ण मुकाबले में, डेमोक्रेट आफताब पुरेवाल ने सिनसिनाटी के मेयर के रूप में पुनः चुनाव जीत लिया। उन्होंने रिपब्लिकन कोरी बोमैन (सीनेटर जे. डी. वैंस के सौतेले भाई) को हराया।

पुरेवाल ने पहली बार 2021 में मेयर का चुनाव जीता था। उन्हें शहर में आर्थिक अवसरों के विस्तार और सार्वजनिक सेवाओं में सुधार के लिए सराहा गया है। हालांकि यह पद आधिकारिक रूप से गैर-दलीय है, फिर भी पुरेवाल को डेमोक्रेटिक पार्टी का मजबूत समर्थन प्राप्त था और उन्होंने प्राथमिक चुनाव में 80 प्रतिशत से अधिक वोटों से जीत दर्ज की थी। पेशे से वकील, पुरेवाल की पुनः जीत सिनसिनाटी के निवासियों में उनकी लोकप्रियता की पुष्टि करती है।

वर्जीनिया में, भारत में जन्मी ग़ज़ाला हाशमी (61 वर्ष) ने इतिहास रचा, जब वे लेफ्टिनेंट गवर्नर चुनी गईं। वे इस पद पर पहुंचने वाली पहली मुस्लिम और दक्षिण एशियाई-अमेरिकी बनीं।

डेमोक्रेट और लंबे समय से राज्य सीनेटर रहीं हाशमी ने 14,65,634

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सऊदी अरब से आये यात्री से 534 ग्राम सोना पकड़ा

जयपुर, 5 नवंबर। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने जयपुर एयरपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए रियाद (सऊदी अरब) से आए एक यात्री को सोने सहित पकड़ा है तथा उससे अंडरवियर में छिपाकर लाया गया

- डीआरआई ने जयपुर हवाई अड्डे पर यात्री को गिरफ्तार किया।

534 ग्राम सोना बरामद किया गया है। जब्त किए गए सोने की बाजार कीमत 66 लाख रुपए बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, रियाद (सऊदी अरब) से जयपुर आई फ्लाइट के यात्री को संदिग्ध मानकर जांच की गई। तलाशी में संदिग्ध यात्री के अंडरवियर में पेस्ट के रूप में छिपाकर लाया सोना मिला। डीआरआईटीम ने सोना तस्करी कर लाने के मामले में आरोपी तस्कर को पकड़ा। उसकी तलाशी में मिले करीब 534 ग्राम सोने को जब्त किया गया।

विचार बिन्दु

एकता का किला सबसे सुरक्षित होता है। न वह टूटता है और न उसमें रहने वाला कभी दुःखी होता है। –अज्ञात

राजस्थान में मंडरा रहे है सड़क हादसों के बादल: सड़क हादसों ने छिना लोगों का सुख चैन

राजस्थान में इन दिनों सड़क हादसों के बादल मंडरा रहे है। प्रदेशभर में एक के बाद एक हो रहे सड़क हादसों ने लोगों का सुख-चैन छीन लिया है। राज्य में सड़क हादसों का सिलसिला अनवरत जारी है। रविवार को फलोदी में सड़क दुर्घटना में 15 लोगों की मृत्यु के कुछ घंटे बाद ही एक अन्य सड़क दुर्घटना में 4 लोगों की मृत्यु हो गई। जयपुर के हरमाड़ा इलाके में सोमवार दोपहर हुए भीषण सड़क हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हुए। चार दिनों में सड़क दुर्घटनाओं में 64 लोगों की अकाल मौत हो चुकी है। माह अक्टूबर में 771 लोगों की जान गई थी। एक जानकारी के अनुसार वर्ष 2024 में करीब 25 हजार सड़क हादसे हुए जिनमें करीब 12 हजार लोगों की मौतें हुई। जबकि 2025 में अब तक 9 हजार 711 मौतें दर्ज हो चुकी हैं। बताया जा रहा है कि हरमाड़ा इलाके में एक डंपर लगभग एक किलोमीटर तक बेकाबू रास्ते पर दौड़ता रहा। इस दौरान रास्ते में जो भी वाहन या व्यक्ति सामने आया उसने उसे टक्कर मार दी। डंपर ने कई कारों और बाइकों को धक्का मारा। डंपर एक डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गया। डंपर के नीचे कई वाहन भी दब गए। बताया जाता है चालक नशे में धुत था। पुलिस ने बताया कि मेडिकल रिपोर्ट में चालक के शराब पीने की पुष्टि हो गई है। यह साफ हो गया है कि हादसा सिर्फ तेज रफ्तार का नहीं बल्कि शराब पीकर ड्राइविंग और सड़क सुरक्षा नियमों की घोर अनदेखी का मामला है। वहीं सरकार के जिम्मेदार कह रहे है ड्राइवर शराब पीकर गाड़ी चलाते हैं, जिसके कारण हादसे बढ़ रहे हैं। राजस्थान हाईकोर्ट ने भी प्रदेश में बढती सड़क दुर्घटनाओं पर स्वतः संज्ञान लिया है। न्यायालय ने फलोदी और जयपुर जैसे हालिया हादसों के बाद सरकार से सड़क सुरक्षा सुधार हेतु उठाए गए कदमों पर रिपोर्ट मांगी है।

राजस्थान में लगातार हो रहे सड़क हादसों को देखते हुए राज्य सरकार ने निर्णय किया है कि शराब पीकर वाहन चलाने वालों का लाइसेंस रद्द होगा। परिवहन, पुलिस और सार्वजनिक निर्माण विभाग संयुक्त रूप से प्रदेशभर में 4 नवम्बर से आगामी 15 दिन तक सड़क सुरक्षा अभियान चलाएगा। राजधानी जयपुर के हरमाड़ा क्षेत्र में हुए हादसे के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में ट्रैफिक एवं सड़क सुरक्षा को लेकर उच्च स्तरीय बैठक हुई। मुख्यमंत्री ने परिवहन और पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि शराब पीकर वाहन चलाने और ओवरस्पीड के बार-बार चालान होने पर वाहन चालक का लाइसेंस निरस्त किया जाए। उन्होंने सड़क सुरक्षा अभियान के तहत प्रदेश में चिन्हित ब्लैक स्पॉटों को शीघ्र ठीक करवाने एवं राष्ट्रीय व राज्य राजमार्गों पर अवैध कट को शीघ्र बंद करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया। उन्होंने जयपुर-कोटा, जयपुर-दिल्ली, जयपुर-अजमेर व जयपुर-भरतपुर हाईवे पर वाहन चालकों के लिए नवीन आराम स्थलों के लिए जमीन चिन्हित कर उन्हें बनवाने के निर्देश दिए।

सभी दुर्घटनाओं के पीछे शराब मादक पदार्थों का इस्तेमाल, वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करना, वाहनों में जरुरत से अधिक भीड होना, वैध गति से अधिक तेज गाडी चलाना और थकान आदि होना है। महानगरों और नगरों में किसी चौराहे पर लाल बत्ती को धता बताकर रोड पार कर जाना, गलत तरीके से ओवरटेकिंग, बेवजह हार्न बजाना, निर्धारित लेन में न चलना और तेज गति से गाडी चलाकर ट्रैफिक कानूनों की अवहेलना आज के युवकों का प्रमुख शगल बन गया है।

सड़क सुरक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है, आम जनता में खासतौर से नये आयु वर्ग के लोगों में अधिक जागरुकता लाने के लिये इसे शिक्षा, सामाजिक जागरुकता आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों से जोड़ा गया है। सड़क दुर्घटना, चोट और मृत्यु आज के दिनों में बहुत आम हो चला है। सड़क पर ऐसी दुर्घटनाओं की मुख्य वजह लोगों द्वारा सड़क यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा उपायों की अनदेखी है। गलत दिशा में गाड़ी चलाना, सड़क सुरक्षा नियमों और उपायों में कमी, तेज गति, नशे में गाड़ी चलाने आदि। सड़क हादसों की संख्या को घटाने के लिये उनकी सुरक्षा के लिये सभी सड़क का इस्तेमाल करने वालों के लिये सरकार ने विभिन्न प्रकार के सड़क यातायात और सड़क सुरक्षा नियम बनाये हैं। हमें उन सभी नियमों और नियंत्रकों का पालन करना चाहिये जैसे रक्षात्मक चालन की क्रिया, सुरक्षा उपायों का इस्तेमाल, गति सीमा को ठीक बनायें रखना, सड़क पर बने निशानों को समझना आदि।

जान लेवा सड़क हादसों को रोकने के लिए जरूरी है कि सड़कों की स्थिति अच्छी हो, जन कल्याणकारी सरकार का यह दायित्व है कि वह उच्च गुणवत्ता युक्त सड़कों का निर्माण करें और क्षत-विक्षत सड़कों को दुरस्त करें ताकि वाहन किसी दुर्घटना का शिकार नहीं होवे। नगर निकायों और एजेन्सियों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिये। घटिया निर्माण पर तुरन्त कार्यवाही हो तथा यातायात और टैफिक की वर्तमान स्थिति में जनभावनाओं के अनुरूप सुधार हो। आम आदमी को राहत प्रदान करने के लिए निर्माण कार्यों में पारदर्शिता का होना अत्यावश्यक है।

सड़क परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार सड़क हादसों के मामले में राजस्थान देश का छठा सबसे खतरनाक राज्य बन गया है। प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं का विश्लेषण करे तो पाएंगे, बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक प्रतिदिन इसकी चपेट में आरहे है। यातायात मार्गों पर अराजकता की स्थिति उत्पन्न हो रही है। दो पहिया हो या चार पहिया किसी को भी जिंदगी की परवाह नहीं है। एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ लगी है। यातायात नियमों की सरेआम धज्जियाँ उड़ रही है। नियमों की पालना नहीं होने से दुर्घटनाओं के अम्बार लग रहे है। बताया जाता है राजधानी सहित प्रदेशभर में हज़ारों चालान काटे गए फिर भी व्यवस्था में कोई सुधार परिलक्षित नहीं हुआ। सड़क दुर्घटनाओं के ठाफ में तेजी से वृद्धि हो रही है। दुर्घटनाओं में मौतें और घायल होने के समाचार प्रतिदिन पढ़ने और देखने को मिल रहे हैं। सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद देश में सड़क हादसों में कमी नहीं आई है, बल्कि साल दर साल इसमें इजाफा हो रहा है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का कहना है जब तक समाज का सहयोग नहीं मिलेगा, मानवीय व्यवहार नहीं बदलेगा और कानून का डर नहीं होगा, तब तक सड़क हादसों पर अंकुश नहीं लगेगा।

देश में सड़कों और हाईवे की संख्या बहुत तेजी से बढ़ी है। इसी के साथ हादसों की रफ्तार भी थमने का नाम नहीं ले रही। देश में सड़क दुर्घटनाओं के ठाफ में तेजी से वृद्धि हो रही है। कोई दिन नहीं ऐसा नहीं जाता जब देश के किसी भाग में सड़क हादसा न होता हो। ऐसा लगता है जैसे सड़के आतंकी हो गयी है और हादसे थमने के नाम नहीं ले रहे है। देश में मोटर वाहन कानून 2019 लागू होने के बाद भले ही सरकार के राजस्व में वृद्धि हुई हो मगर दुर्घटनाओं में जान गंवाने वालों की संख्या में कमी नहीं आयी। सख्त कानून का उनपर कोई असर नहीं हुआ है।

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के सड़क हादसों के आंकड़ों पर गौर करें तो पाएंगे देश में लोग जान हथेली पर लेकर चलते है। देश में सड़कों और हाईवे की संख्या बहुत तेजी से बढ़ी है। इसी के साथ हादसों की रफ्तार भी थमने का नाम नहीं ले रही। सड़क दुर्घटनाओं में पैदल चलने वाले लोग भी सुरक्षित नहीं है। इन सभी दुर्घटनाओं के पीछे शराब मादक पदार्थों का इस्तेमाल, वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करना, वाहनों में जरुरत से अधिक भीड़ होना, वैध गति से अधिक तेज गाड़ी चलाना और थकान आदि होना है। महानगरों और नगरों में किसी चौराहे पर लाल बत्ती को धता बताकर रोड पार कर जाना, गलत तरीके से ओवरटेकिंग, बेवजह हार्न बजाना, निर्धारित लेन में न चलना और तेज गति से गाड़ी चलाकर ट्रैफिक कानूनों की अवहेलना आज के युवकों का प्रमुख शगल बन गया है।

–अतिथि सम्पादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
(वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार)

दुःख की घड़ी में भी वासुदेव देवनानी ने धैर्य, संयम, शान्ति का परिचय दिया

वासुदेव को विरह पीड़ा में छोड़ गई इन्दिरा देवनानी

दिवंगत इन्दिरा देवनानी राजस्थान विधानसभा के स्पीकर वासुदेव देवनानी को गहरी विरह पीड़ा में छोड़ गई है लेकिन इन पीड़ादायक परिस्थितियों में भी वासुदेव देवनानी ने जिस धैर्य, संयम, शान्ति, अनुशासन और गहराई का परिचय दिया तथा अपने दिल और दिमाग को कमजोर नहीं होने दिया, वह काबिले तारीफ है। मंगलवार को अपने गृह नगर अजमेर में अंतिम संस्कार से पहले उनके निवास स्थान पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इंदिरा देवनानी की पार्थिव देह पर जब पुष्प चक्र अर्पित कर रहे थे तब भी धीर-गंभीर देवनानी ने अपने घर आए मुख्यमंत्री को अपने साथ ले जा कर कुर्सी पर बिठाया और उन्हें अपनी पत्नी के अस्वस्थ होने और सवाई मानसिंह अस्पताल में उपचार तथा अन्तिम घड़ी के पूरे घटनाक्रम को बताया।

वासुदेव देवनानी ने अपने भाव विभोर परिवार विशेष कर पुत्र महेश देवनानी को इस नाजुक घड़ी में न केवल संभाला बल्कि वे जीवन की इस मुश्किल घड़ी में भी विचलित नहीं हुए। इन्दिरा देवनानी के अन्तिम संस्कार के एक-एक इंतजाम को बहुत ही बारीकी के साथ बखूबी खुद ने देखा और इस बात का ख्याल रखा कि कही कोई कमी नहीं रह जाए। 74 वर्षीय इंदिरा देवनानी ने पिछले दिनों ही वासुदेव देवनानी के साथ अपने वैवाहिक जीवन की 50वीं वर्षगांठ यानी स्वर्ण जयंती वर्ष को बहुत ही सादे ढंग से मनाया था। देवनानी ने विधानसभा में उन्हें बधाई देने आए अपने सहकर्मियों को कहा था कि अगले वर्ष इसे बड़े रूप से मनाएंगे। इंदिरा देवनानी की अन्तिम यात्रा में सभी ने महसूस किया कि धीर-क्षीर और शान्त वासुदेव देवनानी चुपचाप अपनी इस इच्छा को अपनी धर्म पत्नी की चिर स्मृति को यादगार बनाने के रूप में पूरा कर रहे है। अजमेर के लोगों ने भी अपने लोकप्रिय नेता और प्रदेश के विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी की जीवन संगिनी इंदिरा देवनानी को जिस भाव पूर्वक तरीके और नम आँखों से अंतिम विदाई दी, यह लम्बे समय तक याद किया जाएगा।

स्वर्गीय इंदिरा देवनानी की अन्तिम यात्रा में उमड़ा जन समूह लगातार पांच बार के विधायक वासुदेव देवनानी की अपार लोकप्रियता का बयान भी रहा था। अंतिम संस्कार में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी सहित प्रदेश के अनेक मंत्रियों, अधिकारियों एवं शहर के प्रमुख लोगों ने भाग लिया और दिवंगत इन्दिरा देवनानी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान केबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर, सुरेश रावत, सुमित गोदारा, गौतम दक, ओंकार सिंह लखावत, के.के. बिश्नोई,

स्व. इन्दिरा देवनानी

पूर्व मंत्री सी आर चौधरी, अरुण चतुर्वेदी, विधायक शंकर सिंह रावत, गोपाल शर्मा आदि के साथ ही देवनारायण बोर्ड चेयरमेन ओमप्रकाश भडाणा, अजमेर डेयरी के चेयरमेन रामचन्द्र चौधरी, पूर्व आरटीडीसी चेयरमेन धर्मेंद्र सिंह राठौड़ सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

वासुदेव देवनानी राजनीति में आने से पहले उदयपुर के विद्याभवन इंस्टिट्यूट में प्रोफेसर थे वहीं उनकी धर्म पत्नी इन्दिरा देवनानी सरकारी स्कूल में शिक्षिका रहीं। वे समाजसेवा में भी सक्रिय भूमिका निभाती थीं। वर्ष 1974 में वासुदेव देवनानी से उनका विवाह हुआ था। वे एक पुत्र और दो पुत्रियों की माता थी। उनके निधन से न केवल उनके परिवार एवं परिजनों और समाज में वरन राजनीतिक एवं सामाजिक जगत में भी शोक की लहर व्याप्त है। इन्दिरा देवनानी का मंगलवार को उनके पैतृक नगर ऐतिहासिक अजमेर में अंतिम संस्कार किया गया। उनकी शव यात्रा रामनगर स्थित निवास से रवाना होकर पुष्कर रोड स्थित ऋषि घाटी मुक्तिधाम पहुंची, जहां उनके पुत्र महेश देवनानी ने वैदिक ऋचाओं और सनातन परंपराओं के बीच भावपूर्ण माहौल में अपनी माता को मुखाग्नि दी। इसके पूर्व उनकी पार्थिव देह रिमझिम वर्षा के मध्य जयपुर से सुबह करीब साढ़े आठ बजे अजमेर लाई गई, जहां परिवार एवं परिजनों और स्थानीय लोगों ने नम आँखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। उल्लेखनीय है कि सोमवार देर शाम एसएमएस अस्पताल में उपचार के दौरान इन्दिरा देवनानी का निधन हो गया था। 29 अक्टूबर को कार्डियक अरेस्ट आने पर उन्हें जयपुर के मशहूर एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी ब्रेन सर्जरी भी की गई और वे कुछ दिन वेंटिलेटर पर थीं।

इन्दिरा देवनानी के एसएमएस अस्पताल जयपुर में उपचार के दौरान स्पीकर वासुदेव देवनानी ने अपने सभी निर्धारित कार्यक्रम और यात्रा कार्यक्रम निरस्त कर दिए तथा वे अपनी धर्मपत्नी की अन्तिम सांस तक लगातार उनके सिरहाने बैठे रहे।

विपदा भरी इस घड़ी में भी उनकी संवेदनशीलता का एक और चेहरा दिखा कि जब इन्दिरा देवनानी को उनके निधन के बाद एस एम एस अस्पताल से जयपुर में स्पीकर देवनानी के सिविल लाइन्स स्थित राजकीय निवास पर लाया गया तथा प्रदेश के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े तथा राज्य के मंत्री गणों तथा सामान्य से विशिष्ट जनों द्वारा पार्थिव शरीर पर पुष्प चढ़ा और श्रद्धांजलि देने के बाद उनके जाने पर वे सारी रात जागते रहे तथा व्यवस्था में लगे अपने कर्मचारियों तथा संबंधियों को देर रात निंद आ जाने पर सर्द रात में स्वयं उन्हें अपने हाथों से चद्दर ओढ़ाते तथा दुःख की इस घड़ी में भी हर किसी का ख्याल रखते देखें गए तथा एक क्षण के लिए विचलित नहीं हुए। मानों लगा कि उनकी आंखें पथरा गई है लेकिन आखिर उनके हृदय के भावों को आसमान से गिर रही वर्षा बूंदों ने जाहिर कर ही दिया। देवनानी की आँखों से अश्रु नहीं छलकें और वे एक क्षण के लिए भी नहीं रोए लेकिन प्रकृति उनके तथा उनके परिवार के जीवन में पैदा हुए शून्य को बयां कर रो उठीं।

लेखक-गोपेन्द्र नाथ भट्ट

पुस्तक समीक्षा: अब जब बात निकली है

यह पुस्तक हमारी वरिष्ठ साथी और सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग की पूर्व अतिरिक्त निदेशक अलका सक्सेना की बत्तीस वर्ष से अधिक की जनसम्पर्क यात्रा की केवल कहानी मात्र नहीं है अपितु लेखक की सेवा यात्रा, संघर्ष और उपलब्धियों का दस्तावेज भी है। अपनी बात बेबाकी से रखने का साहस हर किसी के बस की बात नहीं होती, मगर अलका ने इसे कर दिखाया है। प्रस्तुत पुस्तक में अलका ने सच को सच कहने की हिम्मत दिखाते हुए एक ऐसी कृति हमारे हाथों में दी है जो जनसंपर्क कर्मियों की नई पीढ़ी को ही नहीं बल्कि हम सब को भी जीने की राह दिखाएगी। जनसंपर्क पर सैद्धांतिक ज्ञान की बेशक अनेक किताबें पहले से उपलब्ध हैं पर जमीनी हकीकत बताने वाली और व्यवहारिक ज्ञान देने वाली यह किताब अपने आप में अनूठी साबित होगी। अलका ने बिना किसी लाग लपेट और बिना चाशनी लपेटे सब कुछ कितना खुल कर लिखा है।

पुस्तक में अलका हमें अपने साथ अपनी पूरी राजकीय सेवा की यात्रा पर ले जाती हैं और जहाँ मिले अपने खट्टे-मीठे, अच्छे बुरे, अनुकूल प्रतिकूल सारे अनुभव क्रम दर क्रम हमसे साझा करती जाती हैं। उन्होंने अपनी इस पूरी यात्रा का बेहद संजीदगी से और सयंमित भाषा में वर्णन किया है। अपनी किताब में वे बिना किसी झिझक और डर के राजकीय व्यवस्था के प्रति अपना गुस्सा भी जाहिर करती हैं। भ्रष्टाचार

के विरुद्ध ज़ीरो टोलरेंस और महिला सशक्तिकरण का राग अलापने वाली सरकारों के प्रति भी उनके मन में जो आक्रोश उसे भी यहाँ लिखने से वे अपने आप को रोक नहीं पातीं।

यह किताब जनसम्पर्क का एक ऐसा दस्तावेज है जिसमें जनसम्पर्क क्या है, क्यों जरूरी है, कितने प्रकार का है, इसके क्या उपकरण हैं, इस क्षेत्र में काम करने वालों के लिए आने वाली चुनौतियां तथा समस्याएं और उनके निराकरण के लिए निकाले गए रास्ते, विधान सभा कवरेज, जनादेश, जनसम्पर्क और जमीनी हकीकत, सत्ता परिवर्तन और जनसम्पर्क, जनसंपर्क के क्षेत्र में महिलाओं के लिए चुनौतियां, जनसंपर्क अधिकारी की गिरती साख जैसे अनेक बिंदुओं को समेटने की कोशिश की गयी है।

लेखक ने पुस्तक में अपने पूरे जनसम्पर्क सफर की यादों को गागर में सागर की तरह भरने का सफल प्रयास किया है। इसमें कोई संदेह नहीं कि वे हर दृष्टि से विलक्षण प्रतिभा की धनी हैं। वे उच्च कोटि की जनसम्पर्क कर्मी, संपादक, पत्रकार और प्रतिष्ठित संवादकर्मी के साथ हिंदी और अंग्रेजी की ज्ञाता हैं। निडरता, साहस, कार्य के प्रति समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा उनकी प्रमुख विशेषता है। आशा है यह पुस्तक सुधि पाठकों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी।

लेखक : अलका सक्सेना
प्रकाशक : साहित्यागार, जयपुर।
पृष्ठ : 315
मूल्य : 500 रूपये
समीक्षक -- वीना करमचंदानी
वरिष्ठ लेखक और
जनसम्पर्ककर्मी

बूंदी महोत्सव : धर्मगुरुओं को दिया निमंत्रण

- **सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियों के बीच, बुधवार को आयोजन समिति के सदस्यों ने शहर के प्रमुख धर्मगुरुओं से मुलाकात की।**

बूंदी। बूंदी महोत्सव 2025 के तहत आयोजित होने वाले विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियों के बीच, बुधवार को आयोजन समिति के सदस्यों ने शहर के प्रमुख धर्मगुरुओं से मुलाकात की। समिति ने धर्मगुरुओं को महोत्सव के आमंत्रण पत्र सौंपकर कार्यक्रमों में अधिकाधिक सहभागिता के लिए आग्रह किया।बूंदी महोत्सव शोभायात्रा के प्रभारी एवं उपखंड अधिकारी लक्ष्मीकांत मीणा की अगुवाई में बूंदी महोत्सव समिति के सदस्य राजकुमार दाधीच, के.सी. वर्मा और अशोक तलवास ने शहर काजी एवं कौमी एकता समिति (बूंदी) के अध्यक्ष अब्दुल शकूर कादरी से मुलाकात कर उन्हें महोत्सव का निमंत्रण पत्र भेंट किया।

इसके बाद, समिति के सदस्य गुरुद्वारा पहुंचे और वहां भी महोत्सव के आमंत्रण पत्र देकर सभी से उत्सव में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील की। साथी बड़ा रामद्वारा के पिता ईश्वर आत्माराम महाराज,ईसाई धर्म के इलेक्शन, हेमकुंड गुरुद्वारा साहिब गुरु नानक दरबार सहित विभिन्न धर्म गुरुओं को आमंत्रण पत्र दिए। समिति के सदस्यों ने कहा कि बूंदी महोत्सव साझी विरासत का प्रतीक है और इसमें सभी वर्गों की भागीदारी इसे और अधिक भव्य बनाएगी।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा कल

निवाई। शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में संपूर्ण देश में आयोजित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा टोंक जिले में 96 परीक्षा केंद्रों पर 7 नवंबर को आयोजित होगी। परीक्षा के जिला संयोजक हीरालाल शर्मा ने बताया कि यह परीक्षा टोंक जिले की टोंक, पीपलू, निवाई, मालपुरा, टोडारायसिंह, देवली व उनियारा तहसीलों में 96 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी। जिसमे करीब 7 हजार विद्यार्थी भाग लेंगे। शर्मा ने बताया कि छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सहयोग हेतु परीक्षा में सामान्य ज्ञान के चयनित प्रश्नों को शामिल किया जाता है। परीक्षा में कक्षा 5 से 12 तक के विद्यार्थी शामिल होंगे। परीक्षा ओएमआर शीट के माध्यम से होगी। परीक्षा में भाग लेने वाले प्रत्येक विद्यार्थी को आकर्षक प्रमाण पत्र दिया जाएगा। इस परीक्षा का उद्देश्य युवा पीढ़ी को स्व संस्कृति अनुगामी, चरित्रवान, समाजनिष्ठ, राष्ट्रिनष्ठ व स्वावलंबी बनाना है। निवाई तहसील संयोजक प्रेमप्रकाश शर्मा ने बताया कि निवाई तहसील में झिलाय, गुढा आनंदपुरा, खिडगी, सरसडी रामपुरा, वनस्थली व मूंडिया सहित कई राजकीय व निजी विद्यालयों के विद्यार्थी परीक्षा देंगे।

मंदिर स्थापना के बाद पहली बार हुआ धार्मिक विधान

- **नवग्रह जैन मंदिर में श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान का हवन के साथ समापन**
- **श्रद्धा और भक्ति से गूंजा परिसर**

बूंदी । गुरुनानक कॉलोनी स्थित नवग्रह दिगम्बर जैन मंदिर में चल रहा श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान बुधवार को वेद मंत्रोच्चार, हवन और शांतिपाठ के साथ भव्य रूप से संपन्न हुआ। जैन धर्म के अष्टानिका महापर्व के प्रथम दिवस 29 अक्टूबर से आरंभ हुआ यह महाविधान पूरे नौ दिनों तक भक्तिभाव और श्रद्धा के वातावरण में चला। पूरे विधान में सौधर्म इन्द्र श्री चांदमल जैन ने मुख्य भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान मंदिर प्रांगण में सुबह से ही भजन, पूजन और विधान के विविध धार्मिक क्रम संपन्न हुए।

मंदिर समिति के सचिव सुरेश लुहाड़िया ने बताया कि मंदिर की स्थापना के बाद से यह पहला अवसर है जब इतने विशाल स्तर पर श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान का आयोजन हुआ है। समाजजनों में उत्साह और भक्ति का विशेष माहौल देखने को मिला। इस पावन अवसर पर श्रीमती कमलेश जैन, मधु कटारिया,

दिगम्बर जैन मंदिर में श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान बुधवार को वेद मंत्रोच्चार के बीच सम्पन्न हुआ।

सुमन जैन, मंजू जैन, एकता जैन, महिला मंडल अध्यक्ष चन्द्रेश छाबड़ा सहित समाज की अनेक महिलाओं एवं पुरुषों ने भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त किया। विधान के पूर्णयाजक चांदमल कासलीवाल एवं उनके परिवार का समाज की ओर से विशेष सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में संरक्षक कैलाश पाटनी, जिला महामंत्री राजेन्द्र छाबड़ा, प्रधुम्न पाटनी, विमल कटारिया सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में सुबह योगेन्द्र जैन, राजेन्द्र विमल वेद, राजेन्द्र छबडा एवं सुनील जैन ने भगवान पार्श्वनाथ का अभिषेक एवं शांतिधारा कर विधान का शुभारंभ किया।

पूरे दिन मंदिर प्रांगण में भक्तिमय वातावरण रहा। हवन की पवित्र आहुति के साथ श्री सिद्धचक्र विधान का समापन हुआ और उपस्थित श्रद्धालुओं ने मंगलकामनाएं व्यक्त की ।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 6 नवम्बर, 2025

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, कृत्तिका नक्षत्र रात्रि 3:28 तक, व्यतिपात योग प्रातः 7:05 तक, कौलव करण दिन 2:55 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में 11:47 से संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-तुला, चन्द्रमा-मेष, मंगल-वृश्चिक, बुध-वृश्चिक, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से रात्रि 3:18 तक है। मंगल अस्त पश्चिम रात्रि 11:50 पर होगा। आज पदमक योग दिन 2:52 से सूर्यास्त तक है। आज अशून्य शयन व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ सूर्योदय से 8:05 तक, चर 10:49 से 12:10 तक, लाभ-अमृत 12:10 से 2:56 तक, शुभ 4:15 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:44, सूर्यास्त 5:37 तक

मेष
अपने आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। कार्य योजनानुसार सम्पन्न हो सकते हैं। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है।। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात वर्तमान में चल रहा मानसिक तनाव दूर होने लगेगा।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात आर्थिक मामलों परेशानी हो सकती है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक/वित्तीय मामलों में प्रगति होगी।

सिंह
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। संभावित धन प्राप्ति में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है।

वृश्चिक
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

मकर
घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में आज उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में उचित परामर्श मिलेगा।

गुरूद्वारों में गुरूबाणी-कीर्तन

श्रीगंगानगर, (कासं)। सिखों के प्रथम गुरू गुरूनानक देव के 556 वें प्रकाश पर्व पर जिले भर में उत्साह का माहौल रहा। सुबह 5 बजे से ही संगत गुरूद्वारों में सेवा के लिए पहुंचने लगी। शहर के गुरूद्वारा श्री नानक दरबार साहिब में सुबह अखंड पाठ का भोग डाला गया, जिसमें हजारों की भीड़ उमड़ी।

इसके बाद रागी जत्थों ने शब्द-कीर्तन किया। साथ ही गुरू का अटूट लंगर बरताया गया। वहीं लालगढ़ जाटान में स्थित गुरूद्वारा सिंह सभा में गुरूनानक जयंती पर पटाखे फोड़े गए और आतिशबाजी हुई। साथ ही अखंड पाठ के भोग के बाद गुरू का अटूट लंगर बरताया गया। पाठी-सिंहों व रागी जत्थों ने गुरू नानकदेव के जीवन, उपदेशों और तीन सूत्रों नाम जपो, किरत करो, वंड छको पर प्रकाश डाला।

संगत ने बड़े ही श्रद्धा भाव से कीर्तन सुना और गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेका। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक, हर उम्र के लोग गुरूद्वारों में सेवा करने आए। लालगढ़ जाटान के गुरुद्वारा सिंह सभा में सुबह 11 बजे अखंड पाठ का भोग डाला गया। यहां जलेबी, दाल, रोटी, सब्जी और हलवे का लंगर लगाया गया। गुरूद्वारा साहिब में पाठ का भोग डालते ही पटाखे चलाए गए और आतिशबाजी हुई।

तीन दिनों तक रोजाना सेवा करने वाले सेवादारों को जसविंदर सिंह व पाठी गोरा सिंह ज्ञानी ने सरोपा भेंट कर सम्मानित किया। छात्र खुश्मीत एंड पार्टी ने गुरूनानक देव के जीवन और कार्यों पर आधारित आकर्षक प्रदर्शनी लगाई। जिसमें गुरू के उद्धरण, चित्र और मॉडल शामिल थे। मास्टर बलदेव सिंह ने प्रदर्शनी में भाग लेने वाली छात्राओं को इनाम देकर प्रोत्साहित किया।

गाजे-बाजे से निकली भगवान की सवारी, गौड़ी पार्श्वनाथ में पूजा आज

बीकानेर, (कासं)। चिंतामणि जैन मंदिर प्रन्यास के तत्वावधान में सकल श्री संघ के सहयोग से बुधवार को भगवान की सवारी गाजे-बाजे से निकली। सवारी में शामिल भजन मंडलियों ने जैन बाहुल्य मोहल्लों में परमात्म भक्ति के गीतों की प्रस्तुतियां दी। सवारी में भगवान शांतिनाथ की प्रतिमा रथ पर प्रतिष्ठित थी।

भगवान शांति नाथ की प्रतिमा का

- **रथ पर भगवान शांतिनाथ की प्रतिमा थी, सजे संवरे 9 ऊंट गाड़ों पर बच्चे सवार थे**

श्रावक-श्राविकाओं ने धूप, दीप व भेंट चढ़ाकर वंदना की। गोगागेट के बाहर गौड़ी पार्श्वनाथ में गुरूवार को पूजा होगी। श्री चिंतामणि जैन मंदिर में शाम को 108 दीपकों से आरती की गई।

जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ के गणिवर्य मेहुल प्रभ सागर, मुनि मंथन प्रभ सागर, बाल मुनि मीत प्रभ सागर, बीकानेर की साध्वी दीपमाला व शंखनिधि श्रीजी, जैन श्वेताम्बर पार्श्वचन्द्र गच्छ की वयोवृद्ध साध्वी पदम प्रभा व सुव्रताश्रीजी ने कुछ देर भजन मंडलियों की प्रस्तुतियों को देखा तथा गायकों को आशीर्वाद दिया। गणिवर्य मेहुल प्रभ सागर म.सा. ने इस अवसर पर कहा कि प्रभुवर की भक्ति एवं भजन अशांत संसार से मुक्ति और शांतिमय जीवन जीने का सरल मार्ग है। प्रभु भक्ति की साधना सहज होने के कारण इसे कोई कर सकता है। प्रभु भक्ति से अंतर में प्रभु से प्रीति होती है और वही प्रीति नश्वर शरीर व संसार से प्रीति छुड़ा सकती है। भक्ति में ही आत्मा-परमात्मा से मिलन करवाने की शक्ति है। प्रभु भक्ति से रोग, शोक, आधि-व्याधि व उपाधि से मुक्ति मिलती है सहज आनंद व आत्म सुख और मुक्ति मिलती है।

चिंतामणि जैन मंदिर प्रन्यास के अध्यक्ष हरीश नाहटा ने बताया कि भगवान की सवारी में चार सजे संवरे घोड़े, पंचरंगी जैन ध्वज, नगाड़े, बैंड पार्टी, ढोल तासा पार्टी, भगवन महावीर के जीवन आदर्शों का स्मरण दिलाने वाले यथा परमात्मा का समोशरण, चंदन बाला द्वारा भगवान महावीर स्वामी को बाकुले की गोचरी प्रदान करते हुए, भगवान महावीर के कायोत्सर्ग के चित्र, चांदी का कल्पवृक्ष, चांदी का समोशरण आदि शामिल थे। सवारी में शामिल सजे संवरे 9 ऊंट गाड़ों पर बच्चे सवार थे। वहीं श्रावक चंदन की दो चौकियां, पुष्पन के दो हार, केसर भरियों बाटको पूजो नैन कुमार व जिन शासन देव की जय.. के नारे लगा रहे थे।

भगवान की सवारी में शामिल श्रावकों का जगह- जगह चाय, नाश्ता व आइसक्रीम आदि से सत्कार किया गया। अनेक स्थानें पर स्वागत द्वार व बैनर लगाये गए। नाहटा ने बताया कि आदिश्वर मंडल ने भगवान महावीर की सवारी में शामिल होने का 75 वां यानि हीरक जयंती महोत्सव मनाया। वहीं कोचर मंडल ने 83 वां वर्ष, वीर मंडल, महावीर मंडल, जैन गौतम मंडल व जैन मंडल की मंडलियों के सदस्य अलग दुपट्टा व पोशाक तथा बैज लगाये हुए विभिन्न राग व तर्जों में भजनों की प्रस्तुतियां दे रहे थे। श्री चिंतामणि जैन मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद सवारी रवाना हुई। भगवान की सवारी नाहटा चौक, गोलछा, खजांची, रामपुरिया, राखेचा होते हुए गोगागेट के बाहर गौड़ी पार्श्वनाथ मंदिर पहुंची। 7 को सुबह साढ़े नौ बजे गोगागेट के गौड़ी पार्श्वनाथ नाथ मंदिर से रवाना होकर चिंतामणि जैन मंदिर में संपन्न होगी।

चिंतामणि जैन मंदिर प्रन्यास के तत्वावधान में सकल श्री संघ के सहयोग से बुधवार को भगवान की सवारी गाजे-बाजे से निकली।

ओरण परिक्रमा में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी

देशनोक, (कासं)। मां करणी की पावन नगरी देशनोक में तीन दिवसीय ओरण परिक्रमा के दौरान लाखों श्रद्धालु उमड़े। इस दौरान सड़कों पर लम्बा जाम लग गया और मोबाइल नेटवर्क भी बाधित हुआ।

दिन ढलते ही देशनोक में श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार बढ़ती गई। शाम होते-होते देशनोक-बीकानेर रोड से लेकर भारतमाला मार्ग तक करीब 5 किलोमीटर लम्बा जाम लग गया। वाहनों की कतारें देर रात तक लगी रही और यातायात रात एक बजे के बाद सामान्य हो सका। जाम का मुख्य कारण श्रद्धालुओं द्वारा वाहनों को अव्यवस्थित तरीके से खड़ा करना रहा, जिससे नापासर रोड और बीकानेर रोड दोनों ओर आवाजाही पूरी तरह बाधित हो गया।

अत्यधिक भीड़ के कारण मोबाइल नेटवर्क भी ठप पड़ गया। फोन कॉल्स लगना बंद हो गए और इंटरनेट कनेक्शन धीमा हो गया, जिससे कई श्रद्धालु अपने परिजनों से संपर्क नहीं कर सके। यह स्थिति नेटवर्क कंपनियों की क्षमता से अधिक संख्या में लोगों के एक साथ जुड़ जाने से बनी।

इस भारी भीड़ के बीच सेवादारों और स्वयंसेवी संस्थाओं ने जगह-जगह पानी, भोजन, चिकित्सा और विश्राम की व्यवस्था की। श्रद्धालुओं ने भी अनुशासन बनाए रखा। पुलिस और प्रशासनिक टीमों ने रात तक मोर्चा संभाले रखा और जाम खोलने के प्रयास किए। विशेषज्ञों ने बताया कि इस बार की ओरण परिक्रमा में अब तक देशनोक के इतिहास की सबसे बड़ी परिक्रमाओं में से एक माना जा रहा है।

सार-समाचार

इंटरनेशनल आर्ट सिम्पोजियम

सुदर्शना आर्ट गैलरी नागरी भंडार में इंटरनेशनल आर्ट सिम्पोजियम प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

बीकानेर, (कासं)। धोरा इंटरनेशनल आर्ट सोसायटी और इंडो कोरिया समकालीन कलाकार समूह के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय इंटरनेशनल आर्ट सिम्पोजियम का समापन बुधवार को सुदर्शना आर्ट गैलरी, नागरी भंडार में हुआ। इस दौरान कलाश्री, महावीर स्वामी, विद्यासागर उपाध्याय, कालीचरण गुप्ता और कोरिया के कलाकार मौजूद थे। शिविर समन्वयक डॉ. रजनीश हर्ष ने बताया कि सिम्पोजियम में दक्षिण कोरिया के अलावा केरल, बैंगलुरू, दिल्ली और जयपुर के साथ बीकानेर के कलाकार ने तीन दिन हरासर हवेली में अपना कला कार्य किया। बीकानेर के कलाकारों के साथ नेशनल ओर कोरियाई कलाकारों ने अपने कला कार्य के साथ एक-दूसरे की कला को जानने का मौका मिला। मूर्त ओर अमूर्त शैली का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में सात कोरियन कलाकारों के अलावा कालीचरण गुप्ता, रश्मि खुराना, संतोष वर्मा, हेमराज, महावीर स्वामी, डॉ विद्यासागर उपाध्याय, विनय शर्मा, डॉ. रजनीश हर्ष, मनीष शर्मा, लोकेश जैन, आशीष श्रृंगी, मनोज सोलंकी, भारती आर्य, सुनील दत्त रंगा, कमल जोशी, डॉ मोना डूडी, योगेंद्र पुरोहित, अनुराग स्वामी और सौरभ शर्मा सहित 27 कलाकारों ने भाग लिया। इन सभी की कलाकृतियों की दो दिवसीय प्रदर्शनी बुधवार को सुदर्शना कला दीर्घा में शुरू हुई। यह गुरूवार को भी आमजन के अवलोकनार्थ खुली रहेगी।

माकपा का प्रशिक्षण शिविर

पूर्व विधायक गिरधारी महिया ने जिला स्तरीय प्रशिक्षण शिविर को लेकर माकपा कार्यकर्ताओं की बैठक ली।

बीकानेर, (कासं)। पुरानी गिन्नाणी स्थित भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के जिला कार्यालय बी टी आर भवन में आज जिला कमेटी की बैठक पूर्व विधायक कॉमरेड गिरधारी लाल महिया की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें बतौर राज्य पर्यवेक्षक राम रतन बगडिया उपस्थित रहे। जिला सचिव सुंदरलाल बेनीवाल ने बताया कि बैठक में पार्टी को मजबूत बनाने के लिए नई भर्ती करने के साथ-साथ जिला स्तरीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन दिसंबर माह के दूसरे सप्ताह में आयोजित किया जाएगा। सचिव ने यह भी बताया कि तहसील कमेटियों की बैठकें भी तय की गई जिसमें जिला पर्यवेक्षक उपस्थित शामिल होंगे। बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्रीडूंगरगढ़ के पूर्व विधायक कॉमरेड गिरधारी लाल महिया ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों की मूंगफली, ग्वार, मोठ और बाजरी की सरकारी खरीद में जानबूझकर देरी कर रही है। किसानों की गिरदावरी पंजीयन से पहले ही सरकार द्वारा पोर्टल बंद करना सरकार का किसान विरोधी कदम है जिसके खिलाफ भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी आंदोलन करेगी। बैठक में श्रीडूंगरगढ़ के तहसील सचिव मुखराम गोदारा, बीकानेर सदर के सचिव भंवरलाल, बीकानेर नगर सचिव बजरंग छिंपा, अशोक शर्मा, मोहनलाल भादू, सीमा जैन, अशोक पुरोहित, रहमत बानो शेखर रेगर, निंबाराम डूडी आदि उपस्थित थे।

हत्यारों का जुलूस निकाला

सूरतगढ़, (कासं)। सूरतगढ़-भोजेवाला रोड़ पर स्थित चक 1 केएसपीएम स्थित खेत की ढाणी में रात के समय सोए हुए वृद्ध की हत्या के मामले में गिरफ्तार पांच आरोपियों का सिटी थाना पुलिस ने बुधवार को शहर के बीच बाजार में कान पकड़वाकर जुलूस निकाला। पुलिस द्वारा इस तरह बेड़ियों में जकड़कर युवकों की परेड किए जाने का दृश्य देख राह चलते लोग रूक गए। थानाधिकारी दिनेश सारण ने बताया कि इस परेड का मकसद यही है कि आमजन अपराध की दुनियां से दूर रहे और अच्छे नागरिक बनें। सीआई ने बताया कि 22 अक्टूबर की रात जमीनी विवाद के चलते वार्ड न. 5 निवासी सुल्तान राम कूकणा की हमलावरों ने लाठी और गंडासी से हमला कर हत्या कर दी थी। इसे लेकर मृतक के भांजे कुलदीप कुमार ने आठ नामजद सहित दो-तीन अन्य के खिलाफ सिटी थाना में हत्या का मामला दर्ज करवाया था। पुलिस ने इस प्रकरण में 26 अक्टूबर को दो भाइयों सहित तीन आरोपियों को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। इसके बाद दो और फिर चार और आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की थी। इनमें से पांच आरोपी रवि चौधरी पुत्र मोहनलाल निवासी प्रेमपुरा, कृष्ण कुमार पुत्र कुंभाराम नायक, मेघराज पुत्र रतिराम नायक, विक्रम पुत्र पवन कुमार नायक तीनों निवासी गांव सोमासर और श्रवण कुमार पुत्र अमरू राम नायक निवासी ठुकराना की पुलिस सुरक्षा में शहर के बाजार में परेड करवाई गई। इसके बाद तीनों आरोपियों को श्रीगंगानगर में कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। वहीं लूणकरणसर उपखंड क्षेत्र में मंदिरों को निशाना बनाने का सिलसिला जारी है। रात महाजन पुलिस थाना क्षेत्र के चक 5 बीएचएम तेजाणा स्थित तेजाजी मंदिर में चोरी की घटना हुई। चोरों ने मंदिर की दान पेटी से नकदी चुरा ली।

घर में मिली महिला डॉक्टर की 4 दिन पुरानी लाश

बीकानेर, (कासं)। बीछवाल में घर में महिला डॉक्टर की सड़ी-गली लाश मिली है। पड़ौसियों को घर के बाहर दुर्गन्ध आई तो उन्होंने पुलिस को बुलाया। घर चारों तरफ से बंद था। पुलिस ने मुख्य गेट को तोड़ा तो घर के अंदर वाले कमरे में बैड पर डॉक्टर का शव दिखाई दिया।

पुलिस ने अंदेशा जताया है कि शव 4 दिन पुराना हो सकता है। पूछताछ में ये भी सामने आया है कि महिला डॉक्टर पड़ौसियों से कम ही बात करती थी। ऐसे में पुलिस ने जर्मनी से उनके डॉक्टर भाई को बुलाया है। मामला बीकानेर के बीछवाल थाना इलाके के करणी नगर स्थित होटल करणी भवन पैलेस के पास भोजवानी विला का बुधवार दोपहर 3 बजे का है।

सीओ सदर अनुष्का कालिया ने बताया कि भोजवानी विला में मोनिका भिजवानी (50) का शव मिला है।

- **पड़ौसियों को दुर्गन्ध आई तो पुलिस को बुलाया**
- **मृतका डॉ. मोनिका भोजवानी पिछले 3 साल से प्रैक्टिस नहीं कर रही थी, वह अकेली थी**

एफएसएल टीम जांच में जुटी है। जर्मनी में रहने वाले मोनिका के भाई डॉ. संजय भोजवानी को जानकारी दे दी गई है। उनके आने के बाद पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई की जायेगी।

पुलिस के अनुसार शव लगभग चार से पांच दिन पुराना लग रहा है। शव पूरी तरह गल चुका था और उसमें से तेज दुर्गन्ध आ रही थी। शव को खिदमतगार खादिम सोसायटी व असहाय सेवा संस्थान के सेवादारों की मदद से पीबीएम अस्पताल भेजा गया। डॉक्टर मोनिका भोजवानी कुछ समय से लोगों से मिलजुल नहीं रही थी। अकेली ही घर में रहती थी। घर के अंदर एक कार भी खड़ी है, लेकिन उस पर काफी मिट्टी चढ़ी हुई है। कई दिनों से कार किसी ने चलाई नहीं है।

पुलिस ने उसके भाई को सूचना दी है, जो जर्मनी में वेटरनरी डॉक्टर है। उसके बीकानेर पहुंचने के बाद ही आगे की कार्रवाई शुरू की जायेगी। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस करने वाली डॉ. मोनिका भोजवानी 1993 के बैच की स्टूडेंट थी। डॉ. मोनिका भोजवानी पिछले 3 सालों से प्रैक्टिस नहीं कर रही थी। इससे पहले वे बीकानेर के ही प्राइवेट हॉस्पिटल में पैथोलॉजिस्ट थीं। उनके पिता सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज में सीनियर लैब टैक्नीशियन थे।

कार की टक्कर से बाइक सवार घायल

नापासर, (कासं)। नापासर थाना क्षेत्र में रात एक भीषण सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना पुलिस थाने से लगभग 200 मीटर दूर रोशनी घर के पास रात करीब 9 बजकर 27 मिनट पर हुई। पुलिस ने बताया कि हरिरामपुरा मोहल्ला नापासर निवासी आशीष कुमार, पुत्र श्यामसुंदर ओझा अपने दोस्त पार्थ पुत्र महावीर प्रसाद ओझा, वार्ड नंबर 4 पीलीबंगा के साथ रेलवे स्टेशन की ओर जा रहे थे। इसी दौरान देशनोक ओरण परिक्रमा में जा रही एक तेज रफ्तार स्विफ्ट कार ने गलत साइड से आकर उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर के कारण दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। नापासर थानाधिकारी लक्ष्मण सुथार और 112 के ड्राइवर रोहित थापन मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

झोंपड़े में आग लगने से महिला जिंदा जली

बीकानेर, (कासं)। हदां थाना क्षेत्र में एक खेत में बने झोंपड़े में आग लग गई, जिससे एक महिला जिंदा जल गई। वहीं करीब 16 लाख रूपए के जेवरात, कपड़े और अन्य सामान भी जलकर राख हो गए।

घटना की जानकारी मिलने पर हदां पुलिस और ग्राम विकास अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। उधर कोलायत विधायक अंशुमान सिंह भाटी ने भी इस बारे में रिपोर्ट मांगी है। हदां थाना क्षेत्र में आने वाले गांव खेतोलाई मूलवान में अचानक आग लगी। खेत में बनी ढाणी की आग ने झोंपड़े को जलाकर राख कर दिया।

यहां भूराराम पुत्र चुनाराम नायक की एक झोंपड़ी थी। इसी झोंपड़ी में उसकी बेटी सुशीला (30) सो रही थी। अचानक आग की चपेट में आने से वो बाहर नहीं आ सकी। जलने से उसकी मौत हो गई। उसका शव कोलायत के उप जिला अस्पताल की मोर्चरी

- **16 लाख रूपए के जेवरात सहित सारा सामान जलकर राख**
- **हंदा के गांव खेतोलाई मूलवान में आगजनी**

पहुंचाया गया जहां पोस्टमॉर्टम होगा।

ग्राम पंचायत झझू के प्रशासक की ओर से दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि करीब तीन लाख रूपए का घर का सामान जल गया। वहीं सोने व चांदी के करीब दस लाख रूपए के आभूषण भी जल गए हैं। मोठ व धान भी यहां पड़ी थी। पचास क्विंटल धान जल गया। इसके अलावा एक गाय और तीन बकरियां भी जलने से मर गई। करीब 16 लाख 55 हजार रूपए के नुकसान की आशंका जताई गई है।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

बीकानेर, (कासं)। यहां देर रात कानासर रेलवे फाटक के पास एक व्यक्ति की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की अब तक पहचान नहीं हो पाई है। शव पीबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। घटना देर रात करीब 11 बजे की है।

घटना के बाद एक बार ट्रेन भी मौके पर रूकी, लेकिन बाद में उसे लालगढ़ के लिए रवाना कर दिया गया। कानासर रेलवे फाटक से कुछ ही दूरी पर ये युवक ट्रेन की चपेट में आ गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को क्षत विक्षत स्थिति में पीबीएम अस्पताल पहुंचाया गया। जहां मोर्चरी में रखा गया है। खिदमतगार खादिम सोसायटी व

- **कानासर रेलवे फाटक से कुछ ही दूरी पर हुआ हादसा**

असहाय सेवा संस्थान के सेवादार सोएब, मो जुनैद खान, इमरान व राजकुमार खड़गावत ने शव को एम्बुलेंस से पीबीएम अस्पताल पहुंचाया। मौके पर बीछवाल थाना पुलिस व जीआरपी पुलिस पहुंची। युवक के कपड़ों में भी कोई पहचान पत्र नहीं मिल पाया है। वह ट्रेन में सवार था या फिर कानासर गांव के आसपास का ही रहने वाला था। ये अब तक स्पष्ट नहीं हो सका। पुलिस उसकी पहचान कर रही है।

आग लगने से नुकसान

नोखा, (कासं)। नोखा स्थित दावा गांव की टेला ढाणी में भीषण आग लगने से मनोहर नैन की ढाणी पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई। इस घटना में अनाज, कपड़े, गहने और नगदी सहित लाखों रूपए का सामान जलकर राख हो गया। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार मनोहर पुत्र भगवान राम नैन की ढाणी में लगी आग से घर का सारा सामान जल गया। परिजनों के अनुसार आग में अनाज, कपड़े, गहने और नगदी सहित अन्य घरेलू सामान का भारी नुकसान हुआ है। परिजन फिलहाल नुकसान का आंकलन कर रहे हैं। आग लगने की सूचना मिलते ही नोखा से फायर फाइटर की टीम और स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे। सभी ने मिलकर आग पर काबू पाया। घटना की जानकारी मगनाराम गोदारा ने दी।

सरपंच के खिलाफ मामला दर्ज कराने की मांग पर अड़े ग्रामीण

अनूपगढ़,(कासं)। अनूपगढ़ पंचायत समिति की ग्राम पंचायत 54 जीबी में ग्रामीण पिछले 30 दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं। ग्रामीण ग्राम पंचायत में हुए विकास कार्यों की आरटीआई के तहत जानकारी देने और पिछले पांच वर्षों में हुए कार्यों में भ्रष्टाचार की जांच की मांग कर रहे हैं।

सरपंच और तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाये गए हैं। ग्रामीणों की मांगें पूरी न होने पर दो दिन पहले एक ग्रामीण ने आमरण अनशन भी शुरू कर दिया है। आमरण अनशन शुरू होने के बाद बुधवार को विकास अधिकारी विनोद कुमार रैगर धरना स्थल पर पहुंचे और आंदोलनकारी ग्रामीणों से

- **अनूपगढ़ की ग्राम पंचायत 54-जीबी में विकास कार्यों में भ्रष्टाचार का मामला**

बातचीत की। ग्रामीणों ने विकास अधिकारी को बताया कि सरपंच और तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी ने ग्राम पंचायत में करवाए गए विकास कार्यों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया है। ग्रामीण इस मामले में दोषियों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग पर अड़े हुए हैं।

ग्रामीणों ने यह भी बताया कि प्रशासन द्वारा भ्रष्टाचार की जांच के लिए एक समिति का गठन किया गया था। इस समिति को 15 दिनों के भीतर जांच पूरी कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। हालांकि 25 दिन बीत जाने के बाद भी जांच कमेटी अपनी रिपोर्ट पूरी नहीं कर पाई है। विकास अधिकारी विनोद कुमार रैगर ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि जांच कमेटी निष्पक्षता से काम कर रही है और जल्द ही अपनी जांच पूरी कर लेगी। हालांकि, ग्रामीणों ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक दोषी सरपंच और अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज नहीं हो जाता, उनका धरना जारी रहेगा। विकास अधिकारी की समझाइश के बावजूद ग्रामीण अपनी मांगों पर दृढ़ हैं।

बीकानेर संभाग के 705 वरिष्ठ नागरिक पांच ज्योर्तिलिंग यात्रा पर रवाना

बीकानेर,(कासं)। देवस्थान विभाग की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, त्रंबकेश्वर, घृष्णेश्वर तथा एलोरा के लिए विशेष ट्रेन बुधवार को बीकानेर रेलवे स्टेशन से रवाना हुई।

विधायक जेठानंद व्यास तथा सुमन छाजेड़ ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया। इस अवसर पर जेठानंद व्यास ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना के अनुसार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों को सम्मान देने के उद्देश्य से इस योजना में कई नवाचार किए हैं। पहली बार सभी वरिष्ठ यात्रियों को वातानुकूलित ट्रेन में यात्रा करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि किसी कारण से यात्रा न कर पाने वाले वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह योजना वरदान साबित हो रही है। वे अपने जीवन में कम से कम एक तीर्थ स्थान की यात्रा

विधायक जेठानंद व्यास व भाजपा शहर अध्यक्ष सुमन छाजेड ने वरिष्ठ नागरिकों को पांच ज्योर्तिलिंगों की यात्रा के लिए ट्रेन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

ससम्मान कर रहे हैं। उन्होंने सभी वरिष्ठ नागरिकों को शुभकामनाएं तथा देवस्थान विभाग के अधिकारियों को समुचित व्यवस्थाएं चाक चौबंद रखने के निर्देश दिए।

सुमन छाजेड़ ने कहा कि यह योजना सरकार की वरिष्ठजनों के प्रति मान-सम्मान की भावना को दर्शाती है। योजना के तहत यात्रियों के ट्रेन में

- **वरिष्ठ नागरिकों को वातानुकूलित ट्रेन में यात्रा करवाई जा रही है**

आने-जाने से लेकर ठहरने भोजन तथा स्थानीय ऑटो आदि की व्यवस्था भी सरकार द्वारा निशुल्क करवाई जायेगी।

देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त गौरव सोनी ने बताया कि कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर पांच ज्योर्तिलिंगों की यात्रा के लिए रवाना हुई ट्रेन में बीकानेर संभाग के 705 वरिष्ठ नागरिक रवाना हुए।

इनमें बीकानेर और चूरू के 421 तथा श्रीगंगानगर एवं हनुमानगढ़ के 284 वरिष्ठ नागरिक शामिल हैं। वहीं जयपुर संभाग के 200 वरिष्ठ नागरिक जयपुर रेलवे स्टेशन से इसमें शामिल होंगे।

सड़क हादसों में दो लोग घायल

खाजूवाला, (कासं)। यहां देर रात हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से एक घायल को प्राथमिक उपचार के बाद बीकानेर रेफर किया गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली।

पहला हादसा खाजूवाला-बीकानेर सड़क मार्ग पर पूगल थाना क्षेत्र के एडीएम फांटा के पास हुआ। यहां मोटरसाइकिल बेकाबू होने से चक 1 पीबी निवासी शहजाद पुत्र शरीफ खान गंभीर रूप से चोटिल हो गया। दूसरा हादसा खाजूवाला-आनंदगढ़ सड़क मार्ग पर दंतौर थाना क्षेत्र के चक 15 की पुली के पास हुआ। मोटरसाइकिल के आगे अचानक पशु आ जाने से चक 1 केएलडी निवासी 50 वर्षीय सहीराम पुत्र बिशनाराम मेघवाल घायल हो गए। उन्हें हाथ में फैक्चर और सिर में चोटें आई। सहीराम को खाजूवाला के उप जिला अस्पताल में डॉ. पूनाराम रोझ ने प्राथमिक उपचार दिया। गंभीर चोटों के कारण उन्हें बीकानेर रेफर कर दिया गया।

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक : नियमन/2025/4472 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 04-11-2025

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 1 ए छोटी मुरब्बा नं. 7 के किला नं. 9, 12 में भूखण्ड संख्या का माप 25'-0'' गुणा 73'-0'' फीट के नियमन/पटटा हेतु आवेदक **श्री हरदीप सिंह पुत्र श्री सरदुल सिंह निवासी 09 छोटी चूनावढ़ श्रीगंगानगर** द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों/रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक **श्री हरदीप सिंह पुत्र श्री सरदुल सिंह निवासी 09 छोटी चूनावढ़ श्रीगंगानगर** द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर 1 ए छोटी मुरब्बा नं. 7 के किला नं. 9, 12 में भूखण्ड संख्या का माप 25'-0''गुणा 73'-0'' फीट का नियमन/पटटा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन/पटटा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पट्टा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा। -सचिव,नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर।

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक : नियमन/2025/4473 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 04-11-2025

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 3 ई छोटी मुरब्बा नं. 5/6 के किला नं. 20, 21 में भूखण्ड संख्या का माप 20'-0''गुणा 50'-0'' फीट के नियमन/पटटा हेतु आवेदक **श्री रिछपाल सोनी पुत्र श्री गणपत राम सोनी निवासी 6 ई छोटी नेहरा नगर श्रीगंगानगर** द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों/रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक **श्री रिछपाल सोनी पुत्र श्री गणपत राम सोनी निवासी 6 ई छोटी नेहरा नगर श्रीगंगानगर** द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 3 ई छोटी मुरब्बा नं. 5/6 के किला नं. 20, 21 में भूखण्ड संख्या का माप 20'-0''गुणा 50'-0'' फीट का नियमन/पटटा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन/पटटा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पट्टा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा। -सचिव,नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर।

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001

क्रमांक :- नियमन/2025/4471 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 04.11.2025

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 5 ई छोटी मुरब्बा नं. 9 के किला नं. 16 में भूखण्ड संख्या का माप 30' गुणा 52'-6'' फीट के नियमन / पटटा हेतु आवेदक श्री हंसराज पुत्र श्री मनफूल राम निवासी 2 एच एच नेतेवाता उद्योग विहार श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों / रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्री हंसराज पुत्र श्री मनफूल राम निवासी 2 एच एच नेतेवाता उद्योग विहार श्रीगंगानग

महावीर जैन को मोर्चा संयोजक बनाया

बूंदी । भाजपा जिला अध्यक्ष रामेश्वर मीणा ने प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ व जिला संगठन प्रभारी के निर्देश पर कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए महावीर जैन को जिला मोर्चा संयोजक नियुक्त किया है । भाजपा मीडिया प्रभारी अभिषेक जैन ने बताया कि जैन शहर अध्यक्ष राजकुमार श्रंगी की अगवाई में स्वागत किया गया । जैन ने कहा है कि संगठन ने जो मुझे जिम्मेदारी सौंपी ही उसका मैं ईमानदारी के साथ निर्वहन करुंगा और संगठन की रीति नीति के अनुसार संगठन को आगे बढ़ने का प्रयास करूंगा ।

गायों को खिलाया चारा व गुड़

निवाई। गुरु नानक देव की जयंती एवं देव दीपावली के अवसर पर सिन्धी समाज महिला कोर ठ्रुप ने गौशाला में गायों को चारा खिलाया। महिला कोर ठ्रुप की अध्यक्ष ऋचा इसरानी ने बताया कि श्री गुरु नानक देव जयंती पर्व को लेकर मंगलवार को कोर ठ्रुप की महिलाएं भजन कीर्तन करते हुए श्री दामोदर गौशाला पहुंची। जहां सभी महिलाओं ने पहले गाय की पूजा की और उसके बाद उन्हें हरा चारा व गुड़ खिलाया।

जनसुनवाई आज

बूंदी। राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिले में त्रिस्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत आमजन की समस्याओं की सुनवाई एवं उनके निस्तारण के लिए गुरुवार 6 नवम्बर को जिले की समस्त ठ्राम पंचायतों में ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया जाएगा ।

हत्या के मामले में उप प्रधान अहारी के पति व तीन बेटे गिरफ्तार

हत्या के मामले में दो नाबालिगों को भी डिटेन किया गया है

डूंगरपुर, (निसं)। धंबोला थाना पुलिस ने लिखीबडी गांव में गत दिनों हुई एक हिस्ट्रीशीटर की हत्या के मामले का खुलासा करते हुए सीमलवाडा उप प्रधान सीता अहारी के पति और उनके बेटे सहित चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में दो नाबालिगों को भी डिटेन किया गया है।

यह हत्या आपसी लेनदेन को लेकर रंजिश के चलते की गई थी। घटनाक्रम के अनुसार मृतक भूपेंद्रसिंह की पत्नी मीनाक्षी ने 2 नवंबर को धंबोला थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 1 नवंबर को उनके पति भूपेंद्र सिंह श्रमिकों को छोडने सीमलवाडा गए थे।

इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि सारोली निवासी जीवराम पुत्र मणीलाल अहारी, उनके बेटे राजनारायण अहारी व प्रकाश अहारी तथा अन्य लोग भूपेंद्रसिंह के साथ मारपीट कर रहे हैं। मीनाक्षी जब मौके पर पहुंचीं, तो उन्हें सडक किनारे भूपेंद्र सिंह का शव मिला। मीनाक्षी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि भूपेंद्र सिंह ने जीवराम को 3 लाख रुपए उधार दिए थे, जिसे वह लौटा नहीं रहा था। इसी वित्तीय विवाद के चलते जीवराम ने अपने बेटे और अन्य साथियों के साथ मिलकर भूपेंद्र सिंह की हत्या कर दी। पुलिस ने मृतक की पत्नी की रिपोर्ट के आधार पर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

हिस्ट्रीशिटर की हत्या के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया।

■ **यह हत्या आपसी लेनदेन को लेकर रंजिश के चलते की गई थी। घटनाक्रम के अनुसार मृतक भूपेंद्रसिंह की पत्नी मीनाक्षी ने 2 नवंबर को धंबोला थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।**

मामला दर्ज होने के बाद आरोपी फरार हो गए थे। पुलिस ने आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश दी,लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला। बाद में मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने सारोली निवासी जीवराम अहारी उनके बेटे राजनारायण और उनके दो साथी बापूलाल व प्रकाश को गिरफ्तार कर लिया।

इसके अतिरिक्त,दो नाबालिगों को भी डिटेन किया गया है। धम्बोला थानाधिकारी ने बताया कि पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया है कि उन्होंने पुरानी रंजिश के चलते हिस्ट्रीशीटर भूपेंद्रसिंह की हत्या की थी। पुलिस फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों से आगे की पूछताछ कर रही है।

नगर परिषद ने नहर रोड क्षेत्र में फोगिंग कराई

गंगापुर सिटी । नगर परिषद ने नहर रोड क्षेत्र में मच्छरों के प्रकोप को नियंत्रित करने के लिए फॉगिंग अभियान शुरू किया। यह अभियान आयुक्त एवं एसडीएम बृजेन्द्र मीणा के निर्देश पर स्वास्थ्य निरीक्षक पिन्टू राम मीना की देखरेख में चलाया गया। अभियान के तहत नहर रोड, कब्रिस्तान, मोक्षधाम और गोशाला के आसपास के इलाकों में फॉगिंग की गई। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, मानसून के बाद डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया जैसी मच्छर जनित बीमारियों के फैलने की संभावना बढ़ जाती है। जन स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर परिषद ने यह कदम उठाया है। फॉगिंग अभियान में नवीन कुमार और जमादार के नेतृत्व में एक टीम ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। इस दौरान, आयुक्त बृजेन्द्र मीणा ने नागरिकों से अपने आसपास सफाई बनाए रखने और कहीं भी पानी जमा न होने देने की अपील की।

राधा कृष्ण को छप्पन भोग, सजाई झांकी

गंगापुर सिटी । समीपवर्ती ढाय गांव में कार्तिक पूर्णिमा पर कार्तिक स्नानक रने वाले पुरूषो व महिलाओ ने राधा कृष्ण मंदिर में भगवान को छप्पन भोग लगा कर झांकी सजाई। इस दौरान आयोजित संकीर्तन में महिला पुरूषो ने एक से बढ कर एक भजनो की प्रस्तुती दे कर सभी का मन मोह लिया। समापन पर सभी ने सामूहिक आरती की एवं प्रसादी का वितरण किया गया।

सार-समाचार

गुरु नानक देव जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई

देवली । हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री गुरु नानक देव जी की जयंती के उपलक्ष्य पर यहां कई धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । गुरु घर के सेवक गोविंद सिंह सेठी ने जानकारी में बताया कि गुरु पर्व गुरु पर्व के अवसर पर समाज के सभी बंधुओ ने बढ़-चढ़कर सेवाएं की और पुण्य कमाया जानकारी के अनुसार बुधवार को यहां गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा मे श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया इस अवसर पर प्रतिदिन प्रात: काल प्रभात फेरी निकाली गई। इसी के साथ 11 दिनों तक श्री सुखमणि साहब के पाठों की लड़ियां महिला संगत द्वारा पढ़ी गई। तो वही इस उपलक्ष पर गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा दरबार में श्री अखंड पाठ रखा गया।जिनकी समाप्ति बुधवार को प्रात:10 बजे अरदास के साथ हुई। तत्पश्चात गुरुद्वारा ठांथि त्रिलोक सिंह ने श्री गुरु ठांथ साहिब जी के समक्ष कीर्तन दरबार सजाया इस मौके पर गुरु घर की महिला संगत ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान महिला संगत ने भी एक से बढ़कर एक गुरु के कीर्तन किये कीर्तन पश्चात गुरुद्वारा ठांथि ने श्री गुरु ठांथ साहिब जी के समक्ष अरदास कर सुख समृद्धि की मनोकामना की। वही ठांथी ने मौजूदा साध संगत को श्री गुरु नानक देव जी के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। तत्पश्चात गुरुद्वारे में अटूट लंगर प्रसादी का वितरण शुरू हुआ। जो रात्रि 10:30 बजे तक चलता रहा। रात्रि अटूट लंगर में भी समाज के लोगों ने बढ़ चढ़कर सेवाएं करते हुए प्रसादी ठाहण की। इस अवसर पर गुरु के भक्तों ने जमकर जो बोले सो निहाल सत श्री अकाल के जय घोष लगाएं जिससे कार्यक्रम भक्ति मय बना रहा । कार्यक्रम को भक्ति म गुरुद्वारा ठांथी ने जानकारी में यह भी बताया कि बुधवार की शाम को युवकों और बच्चों ने जमकर आतिशबाजी इसके बाद रात्रि 11:00 बजे कार्यक्रम की समाप्ति कर दी गई।

घर-घर जाकर गणना प्रपत्र दिए

बूँदी। निर्वाचन विभाग के निर्देशानुसार आज जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों में बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा मतदाताओं को घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरण की कार्रवाई की गई। पहले फेज में मतदाता सूची में 1 से 200 तक की क्रम संख्या पर अंकित मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किए जा रहे हैं विधानसभा क्षेत्र बूंदी में उपखंड अधिकारी बूंदी श्री लक्ष्मीकांत मीणा द्वारा कई बूथ का निरीक्षण किया गया । तहसीलदार रायथल नरोत्तम मीणा द्वारा भी निरीक्षण किया गया।इसी प्रकार अन्य विधानसभाओं में भी सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं सहायक निर्वाचन अधिकारियों द्वारा अपने अपने क्षेत्र में गणना प्रपत्र वितरण की स्थिति का निरीक्षण किया गया। गणना प्रपत्र में कुछ जानकारी पूर्व से मुद्रित है तथा कुछ जानकारी संबंधित मतदाताओं द्वारा भरकर बूथ लेवल अधिकारी को देनी है बूथ लेवल अधिकारी द्वारा प्राप्त गणना प्रपत्र को ऑनलाइन अपलोड किया जाएगा।

नि:शुल्क नेत्र जांच एवं परामर्श शिविर का 11 को

हिण्डौन सिटी (निसं) । करौली जिले में जीवन ज्योति फांउण्डेशन के तत्त्वावधान में नि:शुल्क नेत्र जाँच एवं परामर्श शिविर का शुभारंभ 11 नवंबर को प्रात: 11 बजे राजकीय आयुर्वेद औषधालय सूरौठ में किया जायेगा । जिसमें नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. नंद मोहन सुमन के द्वारा नेत्र रोगियों की जाँच की जायेगी । फाउण्डेशन के मीडिया प्रभारी मदन मोहन भास्कर ने बताया कि जीवन ज्योति फाउंडेशन विगत पांच वर्षों से जिले सहित राज्य भर में बहुत ही अच्छा कार्य कर रही है। टीम द्वारा जरूरतमंद मरीजों को नि:शुल्क रक्तदान, रोटी बैंक के माध्यम से भोजन वितरण, नि:शुल्क नेत्र जाँच व चिकित्सा शिविर, वस्त्र वितरण, शीतल जल प्याऊ आदि माध्यमों से कार्य कर रही है,जो बेहद पुण्य का कार्य है। नेत्र चिकित्सा व जांच शिविर लगाकर क्षेत्र के जरूरत मन्द मरीजों को लाभ पहुंचाने का कार्य कर रहे है। डॉ.घनश्याम व्यास और ओमवीर चौधरी ने बताया कि फाउंडेशन का प्रमुख उद्देश्य प्रत्येक पंचायत स्तर, गांव गांव, ढाणी ढाणी में जाकर जिले से मोतियाबिंद को खत्म करना है। जिले को मोतियाबिन्द मुक्त जिला बनाया है शिविर की व्यवस्थाओं को लेकर टीम द्वारा एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें टीम के संचालक ओमप्रकाश डागुर, डॉ. घनश्याम व्यास, प्रमोद तिवारी, ओमवीर चौधरी बेरखेड़ा,असलम खान, मुकेश शर्मा , भूपाल सिंह पीटीआई, विश्राम मीणा, सतीश मदेरणा आदि मौजूद रहे ।

मरीज के परिजन ने जताया डॉक्टर्स टीम एवं ब्लड बैंक का आभार

गंगापुर सिटी । जयपुर रोड स्थित सीपी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में गंभीर परिस्थितियों में आई मरीज की मिला दूसरा जीवनदान सीपी हॉस्पिटल के जनरल डॉ. देशराज मीणा ने बताया की छोटी उदेई गांव से आई मरीज सर्वोदरा देवी उम्र 55 साल का हीमोग्लोबिन 1.2 और सैचुरेशन 70ध35 था और प्लेटलेट 6000 थी उनको आईसीयू में तीन दिन मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना द्वारा इलाज किया गया और हर तरह की गंभीर परिस्थितियों में लगातार डॉक्टर एवं मेडिकल टीम की मौजूदगी में हर संभव इलाज दिया गया अब मरीज बिल्कुल स्वस्थ है मरीज के परिजनों ने हॉस्पिटल परिवार एवं डॉक्टर्स टीम एवं सीपी हॉस्पिटल ब्लड बैंक की टीम जिन्होंने हर परिस्थिति में मरीज को रक्त मुहैया करवाकर मरीज को जीवनदान दिया उन्होंने सबका आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया है अब मरीज पूरी तरह स्वस्थ है उनको डिस्चार्ज करके घर भेज दिया है वर्तमान में सीपी हॉस्पिटल के अंदर सभी तरह की इमरजेंसी ट्रॉमा, हाइपरटेंशन, फूड प्वाइजनिंग, पैरालिसिस,स्नेक बाइट ग्रस्त मरीजों, को स्वस्थ करके घर भेजा जा रहा है इस दौरान सीपी हॉस्पिटल के जनरल फिजिशियन डॉ. देशराज मीणा, जनरल सर्जन डॉ. सचिन सिंह , ब्लड बैंक इंचार्ज सचिन शर्मा, इमरजेंसी टीम में देवेंद्र शर्मा,प्रकाश बैरवा ,नरेंद्र मीणा, नर्सिंग सुपरीटेंडेंट मिथिलेश बैरवा, चेतराम, पवन शर्मा,वामिश आदि मेडिकल स्टाफ मौजूद रहे।

गांव भवनपुरा में रास्ते की समस्या पिछले 3 साल, रास्ता बेहद खराब

भरतपुर (निस)। भरतपुर के जघीना ग्राम पंचायत के गांव भवनपुरा में रास्ते की समस्या पिछले 3 साल से बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि रास्ता बेहद खराब है और बड़े-बड़े गड्ढे हैं, जिससे हमेशा दुर्घटना का खतरा बना रहता है। इसके अलावा, पानी निकासी नहीं होने से पानी जमा है। ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें हमेशा डर लगा रहता है कि बड़े-बड़े वाहन यहां से निकलते हैं और कब पलट जाएं। छोटे-छोटे बच्चों को घर से बाहर नहीं जाने देते हैं क्योंकि उन्हें चोट लगने का खतरा रहता है। आए दिन लोग इसमें गिरकर चोटिल हो रहे हैं। टू व्हीलर और साइकिल सवार लोगों का निकलना भी मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों ने कई बार विधायक, सरपंच और जिला प्रशासन को अवगत कराया है, लेकिन समस्या जस की तस है। ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या का समाधान नहीं हुआ है.जिसके चलते ग्रामीण परेशान है. ग्रामीणों की मांग है कि समस्या का समाधान किया जाए, जिससे लोगों को राहत मिल सके।

देव दीपावली के अवसर पर अन्नकूट एवं सुंदरकांड पाठ आयोजित

भरतपुर (निस)। कार्तिक मास की पूर्णिमा एवं देव दीपावली के अवसर पर लायंस क्लब भरतपुर रॉयल द्वारा किला में बिहारी जी के परिक्रमा मार्ग में स्थित हटीले हनुमान जी मंदिर पर संगीतमय सुंदरकांड पाठ एवं अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया। क्लब अध्यक्ष बीएम गुप्ता ने बताया कि इस अवसर पर फूल बंगला सजाया गया। मीडिया प्रभारी अमित खंडेलवाल ने बताया कि सुंदरकांड पाठ में सुनील एंड पार्टी द्वारा अपने भजनों के माध्यम से लोगों को भक्ति में सराबोर कर दिया। क्लब सचिव रमेश चंद्र वर्मा ने बताया कि क्लब के सदस्यों के अलावा मंदिर पर आने वाले दर्शनार्थियों ने भी अन्नकूट प्रसादी ग्रहण की तथा फूल बंगला झांकी के दर्शन किये। क्लब संरक्षक विनोद सिंघल ने बताया कि ब्रज में अन्नकूट प्रसादी का विशेष महत्व माना गया है। जोन चेयरपर्सन मंजू गुप्ता ने बताया कि अन्नकूट को ब्रज में गिरिराज जी का प्रिय भोग माना जाता हैं। कार्यक्रम के संयोजक शैली शर्मा रहे। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष मनु राणा, सुनील मित्तल, निरपेश अग्रवाल, सत्यव्रत आर्य, मंगतूराम बंसवाड़ा, संजय गुप्ता, डॉ रोहित भारतीय, लोकेंद्र बरसो, संजय चौधरी, कुमुद गोयल, भारतीय आदि मौजूद रहे।

गुरु नानक देव जी का प्रकाशोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया

सिखों के प्रथम गुरु गुरु नानक देव जी का प्रकाशोत्सव बुधवार को श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया।

अलवर। सिखों के प्रथम गुरु गुरु नानक देव जी का प्रकाशोत्सव बुधवार को श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शहर के स्कीम नंबर दो स्थित गुरुद्वारे में मुख्य आयोजन हुआ।

गुरुद्वारे में अखंड पाठ साहिब के भोग के बाद कीर्तन दरबार सजाया गया, जिसमें कथा वाचक रणजीत सिंह और राम सिंह मिशनरी ने गुरु नानक देव जी के उपदेशों और जीवन संदेशों पर प्रकाश डाला। कीर्तन के दौरान संगत भावपूर्ण तरीके से गुरु वाणी में लीन रही। प्रकाशोत्सव के अवसर पर गुरुद्वारे को रंग-बिरंगी रोशनियों से सजाया गया। श्रद्धालुओं के बैठने और लंगर की व्यवस्था के लिए सेवादारों को नियुक्त किया गया था। लंगर में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ठाहण किया। गुरु नानक देव जी के उपदेशों - नाम जपो, किरत करो और वंड छको - को याद करते हुए संगत ने आपसी प्रेम, सेवा और समानता का संदेश फैलाने का संकल्प लिया।

गुरूनानक देव का 556वॉ प्रकाश पर्व बडी धूमधाम से मनाया

भरतपुर (निस)। गुरूद्वारा संत बाबा नत्था सिंह गली 14 महादेव गंगा मंदिर भरतपुर पर ग्वारिया सिक्ख समाज द्वारा गुरूनानक देव का 556वॉ प्रकाश पर्व बडी धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर 3 नबम्वर को आरम्भ अखण्ड पाठ साहिब का आयोजन किया गया। 5 नबम्वर को भोग श्री अखण्ड पाठ साहिब व शबद कीर्तन का आयोजन किया गया। इसके उपरांत गुरू का अटूट बरताया गया। इस अवसर पर प्रात: प्रभात फेरी निकाली गई व रात्रि को आतिशबाजी का आयोजन किया गया।

हजारीपुरा में पुस्तकालय का शुभारम्भ

करौली(निंसं.)। हजारीपुरा के राज्यस्तरीय श्रेष्ठ शिक्षक पुरुस्कार से सम्मानित शिक्षक शान्तनु पाराशर ने हजारीपुरा गाँव के प्रतियोगियों के सपनों को पूरा करने के लिये गाँव में ही उच्च गुणवत्तापूर्ण पुस्तकालय बनाने के लिये दीपावली को लिये संकल्प को देवदीपावली के दिन करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर के करकमलों से शुभारम्भ करवाकर पूर्ण किया है।

हजारीपुरा गाँव के प्रतियोगियों विशेषकर बेटियों को पुस्तकालय अध्ययन के लिये करौली आने जाने पर कई प्रकार की प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ता था व समय भी वहुत ज्यादा व्यर्थ होता था जब यह बात उन्होंने दीपावली पर गाँव मिलने आये स्थानीय विद्यालय राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय के शिक्षक शान्तनु पाराशर के समक्ष रखी तो उन्होंने उसी दिन संकल्प लिया कि मैं गाँव के बेटे-बेटियों के सपनों को पूरा करने के लिये गाँव में ही पुस्तकालय तैयार करूँगा।

कला महोत्सव में भाग लेने करौली का दल रवाना

करौली(निंसं.)। अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक सर्वेश कुमार गुप्ता ने बताया कि 6 एवं 7 नवंबर को मंडफिया चित्तौड़गढ़ में आयोजित राज्य स्तरीय कला महोत्सव में भाग लेने के लिए करौली जिले का 15 सदस्यीय दल रवाना हुआ।

दल प्रभारी मुकेश कुमार मीणा और सह प्रभारी मनीषा पूनिया के साथ विभिन्न विद्यालयों के छात्र एवं छात्राएं संगीत गायन, संगीत वादन,एकल नृत्य, सामूहिक नृत्य,पेंटिंग प्रतियोगिता, कहानी,नाटक,दृश्य कला,सुषिर वाद्य यंत्र एवं विभिन्न विधाओं में राज्य स्तर पर अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

गौरतलब है कि ये सभी विद्यार्थी जिला स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता के विजेता रहे हैं।

प्रतियोगिता का आयोजन राजकिय उच्च माध्यमिक विद्यालय मंडफिया चित्तौड़गढ़ में किया जा रहा है। जिसमें सर्वाधिक स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल ब्लॉक करौली के 11 विद्यार्थियों का समूह है,सभी विद्यार्थियों को अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक सर्वेश कुमार गुप्ता ने श्रेष्ठ प्रदर्शन कि अठिाम शुभकामनाएं के साथ रवानगी दी।दल कि रवानगी के समय स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल ब्लॉक करौली के प्रतिनिधि के रूप में राजेश कुमार मीना भी उपस्थित रहे।

सरोवर किनारे धुणी रमा रहे हैं देशभर से आए साढ़े तीन सौ साधु संत

कोलायत । यहां कार्तिक पूर्णिमा मेले के दौरान देशभर से आए साढ़े तीन सौ से ज्यादा संतों ने धुणी रमाई। सांख्य दर्शन के प्रणेता माने जाने वाले कपिल मुनि के मंदिर और कपिल सरोवर के पास चार संप्रदायों के सैकड़ों संत तप कर रहे हैं। दत्तात्रेय ओर कपिल मुनि के इस तप स्थल को सर्वश्रेष्ठ माना गया है, इसी कारण कामाख्या, हरिद्वार सहित देशभर से साधु संत अपने शिष्यों के साथ यहां पहुंचे हैं। उधर, मेले में इस बार विशेष व्यवस्थाएं विधायक अंशुमान सिंह भाटी के निर्देशन में की गई है।

हर बार की तरह इस बार भी मेले में नागा सन्यासी, श्रीनाथ संप्रदाय, महानिर्वाणी, रामा पंथ के साधु संत पहुंचे हैं। जो अलग अलग घाट पर धुणी लगाकर बैठे हैं। इसके लिए सभी 84 घाटों पर बैठने की व्यवस्था की गई है। धुणे लगाने की व्यवस्था की गई है। इनमें मंदिर के पास ही स्थित मुख्य घाट, गऊ घाट, जनाना घाट पर सर्वाधिक भीड़ देखी जा सकती है। इसके अलावा संतोषी माता घाट, पंच मंदिर घाट, रतनेश्वर घाट, गंगा माता मंदिर घाट, भूतनाथ मंदिर घाट पर भी भारी संख्या में साधु संतों का डेरा है।

■ **कोलायत में कार्तिक पूर्णिमा का मेला**

कोलायत के कपिल सरोवर के किनारे अब तक केदारनाथ, प्रयागराज, काशी, जूनागढ़ , कामाख्या, हरिद्वार, ऋषिकेश के संत पहुंचे हैं। ये संत तीन से चार दिन तक लगातार यहां पर तप करते हैं। इस दौरान मेला प्रबंधन की ओर से ही इनके लिए सभी तरह की व्यवस्था की जाती है। मान्यता है कि कार्तिक महीने में कपिल सरोवर किनारे किया गया तप शेष ग्यारह महीने में किया गए तप के समान है। कपिल मुनि ने यहां तपस्या की थी।

दरअसल, कपिल मुनि के इस मंदिर को साधु संतों का ननिहाल माना जाता है। दतात्रेय साधु संतों के आराध्य देव है और कपिल मुनि दतात्रेय के मामा थे। इसलिए दत्तात्रेय के अनुयायी इसे अपना ननिहाल कहते हैं। आज भी भगवान दत्तात्रेय और कपिल मुनि के चरण पादुका के पास तप किया जाएगा।

इस आयोजन की पूरी जिम्मेदारी श्रीमहंत की होती है। वो ही सारी व्यवस्थाएं देखते हैं। हर बार एक नए संत को श्रीमहंत की जिम्मेदारी दी जाती है। इस बार कृष्णपुरी महाराज को श्रीमहंत बनाया है। आज भगवान दत्तात्रेय के एक क्विंटल चूरमे का भोग लगाया जाएगा।

इसकी व्यवस्था भी श्रीमहंत ही देख रहे हैं। मेले के बाद साधु संतों की वापसी पर उन्हें दक्षिणा दी जाएगी। हजारों की संख्या में स्थानीय भक्त भी कार्तिक पूर्णिमा का स्नान करने के लिए कपिल सरोवर पहुंचे हैं। कोलायत में सरोवर स्थल पर शाम के वक्त भारी भीड़ रही।

'गुरुनानक देव जी की सेवा को जीवन में आत्मसात करें'

भीलवाड़ा। शहर विधायक अशोक कोठारी ने आज आमजन से आव्हान किया कि वे गुरुनानक देव जी द्वारा बताए मार्ग पर चलकर सत्य और सेवा को जीवन में आत्मसात करें।

विधायक कोठारी बुधवार सवेरे सिंधुनगर स्थित गुरुद्वारा प्रांगण में गुरुनानक देव जी के 556 वें प्रकाश पर्व पर माथाटेक आशीर्वाद प्राप्त कर कीर्तन व संगत में धर्म लाभ लेने के बाद उपस्थित जनसमुदाय से बात कर रहे थे। उन्होंने उपस्थित सिख समुदाय को प्रकाश पर्व की भावों के साथ बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गुरुनानक देव जी ने अपने जीवन में सत्संग और सेवा के मूल्यों को महत्व दिया। उन्होंने बताया कि गुरु नानक देव जी ने 14 वर्षों तक संपूर्ण भारत में 28 हजार किलोमीटर की यात्रा कर जन-जन तक मानवता का संदेश दिया। विधायक कोठारी ने कहा कि गुरुनानक देव जी ने बताया कि हमारा जीवन सुंदर और श्रेष्ठ हो, और हम हमेशा सत्य, धर्म और न्याय के मार्ग पर चलें। हमारे भीतर प्रेम, करुणा और मित्रता के भाव होने चाहिए। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि सत्य और ईमानदारी से उपार्जित धन का कुछ अंश प्रभु सेवा में लगाना चाहिए, क्योंकि सेवा ही मनुष्य को परमात्मा से मिलाती है। समारोह में गुरुद्वारा गुरु नानक सभा सिंधुनगर प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष इंद्रपाल सोनी व कमेटी के सदस्यों ने विधायक अशोक कोठारी सहित सभी अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर मनोज, विवेक निमावत (शिक्षा विद), बाबूलाल टाक, सत्यनारायण गूगड, कमल कोठारी, दिनेश सुथार, करण सिंह आदि भी साथ थे।

इंदरगढ़ माता को अन्नकूट का भोग लगाया

गंगापुर सिटी । मां इंदरगढ़ बिजासन सेवा समिति के द्वारा मंगलवार को इंदरगढ़ दरबार जिला बूंदी में अन्नकूट का आयोजन किया गया। इंदरगढ़ स्थित गंगापुर सिटी वालो की धर्मशाला में जागरण आयोजित किया गया।

म्यूजिकल ग्रुप के मनोज शर्मा एन्ड पार्टी द्वारा माता रानी की एक से एक भेंट सुनाकर श्रद्धालु नाचने पर मजबूर कर दिया। बुधवार प्रात: 7 बजे माता रानी की 108 मीटर लंबी विशाल चुनरी को सैकड़ो भक्तो ने अपने हाथों में लेकर जयकारा लगाते हुए माता रानी के दरबार पहुंचे, माता रानी को चुनरी भेंट कर दर्शन कर मन्नत मांगी।

पाली में चातुर्मास में ज्ञान दर्शन चारित्र तप की आराधना हुई

पाली । तेरापथ भवन में की जागरूकता का अभिनंदन कार्यक्रम के अवसर पर साध्वी श्री काव्या लता जी बताया कि इस चातुर्मास में ज्ञान दर्शन चारित्र तप की आराधना हुई। कार्यक्रम के दौरान साध्वी श्री जी ने पाली एक धर्म नगरी है वह यहां के सभी श्रावक श्राविकाओं सजग रहते हैं । 4 महीने का प्रवास कब खत्म होने आया समय का पता ही नहीं चला। सभी श्रावक श्राविकाओं ने हमें आध्यात्मिक भेंट दि । पाली आस्था श्रद्धा व समर्पण का केंद्र है।

पूरे जिन शासन में धर्म की अभिरुचि है। यहा पर जिन शासन की अधिक से अधिक धर्म प्रभावना हो सकती है ऐसा हमने अनुभव किया पाली के चार महीने के प्रवास में तेरापंथ युवक परिषद ने जो सक्रियता निष्ठा समर्पण के साथ कार्य किया वह दुर्लभ और ऐतिहासिक कार्य है इसके लिए तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष पीयूष चोपड़ा ने जो श्रम किया उत्साह दिखाया वह बुहुत सराहनीय है पीयूष चोपडा ने अपनी संपूर्ण टीम के साथ धर्म संघ के प्रभाव जो कार्यक्रम किए हुए हमेशा हमारी स्मृति पटल पर रहेंगे। साध्वी श्री जी ने सभी से खमत खामणा किया ।

■ **इस चातुर्मास के बारे में कहा कि जो भी कार्यकम हुए हैं गुरुदेव की आशीर्वाद से व काव्य लता जी की प्रेरणा के साथ संपन्न हुए हैं। तेरापंथ युवक परिषद पर काव्य लता जी का जो प्रेरणा बनी रही वह एक अविस्मरणीय रही । तेरापंथ युवक परिषद आपके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता है**

कार्यक्रम में डुंगर चंद चोपड़ा गौतम चंद छाजेड़ विनय बम शिखर चंद चौरडिया राजेश मरलेचा अपने भाव की अभिव्यक्ति दी। अध्यक्ष पीयूष चोपड़ा ने चारों साध्वीयो का गुणगान किया वह उनकी विशेषताएं बताइए। इस चातुर्मास के बारे में कहा कि जो भी कार्यकम हुए हैं गुरुदेव की आशीर्वाद से व काव्य लता जी की प्रेरणा के साथ संपन्न हुए हैं। तेरापंथ युवक परिषद पर काव्य लता जी का जो प्रेरणा बनी रही वह एक अविस्मरणीय रही । तेरापंथ युवक परिषद आपके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता है वह अध्यक्ष पीयूष चोपड़ा ने कहा आपने जो कार्य दिया उसके लिए अध्यक्ष के रूप में में हमेशा आपका ऋणी रहूंगा। वह हमेशा यह साल याद रहेगा। इस कार्यक्रम में चातुर्मास कल में तेरापंथ युवक परिषद के जो भी प्रायोजक परिवार बने उन सब का स्वागत व अभिनंदन किया गया। महावीर इंटरनेशनल अध्यक्ष संपतराज भंडारी ने भी तेरापंथ युवक परिषद का अभिनंदन पत्र दिया गया। व तेरापंथ युवक परिषद ने इस साल बहुत ही शानदार आयोजन कर रहा है।

चंदा देवी गोलछा सुभाष जी लुणिया राजेंद्र चोपड़ा रणजीत छाजेड़ गौतम चंद जी छाजेड़ नितेश और संदीप समदड़िया महावीर इंटरनेशनल अध्यक्ष संपत राज भंडारी वर्धमान ऑटोमोबाइल्स शक्ति सिंह पुनायता से विनय बम मडिया रोड से प्रकाश चंद काकरिया का स्वागत किया गया। सम्यक दर्शन कार्यशाला प्रायोजक परिवार अचल चंद बालड की ओर से 40 परीक्षा देने वालों का भी सम्मान किया गया। श्रीमती चंद्रा खाटेड व दिपिका खाटेड ने भी आगम मंथन के प्रतिभागियों का भी सम्मान किया गया। श्री गुरु नानक देव जयंती के अवसर पर नगर कीर्तन यात्रा निकली , सिखों के धर्मगुरू श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व बुधवार को शहर समय जिले भर में उत्साहपूर्वक बनाया गया, इस अवसर पर गुरुद्वारा को आक्र से ग्रोसरी से सजाया गया, वही सुबह 10:00 बजे गुरु ठांथ साहब अखंडपाठ का समापन हुआ, इसके बाद गुरु के जीवन पर प्रकाश डाला गया, लखनऊ से आए ठांथि लोगों ने शब्द कीर्तन किया, दोपहर में गुरु का लंगर भरता गया जिसमें सिख समाज के लोग उमड़े, 3:00 बजे बैंड बाजा के साथ गुरुद्वारा से नगर कीर्तन यात्रा रवाना हुई जो अंबेडकर सर्किल सूरजपाल सोमनाथ मंदिर भेरू घाट, पानी दरवाजा सराफा बाजार सोमनाथ मंदिर होकर वापस गुरुद्वारा पहुंची, नगर कीर्तन यात्रा में घोड़े पर पंच प्यारे, पंत बुहारती सिख समाज की महिलाएं, पाइप बैंड बठिंडा आकर्षण का केंद्र थे, उसके बाद पंच प्यारे और गुरु ठांथ साहब के फूलों से सजी सवारी के पीछे महिला कीर्तन करती चल रही थी।

मुख्यमंत्री भजनलाल के निर्देश पर प्रदेश में 18 नवंबर तक सड़क सुरक्षा अभियान चलेगा

शराब पीकर, तेज गति से, गलत दिशा में अथवा खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वालों पर शिकंजा कसा जाएगा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए 4 से 18 नवम्बर तक 15 दिवसीय सड़क सुरक्षा अभियान शुरु किया गया है।

इस मुहिम के जरिए सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, यातायात नियमों को सख्ती से लागू करने तथा आपातकालीन सहायता प्रणाली को

- **यातायात नियमों की सख्ती से पालना पर जोर, मुख्यमंत्री कार्यालय से हो रही है अभियान की मॉनिटरिंग**

सुदृढकिया जा रहा है। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा गृह विभाग से समेकित रिपोर्ट प्राप्त कर सड़क सुरक्षा अभियान की सघन मॉनिटरिंग की जा रही है।

इस अभियान के सफल संचालन के लिए विभागवार जिम्मेदारियां तय कर दी गई हैं। पुलिस विभाग को इसकी नोडल एजेंसी एवं फील्ड को-ऑर्डिनेटर बनाया गया है, जो सम्पूर्ण प्रदेश में अभियान का फील्ड-लेवल समन्वय एवं पर्यवेक्षण सुनिश्चित कर रहा है।

विभाग द्वारा शराब पीकर, तेज गति से, गलत दिशा में या खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वालो के विरुद्ध विशेष प्रवर्तन अभियान शुरु किया जा रहा है तथा बिना रिफ्लेक्टर या नंबर प्लेट वाले वाहनों पर विधिक कार्रवाई प्रारंभ की गई है।

सभी राजमार्गों और प्रमुख सड़कों पर संबधित थाना एवं यातायात टीमें प्रभावी कार्रवाई के लिए तैनात कर दी गई हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

साथ ही,यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि हाईवे मोबाइल यूनिट एवं एम्बुलेस निर्धारित मानको के अनुसार कार्यरत है।

सभी छह लेन राजमार्गों पर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-48 मॉडल के अनुरूप लेन ड्राइविंग सिस्टम लागू किया जाएगा।

शराब सेवन तथा ओवरस्पीड पर होगा ड्राइविंग लाइसेंस सस्पैंड

सड़क सुरक्षा अभियान में परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग द्वारा ओवरलोडिंग, अनाधिकृत संचालन, फिटनेस उल्लंघन इत्यादि पर सख्त कार्रवाई करने के साथ ही, शराब सेवन तथाओवरस्पीड मामलों में चालकों के ड्राइविंग लाइसेस निलम्बन/निरस्तीकरण की कार्यवाही शुरु की गई है। विभाग द्वारा वाहन चेकिंग अभियान,रिफ्लेक्टर टेप लगवाने,सड़क सुरक्षा कार्यशालाएँ एवं जन जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं।

हाईवे से अवैध ढाबे और अनाधिकृत संरचनाएं हटेंगी

अभियान में सार्वजनिक निर्माण विभाग, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण सहित संबंधित एजेंसियों द्वारा सभी राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर अनाधिकृत कट 15 दिनों में बंद किए जाएंगे। विभाग द्वारासभी सड़को पर व्हाइट लाइनिंग कार्य कराने, डिवाइडर अथवा मीडियन पर रेलिंग या सुरक्षा जाल लगाने, सड़क किनारे झांड़ियां हटाने तथा पटरी एवं गड्ढों की मरम्मत का कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। नियमानुसार चेतावनी, संकेतक एवं साइन बोर्ड लगाने के साथ ही अवैध ढाबे, बस स्टैंड एवं अनाधिकृत संरचनाएंभी हटाना शुरु कर दिया गयाहै। दुर्घटना संभावित अनअटेंडेड पशुओं को सुरक्षित स्थान पर भेजने हेतु कार्ययोजना बनाने से लेकर सर्विस लेन तथा ट्रक चालकों हेतु विश्राम स्थलों की समीक्षा की जाएगी।

45 वर्ष से अधिक आयु के वाहन चालकों का होगा नेत्र परीक्षण

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभागद्वारा 45 वर्ष से अधिक आयु के सभी वाहन चालकों के नेत्र परीक्षण के लिए अभियान चलाया जाएगा। साथ ही, एम्बुलेंस की उपलब्धता, ट्रॉमा सेंटर एव निकटवर्ती अस्पतालो की व्यवस्थाओं को भी और अधिक सुदृढ किया जाएगा, ताकि प्रभावितों को त्वरित चिकित्सकीय सुविधा मिल सके। अभियान के तहत नगरीय विकास एवं स्थानीय निकाय विभाग द्वारा भी फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त करने के साथ हीट्रैफिक सिग्नलिंग सिस्टम व सड़क प्रकाश व्यवस्था का दुरुस्तीकरण तथाजन-जागरूकता हेतु बैनर, पोस्टर एव डिजिटल डिस्प्ले लगाए जा रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में भारी वाहनों की नो एंट्री सीमा एवं समय निर्धारण का भी पुनः परीक्षणकिया जा रहा है।

अत्यधिक समय तक वाहन चलवाने पर दंडात्मक कार्यवाही

सड़क सुरक्षा अभियान के तहत ट्रांसपोर्ट कपनियों पर चालकों से अत्यधिक समय तक वाहन चलवाने की शिकायतों की जांच कर श्रम विभाग द्वारा दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।चालकों के कार्य घंटे व विश्राम समय की पालना सुनिश्चित करने हेतु निरीक्षण एवं जागरूकता अभियान शुरु किया गया है। इस संबंध में सभी जिलों स्तरीय अधिकारियों द्वारा मॉनिटरिंग की जा रही है।

जिला स्तर पर अभियान के प्रभावी संचालन के लिए जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से जिला सड़क सुरक्षा समिति के माध्यम से अभियान की मॉनिटरिंगकी जा रही है।अभियान के माध्यम से एनजीओ, स्वयसेवी संस्थाएँ एव स्थानीय युवाओं को जोड़ने, तथा हेलमेट, सीट बेल्ट, मोबाइल उपयोग निषेध, डिपर उपयोग आदि का विशेष प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है। साथ ही, दुर्घटना पीड़ितों की सहायता करने वाले नागरिकों को सम्मानित भी किया जा रहा है।

"शत्रु बोध" थीम पर होगा बुद्धिजीवियों का महाकुंभ जयपुर डायलॉग

7 से 9 नवंबर तक जयपुर की होटल क्लार्क्स आमेर में होगा आयोजन

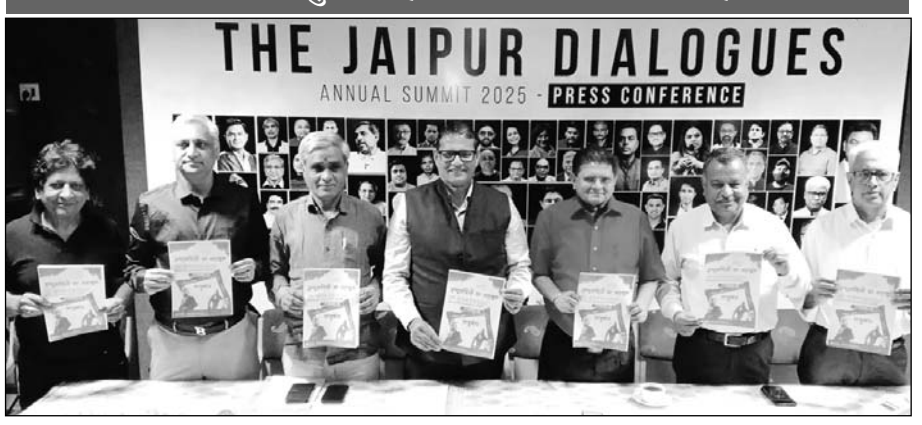

7 नवंबर से जयपुर की होटल क्लार्क्स आमेर में शुरू हो रहे जयपुर डायलॉग समारोह के पोस्टर का विमोचन चेयरपर्सन संजय दीक्षित समेत अन्य लोगों ने किया।

जयपुर (कासं)। सभ्यता-संस्कृति और सनातन जिओ पॉलिटिक्स का पोषक मंच "जयपुर डायलॉग" इस बार शत्रु बोध थीम पर कार्यक्रम आयोजित करेगा। 7 से 9 नवंबर तक होटल क्लार्क्स आमेर में बुद्धिजीवियों की बैठक में भारत के वर्तमान परिदृश्य के बारे में चर्चा और चिंतन होगा। यहां विचारों की स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति होगी तो उदारवाद के बजाय राष्ट्रवाद के बारे में बात होगी। जयपुर डायलॉग के प्लेटफार्म पर भारत की सभ्यता, नैतिकता, राष्ट्रीय सुरक्षा, इतिहास और नीति निर्माण का रोडमैप बनेगा।

जयपुर डायलॉग के चेयरपर्सन संजय दीक्षित ने बताया कि 7 से 9 नवंबर तक होने वाले आयोजन में राष्ट्रीय सुरक्षा, सनातन, भारत की संस्कृति, नैतिकता, और नीति निर्माण पर मंथन किया जाएगा। देश दुनिया से आए विद्वान एक छत के नीचे चर्चा करेंगे। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता व राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी, जानी-मानी इतिहासवेत्ता और सांसद मीनाक्षी जैन भी श्रोताओं से रूबरू होंगे।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में द ग्रैंड समिट री क्लाइंबिंग भारत में देश के बुद्धिजीवियों ने एकत्र होकर पॉलिटिक्स, डिफेंस, कल्चर, भारत के वर्तमान और भविष्य के बारे में बातचीत

- **सनातन सभ्यता नैतिकता राष्ट्रीय सुरक्षा इतिहास और नीति निर्माण पर होगा मंथन**
- **सैन्य अधिकारी, वैज्ञानिक, लेखक, पत्रकार, अधिवक्ता होंगे प्रखर वक्ता**

की। जयपुर से बाहर पहली बार महाराष्ट्र की सांस्कृतिक राजधानी पुणे में डेक्कन समिट 2025 का आयोजन किया।

25 वक्ताओं और 600 श्रोताओं ने "एक है तो सेफ है" थीम पर चर्चा की तथा विरासत में मिली संस्कृति को बचाने का आव्हान किया। हिंदू व सनातन के खतरों पर चर्चा कर फिर से इसी जीवित करने पर चर्चा की गई, देश दुनिया से एक छत के नीचे आए लोगों ने विचार विमर्श किया।जयपुर डायलॉग ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप और टेलीग्राम सहित सभी सोशल मीडिया पर सशक्त उपस्थिति दर्ज करवा रहा है। सभी माध्यमों पर लोगों से सक्रिय संवाद जारी है। पालिटिक्स एनालिस्ट अभिजीत चावड़ा, लेखक पत्रकार भाऊ तौरसेकर, लेखक वैज्ञानिक आनंद रंगनाथन, अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन, अभिजीत अय्यर मित्रा, अभिषेक तिवारी, आदि अंचित, आभास माल्ध्यियार, आदित्य सत्संगी, अजय छुरूंग, अमिताभ अग्निहोत्री, अमी गणत्रा, आनंद नरसिम्हा, अनुपम के सिंह, अनुपम मिश्रा, अश्वनी उपाध्याय, अविनाश धर्माधिकारी, अवनीश पीएन शर्मा, बाबा रामदास, भरतगुप्त, भारद्वाज बंधु, कर्नल अजय कुमार रैना, कर्नल आर एस एन सिंह, देवदत्त माजी, डीजीपी विक्रम सिंह, धीरेंद्र पुंडीर, डॉ सी के राजू, इस्तहर धनराज, हर्ष कुमार, हर्षवर्धन त्रिपाठी, जय आहूजा, कार्तिक गौड़, कंचन गुप्ता, कपिल मिश्रा, कुंदन सिंह, लेफ्टिनेंट जनरल डीपी पांडे, मेजर जनरल सुधाकरजी, मेजर गौरव आर्य, मीनाक्षी जैन, नीरज अत्री, निलेश ओक, ओमेंद्र रतनू, ओमकार चौधरी, पंडित सतीश शर्मा, पंकज सक्सेना, प्रदीप भंडारी, प्रखर श्रीवास्तव, प्रतिक बोराडे, प्रियंक कानूनगो, आर जगन्नाथन, राहुल दीवान, राज वेदाम, राजीव नारायण, राजेश कुमार सिंह, रमेश शिंदे, रमणीक मान, संदीप बालकृष्ण, संक्रांत शानू, सावियो रोड्रिग्स, शहजाद पूनावाला, एसपी वैद्य, सुशांत शरीन, सुमित पीर, स्वरूप संपत, श्वेता त्रिपाठी, तिलक देवाशर, तहसीम पूनावाला, तुहीन सिन्हा, वेदवीर आर्य, विभूति झा, विजय सरदाना और विनोद स्ट्रिंग्स।

चौमूं के हाडौता में "नारी चौपाल" कार्यक्रम आज

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार सक्षम जयपुर अभियान एवं बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत जयपुर जिले के प्रत्येक उपखंड पर नारी चौपाल कार्यक्रम आयोजित किए जा रहा है। इसी कड़ी में नारी चौपाल कार्यक्रम का आयोजन 6 नवंबर को चौमूं के हाडौता स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में होगा।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने नारी चौपाल के सफल आयोजन के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी हैं एवं आयोजन में अधिक से अधिक महिलाओं एवं बालिकाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किये हैं।

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारी मृणाल ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त एवं जागरूक बनाना है। नारी चौपाल में महिलाओं को सरकार की योजनाओं, अधिकारों और कल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी, साथ ही उनकी समस्याओं

- **सक्षम जयपुर अभियान एवं बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ अभियान के तहत होगा आयोजन**
- **कलक्टर डॉ. जितेन्द्र सोनी ने कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा महिलाओं एवं बालिकाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए**

और सुझावों को भी सुना जाएगा।

महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ. राजेश डोगीवाल ने बताया कि मंगलवार को प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक चौमूं के हाडौता स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में नारी चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें नुक्कड नाटक, मारवाड़ी गीत, आत्मरक्षा प्रशिक्षण सहित अन्य गतिविधियां आकर्षण का केन्द्र रहेंगी।

देवर ने भाभी के साथ किया दुष्कर्म

जयपुर। शिवदासपुरा थाना इलाके में एक कलयुगी देवर ने देवर भाभी के रिश्ते को ही तार-तार कर दिया। आरोपी ने अपनी भाभी की अश्लील वीडियो क्लिपिंग बनाई और उन्हें वायरल करने की धमकी दे उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने आरोपी के चंगुल से मुक्त होने के बाद मामले की जानकारी अपने पति को दी और थाने पहुंच आरोपी देवर के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरु कर दी है।

पुलिस ने बताया कि 32 वर्षीय विवाहिता ने मामला दर्ज कराया है कि वो अपने परिवार के साथ शिवदासपुरा में रहती है। उसका पति शराब पीने का आदि और नशे में उसके साथ मारपीट करता है।

इसी बात का फायदा उठाते हुए आरोपी देवर ने मार्च-2025 में उसे अकेला पाकर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया और उसकी अश्लील वीडियो बना ली। आरोपी देवर आए दिन वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म करने लगा। धमकियों से परेशान होकर पीड़िता ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने दुष्कर्म का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरु कर दी है।

श्रीगुरु नानकदेवजी का 556वां प्रकाश पर्व भक्तिभाव से मनाया

जयपुर। सिख धर्म के प्रथम गुरु और संस्थापक श्री गुरु नानक देव जी का 556वां प्रकाश पर्व पूरे बुधवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। जयपुर के राजापार्क, आदर्शनगर,जवाहनगर, सेठी कॉलोनी, कंवरनगर, पानीपेच, वैशाली नगर, मालवीयनगर, मानसरोवर सहित अन्य सभी गुरुद्वारों श्रद्धालुओं ने गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेका और सरबस की भलाई की अरदास की।

गुरुद्वारा आदर्श नगर के सुबह नितनेम पाठ और आसा दी वार का कीर्तन हुआ। इसके बाद दरबार साहिब (अमृतसर) के हजूरी रागी जत्था भाई ओंकार सिंह ने शबद सुनाए। सिख शिक्षण संस्था के बच्चों ने गुरुवाणी कीर्तन कर संगत को निहाल किया।

दोपहर से लेकर शाम तक भाई ओंकार सिंह, भाई तेजेंद्र सिंह और गुरुमत प्रचारक ज्ञानी किशन सिंह ने गुरुवाणी कीर्तन एवं गुरमत विचार से संगत को निहाल किया। इस अवसर पर गुरु के उपदेश, जीवन दर्शन और इतिहास पर आधारित विचार साझा किए गए। कार्यक्रम के अंत में प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के लिए विशेष

- **राजधानी जयपुर के विभिन्न गुरुद्वारों में हुई अरदास**

अरदास की गई। 'सरबस के भले' की अरदास के साथ समूची मानवता के कल्याण की प्रार्थना की गई।

राजस्थान सिख समाज के अध्यक्ष अजय पाल सिंह ने बताया कि आदर्श नगर, राजापार्क, वैशाली नगर, कंवर नगर और मानसरोवर स्थित गुरुद्वारों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। आदर्श नगर गुरुद्वारे में लगभग 25 हजार श्रद्धालु पहुंचे और गुरु चरणों में मत्था टेकने के बाद दिनभर लंगर परसादी ग्रहण की। गुरु ग्रंथ साहिब जी की पालकी को फूलों से सजाया गया।

गुरुद्वारे के ज्ञानी जगदीश सिंह ने बताया कि गुरु नानक देव जी के उपदेश - नाम जपो, कीरत करो और वंड छको - के भाव को आगे बढ़ाने के लिए श्रद्धालु सेवा और भक्ति में लीन रहे। वैशाली नगर स्थित श्री गुरु नानक दरबार गुरुद्वारे में श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया गया।

औचक निरीक्षण में जेल परिसर से मिले 4 मोबाइल

जयपुर । लाल कोठी इलाके में स्थित जयपुर केंद्रीय कारागार में मोबाइल फोन मिलने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। जेल प्रशासन ने पिछले कुछ महीनों से लगातार औचक निरीक्षण कर कई मोबाइल फोन बरामद कर चुका है। बुधवार को औचक निरीक्षण में जेल परिसर में 4 मोबाइल फोन बरामद हुए है। जेल प्रशासन ने चार बंदियों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज कराया है। लाल कोठी थाना पुलिस ने चारों बंदियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।थानाधिकारी प्रकाश राम विश्नोई ने बताया कि जयपुर सेंट्रल में लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। बुधवार को भी जेल परिसर में औचक निरीक्षण किया गया। औचक निरीक्षण में वार्ड नंबर- 2 के बैरक -3 में 4 लावारिस मोबाइल फोन पड़े मिले।

10 मंजिला अपार्टमेंट में लगी भीषण आग

जयपुर। भट्टा बस्ती थाना इलाके में कांवटिया सर्किल के समीप अमानीशाह रो परएसएनजी अपार्टमेंट में बुधवार देर शाम अचानक से भीषण आग गई। जिसके बाद अफरा-तफरा का माहौल बन गया। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दमकल विभाग की आधा दर्जन गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया। दमकल विभाग के कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद 7वीं मंजिल पर फंसे 6 लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला। फायर स्टेशन बनीपार्क के एलएफएम अब्दुल अजीम ने बताया कि भट्टा बस्ती इलाके में कांवटिया सर्किल के समीप अमानीशाह रोड पर शाम साढे 7 बजे , 10 मंजिले एसएनजी अपार्टमेंट में भीषण आग लग गई। इस दौरान 7वीं मंजिल पर रहने वाले 6 स्थानीय लोग

- **आग की लपटों में छह लोग फंसे**
- **आधा दर्जन दमकलों ने कडी मशक्कत से पाया आग पर काबू**

आग की लपटों में फंस गए। सूचना पर मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने 7वीं मंजिल पर रहने वाले लोगों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला। दमकल विभाग की टीम ने करीब आधा दर्जन दमकलों की सहायता से एक घंटे में आग पर काबू पा लिया। बताया जा रहा है कि इस हादसे में अपार्टमेंट में रखा लाखों रुपए का सामान आग की भेंट चढ़ गया। पुलिस आग लगने के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है।

भजनलाल सरकार ने प्रदेश में अब तक 91 हजार पदों पर नियुक्तियां दीं

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में चिकित्सा विभाग ने अल्प समय में 35 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण करके तथा 28 हजार पदों पर नियुक्तियां देकर कीर्तिमान रचा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में चिकित्सा विभाग में 35 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण करते हुए 28 हजार से ज्यादा युवाओं को नियुक्तियां दी हैं। इसके साथ ही जल्द ही 15 हजार पदों पर भर्तियां करने की तैयारी है। उल्लेखनीय है कि भजनलाल सरकार के कार्यकाल में अब तक करीब 91 हजार पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं, जबकि करीब 1 लाख 50 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है।

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बताया कि वर्तमान सरकार का कार्यकाल प्रारंभ होने से पूर्व चिकित्सा विभाग में बड़ी संख्या में पद रिक्त थे। इससे स्वास्थ्य सेवाओं की सुगम पहुंच प्रभावित हो रही थी। शहरों में भी बड़ी संख्या में स्वास्थ्य कार्मिकों के पद रिक्त थे, गांवों और कस्बों में तो स्थिति इससे भी अधिक विकट थी। ऐसे में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने समयबद्ध रूप से भर्तियां करने के निर्देश प्रदान किए।

इन निर्देशों के बाद चिकित्सा विभाग ने मिशन मोड में भर्तियां कर मिसाल कायम की है। विभाग ने करीब 50 हजार पदों पर भर्तियां करने का लक्ष्य निर्धारित किया था और इस दिशा में सार्थक पहल करते हुए अब तक 35 हजार से ज्यादा पदों पर भर्ती का कार्य पूरा कर लिया गया है। करीब 15 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है, जो भी शीघ्र पूरी होगी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख

- **चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर का कहना है कि, जल्द ही 15 हजार पदों पर भर्ती की जाएगी, इसकी तैयारियों में विभाग जुटा हुआ है।**

शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि विभाग ने अराजपत्रित संवर्ग में 20 हजार 630 पद, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 10 हजार 657 पद, मेडिकल ऑफिसर के 1700 पद तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग 2300 से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण की गई है। इनमें से 28 हजार से अधिक पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं। शेष पर पदस्थापन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

राठौड़ ने बताया कि विभाग में करीब 15 हजार पदों पर भर्ती की कार्यवाही चल रही है। इनमें से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत करीब 12 हजार पदों पर भर्ती की जा रही है। हाल ही राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा 22 सवंर्गों के करीब 10 हजार पदों पर परीक्षा आयोजित की जा चुकी है और इनमें से 11 संवर्गों के करीब 5 हजार पदों का परिणाम भी जारी हो चुका है। इसी प्रकार आयुष अधिकारी के 1535 पदों के लिए विज्ञप्ति जारी की जा चुकी है। एलोपैथी मेडिकल ऑफिसर के 166 पद तथा ब्लॉक हैल्थ सुपरवाइजर, मैकेनिक, काउंसलर, डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम कॉर्डिनेटर, साइकोलॉजिस्ट, जूनियर स्टेटिकल असिस्टेंट, एपिडेमियोलॉजिस्ट, डिस्ट्रिक्ट क्वालिटी मैनेजर के 1578 पदों पर शीघ्र ही अर्थना प्रेषित की जाएगी।

अब तक इन पदों पर हुई नियुक्तियां

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में अब तक मेडिकल ऑफिसर, ऑक्यूपेशनल थैरेपिस्ट, हॉस्पिटल केयर टेकर, नर्सिंग ऑफिसर, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता, लैब टेक्नीशियन, सहायक रेडियोग्राफर, नेत्र सहायक, ईसीजी टेक्नीशियन, डेंटल टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट, कम्यूनिटी हैल्थ ऑफिसर, सहायक आचार्य, सह आचार्य, आचार्य सहित विभिन्न पदों पर अब तक नियुक्तियां प्रदान की जा चुकी हैं।

इन पदों पर प्रक्रियाधीन है भर्तियां

रिहेबिलिएशन वर्कर, सेक्टर हैल्थ सुपरवाइजर, फार्मा असिस्टेंट, मेडिकल लैब टेक्नीशियन, अकांउट्स असिस्टेंट, आयुर्वेद कम्पाउण्डर, डेटा एंट्री ऑपरेटर, पब्लिक हेल्थ केयर नर्स, सोशल वर्कर, फिजियोथेरेपिस्ट असिस्टेंट, नर्सिंग ट्रेनर, ब्लॉक प्रोग्राम ऑफिसर, साइकेट्रिक केयर नर्स, हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेटर, ऑडियोलॉजिस्ट, सीनियर काउंसलर, बायो मेडिकल इंजीनियर, नर्स, फीमेल हेल्थ वर्कर, सीएचओ, नर्सिंग इंचार्ज, आयुष अधिकारी, ब्लॉक हैल्थ सुपरवाइजर, मैकेनिक, काउंसलर, डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम कॉर्डिनेटर, साइकोलॉजिस्ट, जूनियर स्टेटिकल असिस्टेंट, एपिडेमियोलॉजिस्ट, डिस्ट्रिक्ट क्वालिटी मैनेजर।

स्वास्थ्य सेवाओं में हुआ बड़ा सुधार

उल्लेखनीय है कि चिकित्सा महकमे में स्वास्थ्य सेवाओं की दृष्टि से महत्वपूर्ण इन पदों पद लंबे समय से भर्तियां नहीं हो सकी थीं। फार्मासिस्ट सहित कई पद तो ऐसे थे, जिन पर 10-10 वर्षों से भर्तियां नहीं हो पाई थीं, लेकिन मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की प्रतिबद्धता से इन पदों पर अल्प समय में भर्तियां की गईं। इन पदों पर भर्तियां होने से अब शहरों के साथ ही सीमावर्ती जिलों एवं गांव-कस्बों में भी चिकित्सकों सहित अन्य पैरामेडिकल स्टाफ पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हो गया है। इससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में बड़ा सुधार आया है और आमजन को उपचार के लिए शहरों में नहीं आना पड़ रहा। साथ ही, लंबे समय से चिकित्सा क्षेत्र में रोजगार की राह देख रहे युवाओं के जीवन में आशा और विश्वास का संचार हुआ है।

2 दिन में 36 लाख गणना फॉर्म वितरित

मैपिंग के कार्य में बाड़मेर जिला अग्रणी

जयपुर । राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत दूसरे दिन यानी बुधवार तक राज्य में 36 लाख गणना प्रपत्र बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर वितरित किए गए। प्रदेश में गणना प्रपत्र वितरण में प्रभावशाली रणनीति के कारण चित्तौड़गढ़ एवं अलवर जिले लगातार दो दिन से अग्रणी चल रहे है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि प्रदेश के सभी मौजूदा मतदाताओं के लिए नए गणना फॉर्म (ईएफ) की छपाई और घर-घर जाकर वितरण का काम 199 विधानसभा क्षेत्रों में शुरू हो चुका है। एसआईआर से संबंधित सभी गतिविधियां निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अच्छी तरह से आगे बढ़ रही हैं।मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सभी राज्यों की मतदाता सूचियां पर अपलोड कर दी गयी है। साथ ही यह लिंक मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने बताया कि विगत एसआईआर की मतदाता सूची में अगर किसी वर्तमान मतदाता के माता-पिता/ दादा-दादी आदि का नाम शामिल है तो सटीक और सत्यापित पारिवारिक संबंध के माध्यम से वंशावली मानचित्रण (मैपिंग) की जा रही है। महाजन ने बताया कि 40 वर्ष से अधिक आयु के 84.98 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग की जा चुकी है, इसके साथ ही 40 वर्ष एवं इससे कम आयु के 53.28 प्रतिशत मतदाताओं की भी मैपिंग उनके परिवारजन के विवरण की सहायता से कर ली गई है, इस प्रकार राज्य के कुल 68.17 प्रतिशत मतदाता विगत विशेष गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची से मैप हो गए हैं अर्थात इन्हें इस संपूर्ण प्रक्रिया में केवल गणना प्रपत्र में सूचनाओं को भरना है एवं किसी भी प्रकार का कोई दस्तावेज नहीं देना है। मैपिंग के इस कार्य में जो जिले अग्रणी रहे वह हैं, बाड़मेर, नागौर, बालोतरा, जालौर और दौसा किंतु जिन जिलों में अभी इस कार्य को और अधिक सजगता एवं तत्परता से किए जाने की आवश्यकता है।

कार्तिक पूर्णिमा पर जयपुर के गलताजी तीर्थ स्थल को फूलमालाओं और दीपकों से सजाया गया। देव दीवाली का यह उत्सव ऐसा लग रहा था कि मानो देव धरती पर उतर आये हों। इस दौरान सतरंगी आतिशबाजी से भी गलताजी तीर्थ स्थल जगमगा उठा। -फोटो दिनेश भारद्वाज

बूथ लेवल एजेंट प्रशिक्षण शिविर में राजनैतिक दलों के अधिकांश प्रतिनिधि नही पहुंचे

राजनैतिक दलों के मात्र 21 बीएलए ही छबड़ा-छीपाबडौद की बैठक में पहुंचे

छबड़ा। छबड़ा-छीपाबड़ौद में बुधवार को मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत आयोजित बूथ लेवल एजेंट प्रशिक्षण शिविर में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों द्वारा नियुक्त अधिकांश प्रतिनिधि शिविर में नही पहुंचे। सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी ने राजनैतिक दलों द्वारा प्रतिनिधियो से पुनरीक्षण कार्यक्रम में बीएलओ का सहयोग किए जाने की अपील की हैं।

- **सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी ने राजनैतिक दलों द्वारा प्रतिनिधियो से पुनरीक्षण कार्यक्रम में बीएलओ का सहयोग किए जाने की अपील की हैं।**

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में बीएलए, अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

एईआरओ रामसिंह गुर्जर ने बताया कि छबड़ा-छीपाबड़ौद स्थित पंचायत समिति के सभागार में 261 बूथों पर मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत पारदर्शिता व गुणवत्ता बढाने को लेकर बीएलए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन रखा गया था। परंतु मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के मात्र 21 बीएलए ही छबड़ा-छीपाबडौद की बैठक में पहुंचे। एईआरओ गुर्जर ने राजनैतिक दलों द्वारा नियुक्त बीएलए को मतदाता सूचि पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत बीएलओं को सहयोग किए जाने की अपील की हैं ताकि मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण कार्यक्रम में कोई भी मतदाता अपने मताधिकार से वंचित ना रह सके।

उल्लेखनीय है कि राजनैतिक दलो की बेरूखी के चलते भाजपा व कांठोस द्वारा नियुक्त अधिकांश बीएलए बैठक में नही पहुंचे। यहां भाजपा की ओर से मात्र 13 व कांग्रेस की ओर से नियुक्त मात्र 8 बीएलए छबडा-छीपाबडौद की बैठक में शामिल हुए। भाजपा के पूर्व नगर महामंत्री हरिओम गौड ने बताया कि एसआईआर को लेकर कांग्रेस ने पूरे देश में हल्ला मचाया।

वोट चोरी का आरोप लगाकर इसके विरोध में रैलियां निकाली। लेकिन हकीकत यह भी है कि पार्टी संगठन इसे लेकर गंभीर नही हैं। छबड़ा-छीपाबडौद क्षेत्र में कांठोस बूथ लेवल एजेंट तक नही बना पाई हैं।

48 लाख की लागत से बनने वाली सड़क निर्माण का कार्य शुरू

बून्दी। नगर परिषद की ओर से इंन्द्रा मार्केट में बहुप्रतीक्षित सीसी रोड निर्माण का कार्य आज से शुरू होने से व्यापारियों में हर्ष की लहर दौड़ गई। नगर परिषद सभापति सरोज अग्रवाल ने व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल के बीच पूजा अर्चना कर रोड निर्माण कार्य शुरू किया।इस अवसर पर सभापति सरोज अग्रवाल का इंदिरा मार्केट सचिव सुशील कासट,

- **सड़क निर्माण का कार्य शुरू होने से व्यापारियों में हर्ष की लहर दौड़ी**

भाजपा नेता संजय शर्मा, पार्षद संदीप यादव, शिवांशु गौतम, सत्यनारायण शर्मा, रवि गौतम, सुरेंद्र जैन, राजकुमार मोदी, ऋषभ जैन आदि व्यापारियों ने गर्म जोशी से स्वागत किया और सभापति का आभार व्यक्त किया। सचिव सुशील कासट ने बताया कि व्यापारियों की मांग पर पिछले दिनों सभापति ने सीसी रोड़ बनाने की घोषणा की थी जिसे आज निर्माण कार्य शुरू कर पूरा कर दिया।कासट ने बताया कि 48 लाख रुपए की लागत से बनने वाले सीसी रोड निर्माण का कार्य बलवंत जी की दुकान से शुरू हुआ और प्रथम चरण में अठावाल फैन्सी तक सड़क निर्माण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इंदिरा मार्केट और पुरानी धानमंडी में सीसी रोड़ का निर्माण होगा जिससे व्यापारियों में हर्ष व्याप्त है।

समाज की मुख्य धुरी है पेंशनर : मंत्री संजय शर्मा

मंत्रा संजय शर्मा ने पेंशनर्स सहकारी समिति लि. के कार्यक्रम में स्मारिका का विमोचन किया।

अलवर । वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा के मुख्य आतिथ्य में आज स्कीम नं. 10 स्थित पेंशनर भवन में आयोजित अलवर पेंशनर्स सहकारी समिति लि. के कार्यक्रम में शिरकत कर 80 वर्ष से अधिक 150 आयु के सदस्यों का सम्मान किया एवं स्मारिका का विमोचन किया।

वन मंत्री शर्मा ने सभी पेंशनरों की दीर्घायु एवं स्वस्थ रहने की कामना करते हुए कहा कि पेंशनर्स समाज की धुरी है जो समाज को नई दिशा में देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के पेंशनरों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील है और उनकी सभी समस्याओं का हरसंभव समाधान करने का सकारात्मक प्रयास करती आ रही है। उन्होंने पेंशनर समाज को साधुवाद देते हुए कहा कि पेंशनर समाज द्वारा निरन्तर सामाजिक सरोकार के कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पेंशनर्स अनुभवी व्यक्ति होते हैं जिसका लाभ समाज के युवाओं को मिलता रहा है। उन्होंने कहा कि अलवर के वरिष्ठ नागरिकों ने शहर के विकास को बढते हुए देखा है। इसलिए शहर के विकास में वरिष्ठजन अपनी राय व सुझाव देते रहे जिससे अलवर शहर को विश्व के मानचित्र पर लाने का काम किया जा सके। उन्होंने कहा कि पेंशनरों की सभी न्यायोचित मांगों को पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर उन्होंने विधायक निधि से पेंशनर्स भवन में 10 किलोवाट का सौलर प्लांट लगवाने की घोषणा की। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. मिथिलेश गुप्ता व मुकेश पौरुष ने किया। इस अवसर पर अलवर पेंशनर्स सहकारी समिति लि के अध्यक्ष मधुसूदन शर्मा, के के गुप्ता, श्रीकृष्ण गुप्ता, प्रकाश अडीचवाल, विशंभर दयाल वशिष्ठ, सागर यादव, सतीश शर्मा, रामबाबू शर्मा, रामलाल वर्मा सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बडी संख्या में वरिष्ठजन मौजूद रहे।

मंडियों में टूटा मूंगफली का बाजार, इंडोनेशिया के आदेश का साइड इफेक्ट

बीकानेर । इंडोनेशिया द्वारा भारत से मूंगफली आयात पर लगाई गई अस्थायी रोक का असर बीकानेर की मंडियों में साफ दिखाई दिया। राजस्थान की मूंगफली राजधानी कही जाने वाली बीकानेर की कृषि उपज मंडियों में मंगलवार को करीब 60 से 70 हजार बोरी मूंगफली की आवक हुई, लेकिन खरीदारों की सक्रियता आधी रह गई।

मंडी में आवक तो सामान्य से ज्यादा रही, पर बिक्री सुस्त। कुल आवक का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा अनसोल्ड कैटेगरी में मंडी के प्लेटफार्मों पर पड़ा रह गया, क्योंकि व्यापारियों ने खरीदारी से कदम पीछे खींच लिए। मंगलवार को मूंगफली के भाव निचले स्तर पर 4000 रुपए और ऊपरी स्तर पर 6500 रुपए प्रति क्विंटल तक रहे। इसमें 70 प्रतिशत मूंगफली की बोलियां 4000 से 4700 रुपए तक ही लगीं, जबकि केवल 30 प्रतिशत मूंगफली को 4700 से ऊपर का भाव मिला। किसानों की चिंता यह है कि मूंगफली की बंपर पैदावार के बावजूद विदेशी बाजारों के ठंडे रुख से स्थानीय व्यापार भी ठहर गया है। मंडियों में मायूसी का माहौल है, और किसान अपने माल को मंडी प्लेटफॉर्म पर ही वापस ले जाने को मजबूर हो रहे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि किसानों को अब पोस्ट-हार्वेस्ट प्रबंधन पर ध्यान देना होगा। मूंगफली की सुखाई के दौरान नमी 8 प्रतिशत से कम रखनी होगी और फसल को प्लास्टिक की बोरियों के बजाय जूट बैग में संग्रहित करना चाहिए। सरकार को निर्यात जांच प्रक्रिया तेज करनी होगी ताकि नई खेपों को क्वालिटी प्रमाणन के साथ भेजा जा सके। यदि निर्यात चैन जल्द बहाल नहीं हुई, तो बीकानेर की मूंगफली मंडियों में 10-15 प्रतिशत भाव गिरावट स्थायी रूप से दर्ज हो सकती है। बता दें इंडोनेशिया की रोक ने यह साफ कर दिया है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में केवल उत्पादन नहीं, गुणवत्ता भी उतनी ही जरूरी है। जब तक एफ्लाटॉक्सिन जैसी चुनौतियों पर नियंत्रण नहीं होगा, बीकानेर की मूंगफली का विदेशी स्वाद फीका पड़ता रहेगा।

मूंगफली की कीमतें उसकी ग्रेडिंग, नमी, और दानों के आकार पर निर्भर करती हैं। सुपीरियर क्वालिटी: 5500-6500 रुपए प्रति क्विंटल तथा मीडियम ग्रेड: 4700-5500 रुपए प्रति क्विंटल व लो ग्रेड (नमीदार): 4000-4700 रुपए प्रति क्विंटल भाव निकल कर आ रहे हैं।

इंडोनेशिया द्वारा एफ्लाटॉक्सिन की अधिकता का हवाला देकर लगाए गए प्रतिबंध ने उच्च गुणवत्ता वाली मूंगफली की मांग को भी प्रभावित किया है। निर्यात ठप होने से घरेलू बाजार में सप्लाई अधिक और मांग कम, यही कारण है कि मूल्य स्तर दबाव में है।

गुर्जर समाज के लोगों ने संगठन के चुनाव में धांधली का आरोप लगाया

गुर्जर समाज के लोगों ने चुनाव बहिष्कार का निर्णय लिया

बूंदी। गुर्जर समाज जिला संरक्षक श्योजी धगाल ने बताया की 29 सितम्बर को देवनारायण मंदिर बाईपास बूंदी पर देवनारायण गुर्जर विकास संस्थान के अध्यक्ष चुनाव की घोषणा की गई थी घोषणा के अनुसार संस्थान द्वारा रजिस्टार कार्यालय से कोई स्वीकृति नहीं ली गई और ना ही चुनाव को सहकारी नियमाअनुसार करवाए जा रहे हैं। 5 अक्टूबर को समाज के कर्मचारियों द्वारा की गई आम सहमति की पहले पर चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने हेतु समाज के सभी पक्षों ने अपनी सहमति प्रकट की।

यह सहमति इस शर्त पर की गई कि चुनाव प्रक्रिया पारदर्शिता पूर्ण हो। चुनाव के नियम सहकारी रजिस्टार मैं पंजीकृत नियमाअनुसार हो। चुनाव की नियमावली बनाने और उसमें से अनावश्यक बिंदुओं को हटाने के लगभग 21 दिन निकाल दिए। अध्यक्ष गणेश लाल हूंण द्वारा जारी चुनाव

- **गुर्जर समाज के संरक्षक पूर्व जिला अध्यक्ष सोजीलाल धगाल व समाज के अध्यक्ष पद के दावेदारी करने व गुर्जर समाज के आम लोगों को सदस्यता डायरिया नहीं देने का आरोप लगाया**

नियमावली 25 अक्टूबर को जारी की गई समिति के वर्तमान पदाधिकारियों द्वारा 29 सितम्बर को अपनी कार्यकारिणी के लोगों को सदस्यता डायरिया वितरित कर दी गई तथा कुछ डायरिया कर्मचारियों को भी वितरित की गई।

गुर्जर समाज के संरक्षक पूर्व जिला अध्यक्ष सोजीलाल धगाल व समाज के अध्यक्ष पद के दावेदारी करने व गुर्जर समाज के आम लोगों को सदस्यता डायरिया नहीं दी गई। 25 अक्टूबर को डायरिया मांगने पर समिति के पदाधिकारी टालमटोल रवैया अपनाते रहे एवं टालमोल की रणनीति पर चलते रहे इस तरह अनेक प्रकार की बहानेबाजी करते हुए 8 दिन निकाल दिए। बुधवार 5 नवंबर तक डायरियां उपलब्ध नहीं करवाई गई जबकि सदस्यता की आखरी तारीख 30 नवंबर है इससे ऐसा प्रतीत होता है कि यह चुनाव निष्पक्ष तरीके से होने की संभावना नहीं है।

गुर्जर समाज के मुख्य लोगों ने आपसी वार्ता कर इस देवनारायण गुर्जर विकास संस्थान बूंदी के चुनाव निष्पक्ष व पूरे बिंदुओं पर सहमति के बिना तक बहिष्कार का निर्णय लिया गया है अत: समाज के सभी वर्गों के लोगो से सदस्यता अभियान व चुनाव में भाग ना लेने की अपील की जाती हैं।

घरेलू गैस वाहनों में भरते मिले, 22 सिलेंडर जब्त

अलवर । अलवर रसद विभाग की टीम ने बुधवार सुबह बहाला गांव के बस स्टैंड पर घरेलू गैस को वाहनों में भरने के ठिकाने पर छापा मारा। जहां मौके पर 22 गैस के सिलेंडर, दो रेग्यूलेटर और कांटा मिला। जिसे जब्त कर लिया गया। विभाग की टीम के अनुसार अवैध रूप से गैस भरना बड़ा खतरा है। जुगाड़ के जरिए वाहनों में घरेलू गैस से बड़ी आगजनी होने का डर है।

जिला रसद विभाग के डीएसओ विनोद जुनेजा ने बताया कि घरेलू गैस की वाहनों में अवैध रूप से गैस रिफलिंग करने की शिकायत मिली थी। उसके बाद टीम बहाला गांव के बस स्टैंड पर

- **अलवर रसद विभाग की टीम ने बुधवार सुबह बहाला गांव के बस स्टैंड पर घरेलू गैस को वाहनों में भरने के ठिकाने पर छापा मारा। जहां मौके पर 22 गैस के सिलेंडर, दो रेग्यूलेटर और कांटा मिला। जिसे जब्त कर लिया**

पहुंची। वहां मौके पर दुकान में 22 गैस के सिलेंडर मिल गए। अवैध रूप से रिफलिंग करते हुए पाया गया। मौके से 2 रेग्यूलेटर जब्त किए हैं। जिनके जरिए गैस रिफिलिंग करते हैं। वजन करने का कांटा जब्त किया है।

गांव-कस्बों में बड़े पैमाने पर अवैध रूप से घरेलू गैस की रिफलिंग होती हैं। ज्यादातर जगहों पर वाहनों में भी गैस् रिफलिंग की जाती है। जिससे बड़ा खतरा रहता है। आसपास के लोगों को डर रहता है। गांवों में गैस सिलेंडर से दूसरे सिलेंडर में गैस भरने का अवैध काम होता है। कई जगहों पर तो चाय बनाने की दुकान के आसपास गैस भरी जाती है। जिससे कभी भी चिंकारी से हादसे का डर रहता है।

अलवर में बीएलओ ने घर-घर जाकर 2 दिन में 1 लाख 36 हजार से अधिक ईएफ फार्म बांटे

अलवर जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत गणना प्रपत्र वितरित किए।

अलवर। जिले में मंगलवार 4 नवम्बर से विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत गणना प्रपत्र वितरण प्रारंभ हो गया है। जिले में दो दिन में 1 लाख 36 हजार 12 गणना प्रपत्र बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर वितरित किए गए।

गणना प्रपत्र(ईएफ) वितरण में प्रभावशाली रणनीति के कारण अलवर जिला प्रदेश में अग्रणी रहा है। बीएलओ

- **बीएलओ 4 दिसम्बर तक फॉर्म भरवाने के कार्य कार्य करेंगे ।**

4 दिसम्बर तक घर-घर जाकर गणना प्रपत्र(ईएफ) फॉर्म भरवाने के कार्य कार्य करेंगे । जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ आर्तिका शुक्ला ने जिले के मतदाताओं से अपील की है कि हर योग्य मतदाता 4 दिसंबर तक अपनी एक नवीनतम रंगीन फोटो एवं आवश्यक सूचनाओं के साथ भरा हुआ गणना प्रपत्र अपने बीएलओ को जमा करा कर स्वच्छ एवं सही मतदाता सूची निर्माण में अपना सहयोग प्रदान करें एवं लोकतंत्र के प्रति अपने कर्तव्य का पालन करें।

आबकारी दल ने दबिश दी, 2600 लीटर वॉश नष्ट की

भीलवाड़ा । कुवाडा खान क्षेत्र में आबकारी विभाग की ओर से बडी कार्रवाई की गई। इसके तहत 2600 लीटर वॉश नष्ट की और 56 लीटर हथकढ़ शराब जब्त की।

दरअसल आबकारी निरोधक दल (प्रहराधिकारी) धोलाराम और मुकेश वैष्णव के नेतृत्व में टीम ने सुबह सवेरे कुवाडा खान क्षेत्र में दबिश मारी। आबकारी दल को देखकर एक बार तो शराब बनाने वाले भाग गए। इस दौरान हथकढ शराब से भरे जरीकेन को लेकर भागने लगे। एक्साइज टीम पीछा करने लगी तो उसे छोड़ भागे। फिर राहुल नाम का व्यक्ति आया और टीम के ऊपर पत्थरबाजी करने लगा। यहां तक कि बोतल `फेंकने लगा। टीम ने मोर्चा

- **56 लीटर हथकढ़ शराब जब्त की।**
- **आबकारी दल को देखकर हथकढ शराब से भरे जरीकेन को लेकर भागने लगे आरोपी**
- **आबकारी विभाग की टीम आरोपियों की तलाश में जुटी है। इस अभियान काउद्देश्य अवैध शराब निर्माण और बिक्री पर अंकुश लगाना है।**

संभाला तो फिर राहुल फरार हो गया। पुलिस उसे पकड़ नहीं पाई। बताया जा रहा है जिस जगह शराब बनाते थे वहीं ये लोग शौच के लिए जाते थे। उसी पानी को शराब बनाने में काम लेते थे। आबकारी अधिकारी गौरव मणि जौहरी ने बताया कि आबकारी विभाग की टीम आरोपियों की तलाश में जुटी है। इस अभियान काउद्देश्य अवैध शराब निर्माण और बिक्री पर अंकुश लगाना है। जिले में इस तरह की गतिविधियों के खिलाफ सख्त कदम जारी रहेंगे, ताकि आमजन की सुरक्षा और स्वास्थ्य को नुकसान न पहुंचे। विभाग आने वाले दिनोंमें ग्रामीण क्षेत्रों में भी विशेष अभियान चलाने की तैयारी में है।

झाड़-फूंक के नाम पर बनाए अश्लील वीडियो

श्रीगंगानगर । तांत्रिक और उसके तीन साथियों ने बीमार युवती से 10 महीने तक रेप किया। युवती 3 साल पहले इलाज कराने तांत्रिक के पास आई थी। आरोपी ने उसे ठीक करने का झांसा दिया और इलाज के नाम पर झाड़-फूंक करने लगा।

इस दौरान उसके अश्लील वीडियो-फोटोज बना लिए। तांत्रिक ने जनवरी 2025 में अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करने की धमकी देकर युवती के साथ रेप किया। इसके बाद साथियों के साथ युवती के साथ कई बार दरिंदगी की। मामला श्रीगंगानगर के जवाहर नगर थाना क्षेत्र का है। पीड़िता ने आरोपी तांत्रिक मोहम्मद और उसके तीन साथियों बेबी, गाजी और चक्की के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने तोड़ा रेलवे फाटक, ट्रेन आने से कुछ देर पहले निकलने की कोशिश

उदयपुर,(कासं)। उदयपुर में बुधवार सुबह 7 बजे एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने खेमली रेलवे फाटक तोड़ दिया। ट्रेन आने से कुछ देर पहले जैसे ही गेटमैन ने फाटक बंद किया तो ट्रैक्टर ड्राइवर ने टक्कर मार दी और रेलवे ट्रैक को पार करने की कोशिश की।

फाटक तोड़ने के बाद ट्रैक्टर ड्राइवर वहां से फरार हो गया। वहीं गेटमैन की सूचना पर रेलवे पुलिस और अफसर मौके पर पहुंचे। अफसरों ने टूटी फाटक की मरम्मत कराई और फाटक के दोनों तरफ लगे जाम को सुचारू कराया।

जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह करीब 7 बजे ट्रेन आने की सूचना पर गेटमैन फाटक बंद कर रहा था, इस दौरान एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर वहां आया और ड्राइवर ने गेटमैन से कहा कि रुकिए मैं ट्रैक्टर निकाल लेता हूं लेकिन गेटमैन ने फाटक बंद कर दिया। जिसके बाद ट्रैक्टर ने फाटक को टक्कर मार दी। जिससे फाटक टूट गया। टक्कर मारने के बाद ड्राइवर वहां से फरार हो गया लेकिन उसे कुछ देर बाद ही उसे हिरासत में ले लिया।वहीं गेटमैन की सूचना पर पहुंची रेलवे पुलिस और अधिकारियों ने टूटे फाटक को ठीक कराया। वहीं फाटक के दोनों तरफ लगे जाम को खुलवाया। आरपीएफ थानाधिकारी सुरेन्द्र सिंह राठौड ने बताया कि फाटक लगते समय ट्रैक्टर चालक ने लापरवाह से जल्दीबाजी में निकलने की कोशिश की। ट्रैक्टर की टक्कर से फाटक टूट गया। सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच में जुटी है।

उदयपुर में लेपर्ड ने किया युवक पर हमला, लेपर्ड के मूवमेंट से ग्रामीणों दहशत

उदयपुर (का.सं.)। उदयपुर जिले के कुराबड क्षेत्र में एक व्यक्ति पर लेपर्ड ने हमला कर दिया। वह उदयपुर से अपने गांव जा रहा था। लेपर्ड ने युवक के घर पहुंचने से 500 मीटर पहले हमला कर दिया जिससे वह घायल हो गया। परिजनों ने उसे हॉस्पिटल में भर्ती कराया है। जानकारी के अनुसार तारेट गांव निवासी भगवती लाल पुत्र कालूलाल नागदा उदयपुर से मोटरसाइकिल से गांव जा रहा था। वह कुराबड क्षेत्र में घर पहुंचने से 500 मीटर पहले उस पर लेपर्ड ने हमला कर दिया।लेपर्ड दांतीसर-बुथेल मार्ग पर चारागाह भूमि के पास झाडयों में छिपा था।

मतदाता सूची का पुनरीक्षण

भीलवाड़ा । जिले के आसींद में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत नगर पालिका क्षेत्र में बीएलओ ने मंगलवार को नगर पालिका क्षेत्र में घर-घर मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण कार्य प्रारंभ किया। भाग संख्या 100 के बीएलओ रामकुमार शर्मा ने मतदाताओं से संपर्क कर आवश्यक जानकारी दी है। बुधवार को नगर पालिका क्षेत्र में बीएलओ द्वारा किए जा रहे (एसआईआर) कार्यक्रम गन्ना का पत्र वितरण की स्थिति की जांच , मतदाताओं की संख्याओं का समाधान करने के लिए स्वयं नगर पालिका क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं से मिले । बीएलओ रामकुमार शर्मा ने बताया कि मतदाता के पासपोर्ट साइज की नवीनतम फोटो की भी आवश्यकता होगी । विशेषतौर से विवाहित महिलाएं जिनका नाम 2002 की मतदाता सूची में इस भाग संख्या में नहीं था उनको अपने पीहर पक्ष से माता या पिता का नाम 2002 की मतदाता सूची में किस भाग संख्या और क्रम संख्या पर अंकित था यह डाटा उपलब्ध कराना होगा। उधर मतदाता जो बाहर से - आए हैं उनका नाम मतदाता सूची में लिखा जाये।

ई-रिक्शा में मिला अधेड़ का शव, इलाके में मचा हड़कंप

मनोहरपुर । थाना क्षेत्र के होड की पाल इलाके में बुधवार सुबह एक ई-रिक्शा के अंदर अज्ञात अधेड़ व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिस पर थाना प्रभारी भगवान सहाय मीणा मय जाप्ता मौके पर पहुंचे और

- **सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और व्यक्ति को अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित किया**

जांच शुरू की।

रिक्शा मालिक शहजाद भिश्ती ने बताया कि सुबह करीब 6 से 6:30 बजे के बीच एक व्यक्ति कंबल ओढे उसके ई-रिक्शा में बैठा दिखाई दिया। स्थानीय लोगों ने जब पूछताछ की तो उसने अपना नाम राणा बताया। लेकिन कुछ देर बाद जब लोग दोबारा वहां पहुंचे तो वह

ई-रिक्शा के अंदर अज्ञात अधेड़ व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।

अचेत अवस्था में मिला। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और व्यक्ति को अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। खबर प्रसारित होने के बाद परिजन थाने पहुंचे, जहां मृतक की पहचान चिरंजी लाल राणा निवासी हरमाड़ा के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार मृतक उदावाला स्थित 'ओके' ईंट भट्ठे पर मजदूरी करता था और शराब पीने का आदी था। बताया गया कि वह सुबह से ही भट्ठे से निकला हुआ था और घरवाले उसकी तलाश कर रहे थे। पुलिस ने घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की, लेकिन मृतक किसी भी फुटेज में दिखाई नहीं दिया। शव की पहचान होने पर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया।

मुझे लगता है कि अर्शदीप अनुभवी हैं, वह समझते हैं कि एक बड़ी बात यह भी है कि हम अलग-अलग संयोजनों को आजमा रहे हैं।
- मोर्ने मोर्कल

भारतीय गेंदबाजी कोच, अर्शदीप को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी निगार सुल्ताना

बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड ने तेज गेंदबाज़ जहानारा आलम द्वारा मौजूदा राष्ट्रीय महिला टीम की कप्तान निगार सुल्ताना पर लगाए गए शारीरिक उत्पीड़न के आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। आलम ने दिसंबर 2024 के बाद से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। उन्होंने बंगलादेश के अख़बार कालेर कंठो को दिए एक इंटरव्यू में आरोप लगाया कि सुल्ताना अपनी टीम के साथियों को ''पीटती हैं''। बीसीबी ने अपने बयान में कहा, ''बोर्ड इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करता है। ये आरोप निराधार, मनगढ़ंत और पूरी तरह झूठे हैं।

क्या आप जानते हैं ?... मिताली राज महिला वनडे क्रिकेट में दुनिया में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं।

बढ़त के लिए भारतीय खिलाड़ियों ने किया बल्लेबाजी और गेंदबाजी का अभ्यास

करारा, 5 नवंबर। ऑस्ट्रेलिया के साथ चल रही पांच टी-20 मैचों की सीरीज के चौथे मुकाबले से एक दिन पहले बुधवार को भारतीय टीम के खिलाड़ियों ने जमकर बल्लेबाजी और गेंदबाजी अभ्यास किया। आज यहां मैच से एक दिन पहले भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और सहयोगी सदस्यों के संरक्षण में अभ्यास सत्र के दौरान तेज गेंदबाज, जसप्रीत बुमराह और स्पिन गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती ने अभ्यास किया। इसके साथ ही पिछले दो मुकाबलों बड़ा स्कोर करने में विफल रहे शुभमन गिल और तिलक वर्मा ने बल्लेबाजी का जमकर अभ्यास करते देखे गये। भारतीय टीम पिछले मैच में मिली जीत से उत्साहित है और वह कल होने वाले मैच में जीत हासिल कर सीरीज में बढ़त के इरादे से मैदान में उतरेगी।

सबालेंका ने पेगुला को हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स में दूसरी जीत दर्ज की

रियाद, 5 नवंबर। बेलारूस की शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका ने महिला टेनिस एसोसिएशन (डब्ल्यूटीए) फाइनल्स के ग्रुप स्तर पर अमेरिका की पांचवीं वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को रोमांचक मुकाबले में 6-4, 2-6, 6-3 से हराकर टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। दोनों खिलाड़ियों ने मैच की शुरुआत में जोरदार ग्राउंडस्ट्रोक खेले, पहले तीन गेम ड्यूस तक ले गए और दोनों ने अपनी सर्विस बचाई। सबालेंका ने 5-2 की बढ़त के लिए पहला ब्रेक हासिल किया। पेगुला ने एक सेट पॉइंट बचाया और अंतर को 4-5 कर दिया, लेकिन सबालेंका ने फिर से ब्रेक लेकर सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। पेगुला ने दूसरे सेट में अपना लेवल बढ़ाया, दो बार ब्रेक किया और अपने सामने आए सभी चार ब्रेक पॉइंट बचाकर सेट 6-2 से जीत लिया। अमेरिकी खिलाड़ी ने निर्णायक सेट में पहले ब्रेक लेकर 2-1 की बढ़त बनाई, लेकिन दुनिया की नंबर वन खिलाड़ी ने लगातार चार गेम जीतकर 6-3 से जीत हासिल कर ली। दिन के एक अन्य एकल मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन अमेरिका की कोको गॉफ ने इटली की जैस्मीन पाओलिनी को 6-3, 6-2 से हराया।

विनय तेवथिया 5.90 लाख में सबसे ज्यादा कीमत पर बिके

नोएडा, 5 नवंबर। उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग (यूपीकेएल) ने सीजन 2 खिलाड़ी नीलामी का समापन यहाँ ज़ोरदार बोली और ऐतिहासिक अनुबंधों के साथ किया। 12 फ्रेंचाइजी और कुल 1.70 करोड़ रुपये की राशि के साथ, इस आयोजन ने यूपीकेएल के भारत में किसी भी खेल में सबसे सफल राज्य स्तरीय लीग बनने के सफर में एक नया अध्याय जोड़ा। नीलामी में 500 खिलाड़ी शामिल थे, जिनमें राष्ट्रीय खिलाड़ी, उभरती प्रतिभाएं और युवा संभावनाएं शामिल थीं। नीलामी में इसकी सबसे नई फ्रेंचाइजी, गजब गाजियाबाद का भी पदार्पण हुआ, जो अलीगढ़ टाइगर्स, कानपुर वारियर्स और पूर्वांचल पैंथर्स के साथ प्रतियोगिता में शामिल हुई, जिससे यूपीकेएल की उपस्थिति बारह टीमों तक बढ़ गई। नीलामी में सभी 12 फ्रेंचाइजी ने ज़ोरदार भागीदारी की, और शीर्ष बोलियों ने उत्तर प्रदेश में कबड्डी प्रतिभाओं के बढ़ते बाजार मूल्य को दर्शाया। अलीगढ़ टाइगर्स द्वारा अधिग्रहित विनय तेवथिया 5.90 लाख रुपये में दिन की सबसे महंगी बोली के रूप में उभरे। नितिन पंवार 4.45 लाख रुपये में दिन की दूसरी सबसे महंगी बोली के रूप में मिर्जापुर के गंगा किंग्स द्वारा खरीदे गए, जिनके बाद आशु सिंह 4.35 लाख में नोएडा निन्जाज द्वारा खरीदे गए।

वीनस की ऑकलैंड क्लासिक में होगी वाइल्ड कार्ड एंट्री

वॉशिंगटन, 5 नवंबर। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स न्यूजीलैंड में होने वाले ऑकलैंड क्लासिक 2026 में वापसी करेंगी। उन्हें इस डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट में वाइल्डकार्ड के जरिए प्रवेश मिला है। अमेरिका की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी विलियम्स 16 महीने के ब्रेक के बाद 2025 के बीच में प्रतियोगिता में लौटीं। उन्होंने वाशिंगटन में वर्ल्ड नंबर 35 पेटन स्टर्न्स पर यादगार जीत के साथ वापसी की, जहां वह टूर-लेवल पर महिलाओं के एकल में जीत हासिल करने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनी। इसके बाद उन्हें एकल और युगल में यूएस ओपन के लिए वाइल्डकार्ड मिला। एकल में उन्होंने पहले राउंड में चेक गणराज्य की 11वीं सीड कैरोलिना मुचोवा को तीन सेट तक टक्कर दी और कनाडाई उभरती हुई स्टार लेयला फर्नांडीज के साथ युगल में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं थी। ऑकलैंड क्लासिक टूर्नामेंट के डायरेक्टर निकोलस लैम्पेरिन ने कहा, ''वीनस का महिला टेनिस के विकास पर गहरा असर रहा है और उनके खेल के प्रति अटूट जुनून ने अगली पीढ़ी को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि सभी खेल प्रेमियों को खेल की सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक को एक्शन में देखने का यह मौका नहीं छोड़ना चाहिए।'' ऑकलैंड क्लासिक पांच से 11 जनवरी 2026 तक चलेगा।

तिलक को वनडे सीरीज के लिए भारत-ए का कप्तान बनाया गया

नई दिल्ली, 5 नवंबर। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारत ए टीम का हिस्सा नहीं हैं, जो 13 नवंबर से राजकोट में खेली जाएगी। तिलक वर्मा भारत ए वनडे टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि रुतुराज गायकवाड़ उनके उप-कप्तान होंगे। भारत ए टीम 13, 16 और 19 नवंबर को राजकोट में तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। सभी मैच दिन/रात के होंगे। तिलक और गायकवाड़ के साथ अभिषेक शर्मा, रियान पराग और ईशान किशन टीम के मुख्य बल्लेबाज हैं।

टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित

पंत की दक्षिण अफ्रीका टेस्ट के खिलाफ सीरीज के लिए भारतीय टीम में वापसी

मुंबई, 5 नवंबर। ऋषभ पंत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला के लिए भारतीय टेस्ट टीम में वापसी कर रहे हैं और उन्हें 14 नवंबर से शुरू होने वाली श्रृंखला के लिए टीम का उप-कप्तान भी बनाया गया है। पंत इंग्लैंड श्रृंखला में शुभमन गिल के उप-कप्तान भी थे, लेकिन चौथे टेस्ट में पैर में चोट लगने के कारण उनकी भागीदारी कम हो गई।

अजीत अगरकर की अगुवाई वाली भारतीय सीनियर पुरुष चयन समिति ने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की, जिसमें प्रसिद्ध कृष्णा और एन जगदीशन को शामिल नहीं किया गया है। पंत के अलावा, आकाश दीप वेस्टइंडीज के खिलाफ हालिया टेस्ट सीरीज में खेलने वाली टीम में शामिल एक और खिलाड़ी हैं। इस सीजन में बंगाल के लिए रणजी ट्रॉफी में नियमित रूप से खेलने के बावजूद, मोहम्मद शमी को फिर से नजरअंदाज कर दिया गया है।

भारत की टेस्ट टीम: शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर और उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, आकाश दीप

पंत के पैर में जुलाई में फ्रैक्चर हो गया था, जब उन्होंने मैनचेस्टर में क्रिस वोक्स की गेंद पर रिवर्स स्वीप करने की कोशिश की थी। इस चोट के कारण वह लंबे समय तक मैदान से बाहर रहे और हाल ही में उन्होंने बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में भारत ए के लिए दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ चार दिवसीय मैच में खेलकर सक्रिय क्रिकेट में वापसी की।

भारत ए की कप्तानी कर रहे पंत ने दूसरी पारी में 90 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेलकर अपनी टीम को तीन विकेट से जीत दिलाई। वह 6 नवंबर से शुरू होने वाले दूसरे अनौपचारिक टेस्ट में भी टीम की कप्तानी करेंगे। केएल राहुल, साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल, देवदत्त पडिक्कल, कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज भी भारत ए टीम का हिस्सा हैं। जुरेल, जिन्होंने पंत की अनुपस्थिति में - इंग्लैंड टेस्ट और वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला के दौरान - विकेटकीपिंग की थी, दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला के लिए टीम में दूसरे विकेटकीपर हैं। राहुल, यशस्वी जायसवाल, सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल शीर्ष चार में जगह बना सकते हैं, जबकि पंत के पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने की संभावना है।

रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल स्पिन ऑलराउंडर हैं, जबकि नीतीश रेड्डी मध्यम गति के ऑलराउंडर हैं। कुलदीप यादव दूसरा स्पिन विकल्प हैं, जबकि जसप्रीत बुमराह, सिराज और आकाश तेज गेंदबाज हैं। सीरीज का पहला मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में होगा, जबकि दूसरा टेस्ट मैच 22 नवंबर से गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

भारत की नजरें सीरीज में बढ़त बनाने पर

क्वींसलैंड, 5 नवंबर। भारत गुरुवार को कैरारा ओवल में सीरीज के चौथे टी20 मैच में प्रमुख ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की अनुपस्थिति का फायदा उठाने के इरादे से आत्मविश्वास से भरा हुआ है। ट्रैविस हेड के एशेज सीरीज के लिए स्वदेश लौटने के साथ, ऑस्ट्रेलिया को बल्लेबाजी क्रम में फेरबदल का सामना करना पड़ेगा, जिससे भारत को अपनी बढ़त का फायदा उठाने और कड़े मुकाबले वाली सीरीज में 2-1 की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल करने का सुनहरा मौका मिलेगा। शुभमन गिल और निडर अभिषेक शर्मा की अगुवाई में भारत का शीर्ष क्रम लगातार लय बना रहा है। सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा बीच के ओवरों में अपनी आक्रामकता और आक्रामकता दिखाते हैं, जो मुश्किल परिस्थितियों को भारत के पक्ष में मोड़ने में सक्षम हैं।

भारत की बल्लेबाजी में गहराई - जिसमें जितेश शर्मा, वाशिंगटन सुंदर और शिवम दुबे या रिंकू सिंह शामिल हैं - यह सुनिश्चित करती है कि पूरी पारी में दबाव बनाए रखा जा सके, एक ऐसा कारक जो थोड़े अस्थिर ऑस्ट्रेलियाई लाइनअप के खिलाफ निर्णायक साबित हो सकता है। गेंदबाजी आक्रमण भी उतना ही संतुलित है। जसप्रीत बुमराह भारत के अगुआ बने हुए हैं, जबकि अर्शदीप सिंह दूसरे छोर पर गति और नियंत्रण प्रदान करते हैं। वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल की स्पिन जोड़ी मैच आगे बढ़ने के साथ कैरारा की सूक्ष्म स्पिन का पूरा फायदा उठाने के लिए उपयुक्त है, और बीच के ओवरों में विकेट लेने की उनकी क्षमता खेल का रुख बदल सकती है।

हेड की अनुपस्थिति के बावजूद, ऑस्ट्रेलिया मिशेल मार्श, टिम डेविड, मार्कस स्टोइनिस और चंचल ग्लेन मैक्सवेल की आक्रामक बल्लेबाजी पर काफी हद तक निर्भर करेगा। नाथन एलिस और मैथ्यू कुहनेमैन भारत की रन गति पर अंकुश लगाने में अहम भूमिका निभाएंगे, जबकि बेन ड्वारशुइस और जेवियर बार्टलेट तेज गेंदबाजी में गहराई लायेंगे।

मेजबान टीम को नियंत्रण हासिल करने के लिए सामूहिक प्रदर्शन की आवश्यकता होगी, खासकर उस सतह पर जो ऐतिहासिक रूप से लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों के अनुकूल रही है, जहां लगभग 180-190 रनों का प्रतिस्पर्धी स्कोर है।

टॉस निर्णायक भूमिका निभा सकता है, क्योंकि टीमें पहले गेंदबाजी करने की संभावना रखती हैं, जिससे कैरारा ओवल की शुरुआती सीम मूवमेंट और बाद के चरणों में स्पिनरों की क्षमता का फायदा उठाया जा सकता है। एक रोमांचक मुकाबले के लिए मंच तैयार है, जहां गति में बदलाव, तेज पारी और रणनीतिक गेंदबाजी बदलाव परिणाम तय कर सकते हैं।

श्रृंखला 1-1 से बराबर होने के साथ, भारत को बढ़त हासिल करने का एक अच्छा मौका दिख रहा है, जबकि ऑस्ट्रेलिया को अपनी उम्मीदों को बनाए रखने के लिए फिर से संगठित होकर पलटवार करना होगा। चौथा टी20 मैच गुरुवार को भारतीय समयानुसार दोपहर 1:45 बजे शुरू होगा, जिससे प्रशंसकों को तीव्रता, नाटकीयता और क्रिकेट की चमक से भरपूर एक रोमांचक मुकाबले का वादा किया जा सकता है।

टीमें : ऑस्ट्रेलिया: टिम डेविड, मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल मार्श (कप्तान), मिशेल ओवेन, मार्कस स्टोइनिस, जोश इंगलिस (विकेटकीपर), जोश फिलिप (विकेटकीपर), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मैथ्यू कुह्नमैन, ग्लेन मैक्सवेल, एडम जम्पा, तनवीर संघा, महली बियर्डमैन।

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, अभिषेक शर्मा, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी।

आरसीए में विवाद से राजस्थान के खिलाड़ियों की बढ़ी मुश्किलें, खिलाड़ी दुविधा में

जयपुर, 5 नवंबर। पिछले कुछ वर्षों में क्रिकेट का एक खेल कहीं और आगे बढ़ा है। अब यह एक ऐसा माहौल बन गया है जो जुनून, उम्मीदों, दबावों और ज़िम्मेदारियों से भरा है। हालाँकि आम तौर पर सुर्खियां राजस्थान क्रिकेट और खिलाड़ियों पर ही रहती हैं। एक समय था जब राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशनएक शक्तिशाली संस्था हुआ करती थी। इसमें हनुमंत सिंह, राज सिंह डूंगरपुर, किशन रूंगटा, पार्थसारथी शर्मा, सलीम दुर्रानी, आदि जैसे कई शीर्ष खिलाड़ी थे, जिन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया और अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट जगत में अपना दबदबा बनाया। आरसीए को सालाना अच्छी-खासी धनराशि मिलने और बीसीसीआई की योजनाओं तक पहुँच होने के बावजूद, आरसीए की मौजूदा व्यवस्था इन अवसरों का लाभ नहीं उठा पाए हैं। अन्य राज्यों ने इन संसाधनों का पूरा उपयोग किया है, लेकिन आरसीए को ऐसा करने में संघर्ष करना पड़ा है। एक समय था जब आरसीए के पास मज़बूत नेतृत्व और एक सुव्यवस्थित व्यवस्था थी, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में आरसीए पिछड़ गया है।कभी राष्ट्रीय क्रिकेट में एक शक्तिशाली टीम थे, लेकिन अब खिलाड़ियों के प्रतिनिधित्व और प्रशासन, दोनों में अपनी प्रतिष्ठा खो चुके हैं।

कन्वीनर ने खेल नीति, सहकारिता विभाग ओर आरसीए संविधान की धज्जियां उड़ा दी : धनंजय सिंह

आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्यों द्वारा राजस्थान क्रिकेट में बिगड़े हुए माहौल के लिए सिर्फ कन्वीनर डी डी कुमावत को जिम्मेदार बताते हुए कहा कि कन्वीनर डी डी कुमावत ने राजस्थान क्रिकेट को लेकर हर फैसले में सदस्यों की राय नहीं ली है। इसीलिए हम चारों सदस्य कन्वीनर के किसी भी प्रकार के फैसलों से संतुष्ट नहीं हैं। कन्वीनर द्वारा खेल नीति, सहकारिता विभाग ओर आरसीए संविधान की धज्जियां उड़ा दी गई। कन्वीनर ने इस चार महीनों में कभी कोई मीटिंग नहीं बुलाई। हमारी बिल्कुल भी नहीं सुनी। उनका यही मानना है कि मैं करूं और मैं किसी की भी नहीं सुनू। हम चारों सदस्यों ने कोई दबाव नहीं बनाया। ये आरोप बिल्कुल झूठा और निराधार है। हमने सेलेक्टर्स से हमेशा कहा है कि खिलाड़ियों के सलेक्शन में '' फ्री एंड फेयर सलेक्शन हो,'' । सहकारिता विभाग का नियम यही कहता है कि एडहॉक कमेटी सदस्यों को एक साथ मिलकर कार्य किया जाए। सभी चाहते हैं कि एक ही टीम चुनी जाए। एक ही टीम खेलने जाए जिससे किसी भी तरह का विवाद नहीं हो।

पारदर्शिता की आड़ में मुझ पर दबाव बनाया जा रहा है : कुमावत

आरसीए एडहॉक कमेटी कन्वीनर डी डी कुमावत ने के अनुसार एडहॉक कमेटी के चारों सदस्यों द्वारा पारदर्शिता की आड़ में मुझ पर दबाव बनाया जा रहा है। चैंपियन को बाहर करके अपने चहते खिलाड़ियों को टीम में खिला रहे हैं जोकि नॉन परफॉर्मर हैं। परफॉर्मर खिलाड़ियों को जो टीम को जीत दिला कर ला रहे हैं उन्हें बाहर करके बढ़िया टीम नहीं बनाई जा सकती है। अपने जिलों के खिलाड़ियों को खिला रहे हैं। मेरा यही तो विरोध है, इसीलिए मेरा विरोध किया जा रहा है।

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन का सियासी विवाद

एडहॉक कमेटी कन्वीनर दीनदयाल कुमावत के खिलाफ अब कमेटी के चार सदस्यों ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर रखा है। पहले कन्वीनर डीडी कुमावत ने टीम की घोषणा की, कुछ देर बाद चार सदस्यों ने नई टीम बना दी। चारों सदस्यों ने कुमावत की जारी राजस्थान टीम के अलावा अलग से टीम की घोषणा कर दी। राजस्थान रणजी की दो टीमें बना दी एडहॉक कमेटी ने। सरकार ने दो बार बना दी आरसीए में एडहॉक कमेटी, लेकिन दोनों ही बार कमेटी सदस्यों के बीच हो गया विवाद, पहले विधायक जयदीप बिहाणी व धनंजय खींवसर के बीच हुआ विवाद, अब डीडी कुमावत व धनंजय सिंह खींवसर हैं आमने-सामने, पिंकेश जैन, आशीष तिवाड़ी व मोहित हैं धनंजय सिंह के साथ।

राजस्थान अंडर-23 टीम घोषित

जयपुर, 5 नवम्बर। बीसीसीआई अंडर 23 एक दिवसीय क्रिकेट ट्रॉफी में भाग लेने वाली राजस्थान अंडर 23 टीम का चयन आरसीए एडहॉक कमेटी द्वारा नियुक्त राजस्थान सीनियर चयन कमेटी ने आज आरसीए ऑफिस में आयोजित की गई मीटिंग में किया ।

चयनित राजस्थान अंडर 23 एक दिवसीय टीम :- रोहन राजभर (कप्तान), अमोल चेलानी, अनिरुद्ध सिंह चौहान, आयुष अमेरिया, चेतन शर्मा, दर्शन जैन, दीपेंद्र सिंह, गणेश सुथार,वीकरण लांबा, मिनाफ शेख, मोहित चांगरा, मुकुल चौधरी, निलेश टांक, प्रशांत माली, राहुल गर्ग, सुमित गोदारा। आरसीए एडहॉक कमेटी अनुसार चयनित राजस्थान अंडर 23 टीम दिनांक 6 नवंबर को प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु अहमदाबाद पहुंचेगी ।

एशिया कप : भारत-पाक खिलाड़ियों पर आईसीसी का डंडा, हारिस रऊफ सस्पेंड

नई दिल्ली, 5 नवंबर। एशिया कप 2025 के दौरान भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। दोनों देशों के बीच खेले गए मुकाबलों में मैदान पर कई बार तनावपूर्ण माहौल देखने को मिला था, जिसके चलते आईसीसी ने जांच बैठाई थी। बता दें कि ये मैच 14, 21 और 28 सितंबर को खेले गए थे।

पहले मैच में भारत के सूर्यकुमार यादव और पाकिस्तान के हारिस रऊफ़ और साहिबजादा फ़रहान पर आरोप तय हुए। इन तीनों खिलाड़ियों पर आईसीसी के अनुशासनात्मक नियमों के उल्लंघन का मामला दर्ज हुआ। मौजूद जानकारी के अनुसार, सूर्यकुमार यादव पर मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और उन्हें दो डिमेरिट अंक भी दिए गए। वहीं, फ़रहान को आधिकारिक चेतावनी के साथ एक डिमेरिट अंक मिला। हारिस रऊफ़ को भी 30 प्रतिशत जुर्माने और दो डिमेरिट अंकों का सामना करना पड़ा। 21 सितंबर को खेले गए मैच में भारतीय तेज गेंदबाज़ अर्शदीप सिंह पर अशोभनीय इशारा करने का आरोप लगाकर मामला दर्ज किया गया था। हालांकि, मैट रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट की सुनवाई में अर्शदीप बरी कर दिए गए। गौरतलब है कि उन पर लगाए गए आरोपों को साबित करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिले।

इस बीच, फाइनल मुकाबले में 28 सितंबर को फिर से विवाद हुआ। इस बार भारत के जसप्रीत बुमराह ने आचरण संहिता का उल्लंघन स्वीकार किया। उन्हें आधिकारिक चेतावनी दी गई और एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया। चूंकि उन्होंने अपना दोष मान लिया था, इसलिए कोई औपचारिक सुनवाई नहीं हुई। दूसरी ओर, पाकिस्तान के हारिस रऊफ़ एक बार फिर से गलत आचरण के दोषी पाए गए। इस बार भी उन पर 30 प्रतिशत जुर्माना और दो डिमेरिट अंक लगे। इनके साथ ही उनके कुल डिमेरिट अंक 24 महीनों की अवधि में चार हो गए, जिस वजह से उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले दो वनडे मुकाबलों से निलंबित कर दिया गया है।

गौर करने वाली बात है कि आईसीसी के नियमों के मुताबिक, लेवल 1 उल्लंघन पर खिलाड़ी पर अधिकतम 50 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना और दो डिमेरिट अंक तक का प्रावधान है। यदि कोई खिलाड़ी दो साल में चार या उससे अधिक डिमेरिट अंक जमा कर लेता है, तो उसे निलंबन का सामना करना पड़ता है।

बताते चलें कि इस पूरे प्रकरण ने खेल भावना और खिलाड़ियों के आचरण पर एक बार फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं, क्योंकि आईसीसी लगातार ऐसे मामलों पर सख्त कार्रवाई करती रही है। इन सभी घटनाओं के बावजूद दोनों टीमें टूर्नामेंट में अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन देने में जुटी रहीं और दर्शकों में भी इन मुकाबलों को लेकर काफी उत्साह रहता है। यह उम्मीद की जा रही है कि आगे ऐसे मामलों में और भी सख्त रुख अपनाया जाएगा ताकि खेल की गरिमा बनी रहे हैं।

पाक ने दक्षिण अफ्रीका को दो विकेट से हराया

फैसलाबाद, 5 नवंबर। नसीम शाह और अबरार अहमद (तीन-तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद आगा सलमान (62) और मोहम्मद रिजवान (55) की शानदार अर्धशतकीय पारियों के दम पर पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को पहले एकदिवसीय मुकाबले में दो गेंदे शेष रहते दो विकेट से हरा दिया। इसी के साथ पाकिस्तान ने तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली। पाकिस्तान ने मंगलवार को टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका को लुआन-द्रे प्रेटोरियस और क्विंटन डी कॉक की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत दिलाते हुए पहले विकेट के लिए 98 रन जोड़े। 16वें ओवर में सैम अयूब ने लुआन-द्रे प्रेटोरियस (57) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद 25वें ओवर में नसीम शाह ने क्विंटन डी कॉक (63) को आउटकर पवेलियन भेज दिया।

पीएम ने विश्व चैम्पियन महिला टीम को किया सम्मानित, प्रतीका रावल व्हील चेयर पर पहुंची

नई दिल्ली, 5 नवंबर। एकदिवसीय विश्वकप विजेता भारतीय महिला टीम ने बुधवार को आज यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान आयोजित समारोह में खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

आज यहां भारतीय टीम प्रधानमंत्री आवास सात लोक कल्याण मार्ग पहुंची। भारतीय महिला क्रिकेट टीम सम्मान समारोह के लिए अपनी ऑफिशियल फॉर्मल ड्रेस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के घर पहुंची और बहुत एलिगेंट लग रही थी। बीसीसीआई के लोगो वाले मैचिंग नेवी-ब्लू ब्लेजर और क्रीम ट्राउजर पहने हुए, खिलाड़ियों ने गर्व और प्रोफेशनलिज्म की एक शानदार तस्वीर पेश की। भारतीय टीम के साथ बीसीसीआई प्रेसिडेंट मिथुन मन्हास और कोच अमोल मजूमदार भी नजर आए। बांग्लादेश के खिलाफ चोटिल होने वाली प्रतिका रावल व्हीलचेयर पर दिखीं।

विश्व चैंपियन बनी भारतीय महिला क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों का इससे पहले छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्वागत किया गया। मंगलवार को विशेष विमान से इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर पहुंची भारतीय टीम का भव्य स्वागत किया गया। भारतीय टीम ताज पैलेस होटल में रूकी है। खिलाड़ियों के होटल पहुंचने पर खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाई गई।

कैंडलविक क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 5 नवम्बर। अंडर-13 पिंकसिटी कप में कैंडलविक क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 217 रन 6 विकेट के नुकसान पर बनाएं! आरव शर्मा ने 52, उत्सव शर्मा ने 39, जनकृत सरन ने 36 और कौशलेंद्र ने 35 रनों का योगदान दिया। एनसीसीक्रिकेट अकादमी की ओर से लक्ष्य यादव ने चार और समीर गोरा ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एनसीसी क्रिकेट अकादमी ने 34 ओवर में 167 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं! ओम चौरसिया ने सर्वाधिक 62 रनों का योगदान दिया। कैंडलविक क्रिकेट अकादमी की ओर से कार्तिक सैनी ने 4 , साकेत और नताली ने दो-दो विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच कार्तिक सैनी को चुना गया।

राहुल व पीयूष की उम्दा गेंदबाजी की मदद से मिनर्वा एकेडमी जीती

जयपुर, 5 नवंबर। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित आज नैना क्रिकेट ग्राउण्ड जगतपुरा में चतुर्थ डॉ.ए.पी.जे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये पूल बी के मुकाबले में मिनर्वा क्रिकेट एकेडमी ने लॉ स्कोरिंग मैच में पीयूष मालवीय 9 रन पर 2 विकेट, राहुल जगरवाल 22 रन पर 2 विकेट तथा मोहम्मद शादाब 22 रन नाबाद की मदद से बिमल क्रिकेट एकेडमी को 6 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुये वरूण 15 रन, शेर सिंह यादव 14 रन, देवेश शर्मा 12 रन को छोड़कर बिमल एकेडमी का कोई भी बल्लेबाज राहुल जगरवाल 22 रन पर 2 विकेट, पीयूष मालवीय 9 रन पर 2 विकेट तथा अरिजंय बाफना, पार्थ शर्मा व विशाल शर्मा प्रत्येक 1-1 विकेट की शानदार गेन्दबाजी के समक्ष नहीं टिक सके ओर पुरीटीम 14.3 ओवर में मात्र 83 रन पर सिमट गई। जवाबी पारी मिनरवा एकेडमी के भी 4 विकेट 42 रन पर गिर गये थे लेकिन 5 वें विकेट पर मोहम्मद शादाब 22 रन (16 गेन्द, 3 चौके, 1 छक्का) अरिजंय बाफना 11 रन नाबाद ने मिलकर नाबाद 42 रन की साझेदारी निभाकर अपनी टीम को 6 विकेट से जीत दिलाकर महत्वपूर्ण अंक अर्जित किये।

इंडिया ओपन कम्पटीशन-शॉटगन पटियाला में राजस्थान के खिलाड़ियों ने मेडल जीतकर राजस्थान को किया गौरवान्वित

जयपुर, 5 नवबर। इण्डिया ओपन कम्पटीशन-शॉटगन पटियाला में आयोजित की जा रही 07 दिवसीय (दिनांक 30.10.2025 से 05.11.2025 तक) शॉटगन शूटिंग चैम्पियनशिप में राजस्थान के खिलाड़ियों ने शॉटगन क्ले पिजन स्कीट प्रतियोगिता की सीनियर मेन कैटेगरी में सैय्यद साद अली ने कांस्य पदक, जूनियर मेन कैटेगरी में केसर सिंह भाटी ने रजत पदक तथा यूथ मेन कैटेगरी में मोहम्मद आमिर ने स्वर्ण पदक एवं साथी खिलाड़ी यूसुफ सैय्यद ने रजत पदक हासिल कर, राज्य का नाम रोशन किया। उक्त खिलाड़ी जयपुर में स्थित ओएसिस शूटिंग रेंज, जगतपुरा, जयपुर में अभ्यासरत है। जगतपुरा शूटिंग रेंज ने राज्य व देश को कई राष्ट्रीय / अन्तर्राष्ट्रीय एवं ओलम्पिक स्तर के उत्कृष्ठ खिलाडी दिये है। आगे भी राजस्थान राईफल एसोसिएशन का प्रयास रहेगा की आगामी प्रतियोगिताओं में भी राज्य व देश को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक दिलाकर राज्य व देश को गौरवान्वित करेंगे।

प्रथम मुमताज स्मृति अं

मुख्यमंत्री भजनलाल ने गुरूनानक जयंती पर गुरुद्वारे में मत्था टेका

उन्होंने मानसरोवर गुरुद्वारे में श्रद्धालुओं को संबोधित किया व लंगर छकाया

जयपुर, 05 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को गुरु नानक देव जी के 556वें प्रकाश वर्ष के उपलक्ष्य में मानसरोवर स्थित गुरूद्वारे में श्रद्धालुओं को संबोधित किया। उन्होंने सभी को प्रकाश पर्व की बधाई देते हुए कहा कि गुरु नानक देव जी ने 'इक ओंकार सतनाम अर्थात् एक ईश्वर, एक सत्य' का पांच सौ वर्ष पहले संदेश दिया था, वह आज भी समाज के लिए अमृत के समान है। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी ने लंगर के माध्यम से समानता और मानवता का सबसे बड़ा उदाहरण पेश किया। उनका मानना था कि ईमानदारी से मेहनत करो और कमाया हुआ धन दूसरो के साथ बांटो, क्योंकि मनुष्य की सेवा करना ही सच्चा धर्म है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख धर्म ने हमेशा मानवता, साहस और त्याग की मिसाल पेश की है तथा इस समुदाय के वीरों ने देश की रक्षा में अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उन्होंने कहा कि सिख समुदाय के लोग स्वतंत्रता, संग्राम हो या देश की सीमाओं की सुरक्षा, बाढ़ हो या सूखा, हर परिस्थिति में सदैव मदद के लिए तैयार रहते हैं। सिख समुदाय ने व्यापार, शिक्षा और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी अतुलनीय योगदान दिया है।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि गुरुद्वारों का रखरखाव, तीर्थयात्रियों की सुविधाओं सहित सिख समुदाय का कल्याण राज्य सरकार की प्राथमिकता है।**

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सिख समुदाय के कल्याण और विकास के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। गुरुद्वारों के रखरखाव, तीर्थयात्रियों की सुविधाओं सहित सिख समुदाय का कल्याण राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

शर्मा ने इस अवसर पर गुरुद्वारा में मत्था टेका और प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। उन्होंने संगत को लंगर छकाया तथा स्वयं भी लंगर की प्रसादी ग्रहण की। इस दौरान राजस्थान सिख समाज के अध्यक्ष अजयपाल सिंह तथा गुरुद्वारा प्रबंध समिति के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में आमजन मौजूद थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरु नानक देव जी के 556वें प्रकाश वर्ष पर मानसरोवर स्थित गुरूद्वारे में श्रद्धालुओं को संबोधित किया और प्रकाश पर्व की बधाई दी।

विवाह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसके साथ ही, अदालत ने मामले में दायर याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश जगदीश प्रसाद शर्मा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि जेडीए अधिकरण भले ही सिविल कोर्ट के रूप में नामित न हो, लेकिन वह न्यायिक काम करता है और उसे सिविल कोर्ट की शक्तियां प्राप्त है। इसलिए ऐसे मामलों में अनुच्छेद 227 के तहत हाईकोर्ट को सुपरवाइजरी क्षेत्राधिकार प्राप्त है। अदालत ने कहा कि जेडीए अधिकरण से जुड़े मामलों की सुनवाई अनुच्छेद 226 के तहत नहीं, बल्कि 227 के तहत की जाएगी। अदालत ने यह भी कहा कि कृषि भूमि का भू-उपयोग रूपान्तरण किए बिना व्यावसायिक गतिविधियां चलना गैरकानूनी है। यदि किसी अन्य व्यक्ति ने बिना अनुमति ऐसे गार्डन संचालित कर रखे हैं तो इस आधार पर दूसरा ऐसा नहीं कर सकता।

हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसके बाद 25 नवंबर को अंतिम मतदाता सूची जारी की जाएगी। इसके बाद 26 नवंबर से एक दिसंबर तक प्रत्याशी नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। वहीं, 3 दिसंबर को चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों की सूची जारी की जाएगी और 12 दिसंबर को चुनाव करवाए जाएंगे। चुनाव के बाद 13 दिसंबर को मतगणना होगी व चुनाव परिणाम घोषित किया जाएगा।

स्टेनोग्राफर भर्ती 2024 में नियुक्ति देने पर रोक

जयपुर, 5 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने स्टेनोग्राफर भर्ती-2024 में पर्याप्त अभ्यर्थी होने के बावजूद, पांच फीसदी की अतिरिक्त छूट देने से जुड़े मामले में कर्मचारी चयन बोर्ड से जवाब मांगा है। इसके साथ ही, अदालत ने गत 21 अक्टूबर को जारी चयन सूची के आधार पर अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने पर रोक लगा दी है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने ये आदेश दिनेश शर्मा व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

सचिन पायलट ने अंता से सीसवाली तक रोड शो किया

उन्होंने अंता उपचुनाव में प्रमोद भाया के पक्ष में मतदान की अपील की

पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने अन्ता विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया के समर्थन में रोड शो किया।

अंता (निसं), 5 नवंबर। राजस्थान प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं महासचिव अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी सचिन पायलट अन्ता विधानसभा क्षेत्र में सम्पन्न होने जा रहे उपचुनाव को लेकर कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया के पक्ष में जनसम्पर्क करने के लिए पहुंचे।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामचरण मीणा ने बताया कि कांग्रेस के स्टार प्रचारक, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट द्वारा आज अन्ता पहुंचकर एनटीपीसी तिराहे से अन्ता शहर में बाजारों, चौराहों में रोड शो के माध्यम से मतदाताओं से कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया के पक्ष में मतदान करने की अपील की गई। यहां से पायलट का काफिला रातड़िया तिराहा, बालाखेड़ा, बालदड़ा तिराहा, बड़गांव तिराहा, पाटोन्दा तिराहा तथा उदपुरिया होते हुए सीसवाली पहुंचा। रोड शो के दौरान ग्रामीणों द्वारा पुष्पवर्षा कर, कांग्रेस जिन्दाबाद के नारे लगाते हुए गर्मजोशी से काफिले का स्वागत किया गया। सीसवाली के बाजारों में सचिन पायलट द्वारा रोड शो के माध्यम से जनसम्पर्क किया गया। इसके पश्चात वे सीसवाली में आयोजित जनसभा में पहुंचे तथा वहां से छत्रपुरा, मूण्डला, सरकन्या, पचेलकलां, काचरी होते हुए, वापस अन्ता में रोड शो सम्पन्न किया।

- **पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने सीसवाली में जनसभा में कहा कि भाजपा में अंतर्कलह और आपसी खींचतान इतनी है कि यहाँ से भाजपा प्रत्याशी के टिकट वितरण में काफी विलंब हुआ।**

सचिन पायलट ने अपने सम्बोधन में कहा कि विधानसभा क्षेत्र अन्ता में अधिकांश विकास के कार्य कांग्रेस पार्टी के समय में प्रमोद जैन भाया द्वारा करवाए गए हैं। यहां पर जो भाजपा के विधायक थे, उनकी न्यायालय द्वारा सदस्यता खारिज कर दी गयी, जिसके कारण यह सीट खाली हुई और यह उप चुनाव हो रहा है। चुनाव कोई भी लड़ सकता है, लेकिन शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव लड़ा जाना चाहिए। पायलट ने कहा कि 2 साल भाजपा सरकार को हो गए, जनता ने भाजपा के इस कार्यकाल को देख लिया है तथा जो भाजपा की वादा खिलाफी रही, उसका भी जनता आंकलन करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा में अर्न्तकलह और आपसी खींचतान इतनी है कि यहां के भाजपा प्रत्याशी के टिकट वितरण में भी काफी विलम्ब हुआ।

कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया ने अपने सम्बोधन में कहा कि मेरे द्वारा अन्ता विधानसभा क्षेत्र के व्यक्तियों को गणेश मानकर जो सेवा की गई है, वह किसी से छुपी हुई नहीं है। जो जनप्रतिनिधि का दायित्व होता है, उसका निर्वहन मेरे द्वारा पूरी ईमानदारी से किया जायेगा।

चंद्रबाबू नायडू भी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नायडू की चिंता वैचारिक बदलाव को लेकर नहीं, बल्कि राजनीतिक स्थिरता को लेकर है, जो सीधे आंध्र प्रदेश की आर्थिक स्थिति पर असर डालेगी। मई 2024 में प्रचंड बहुमत से सत्ता में लौटने के बाद से नायडू केन्द्र सरकार से राज्य की कमजोर अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए बड़े पैमाने पर वित्तीय सहायता मांग रहे हैं। आंध्र प्रदेश इस समय गंभीर वित्तीय संकट से गुजर रहा है, जबकि राज्य सरकार के सामने कई महत्वाकांक्षी विकास परियोजनाएँ हैं। ऐसे में नायडू किसी भी स्थिति में केन्द्र के मौजूदा सत्ता समीकरण में अस्थिरता नहीं चाहते।

एक उच्च स्तरीय टीडीपी सूत्र के अनुसार, "भले ही बिहार में भाजपा को झटका लगे, नायडू किसी भी हालत में समर्थन वापस नहीं लेंगे। उनकी पहली प्राथमिकता है कि उन्हें केन्द्र से वित्तीय सहयोग मिलता रहे और केन्द्र के साथ समन्वय बना रहे।"

लेकिन नायडू की गणना केवल भाजपा तक सीमित नहीं है। वे आरएसएस की गतिविधियों एवं संकेतों पर भी कड़ी नज़र रखे हुए हैं। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि नायडू को ऐसे आकलन मिले हैं जिनसे संकेत मिलता है कि अगर भाजपा को बिहार में बड़ा चुनावी नुकसान हुआ, तो आरएसएस, भाजपा संगठन पर अपनी पकड़ और मजबूत करने की कोशिश कर सकता है। सूत्रों का कहना है कि ऐसा हुआ तो एनडीए के भीतर शक्ति संतुलन बदल सकता है और केन्द्र की नेतृत्व शैली में भी परिवर्तन आ सकता है। नायडू संभावित स्थिति को पहले से भांप लेना चाहते हैं, ताकि बाद में उन्हें प्रतिक्रिया देने की नौबत न आए।

बिहार का पहला चरण जिस तरह एक कड़े मुकाबले की दिशा तय करने जा रहा है, वह भारतीय राजनीति की इस सच्चाई को उजागर करता है कि आज क्षेत्रीय नेता यह भली-भांति समझते हैं कि हर राज्य का चुनाव राष्ट्रीय सत्ता संतुलन को प्रभावित कर सकता है। जब बिहार का चुनाव परिणाम आयेगा, तो राजनैतिक असर केवल पटना तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सीधे अमरावती और दिल्ली के सत्ता गलियारों तक पहुँचेगा।

प्रथम चरण की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मतदाताओं को यह विश्वास करना मुश्किल लग रहा है कि ये वादे पूरे किये जायेंगे।

इस चुनाव का पूरा राजनीतिक कथानक जन सुराज पार्टी (जेएसपी) के नेता प्रशांत किशोर ने तय कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर नीतीश कुमार तथा तेजस्वी यादव और राहुल गांधी तक, सभी अपने भाषणों में उन्हीं मुद्दों को दोहरा रहे हैं, जिन्हें किशोर ने सामने रखा था: पलायन, बेरोजगारी, शिक्षा और बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता।

भले ही जेएसपी की सीट जीतने की दर कम रहने की संभावना है, लेकिन यह पार्टी पारंपरिक वोटिंग पैटर्न को तोड़कर दोनों गठबंधनों, खासकर महागठबंधन, की चुनावी संभावनाओं को नुकसान पहुँचा सकती है।

तेजस्वी यादव ने 2020 के पिछले विधानसभा चुनाव में एनडीए के खिलाफ मजबूत माहौल तैयार कर लिया था, लेकिन इस बार कई कारणों से, वो जोश और जुनून दिखाई नहीं दे रही। इस बार महागठबंधन का प्रचार न तो संगठित है और न ही एक स्वर में चल रहा है।

इसके अलावा, राहुल गांधी और कांग्रेस ने चुनावी अभियान की शुरुआत में "वोटर अधिकार यात्रा" के जरिए पार्टी के पुराने जनाधार को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया था। हालांकि, यात्रा को मीडिया में अच्छा कवरेज मिला, लेकिन तेजस्वी और आरजेडी नेतृत्व शुरुआती चरण में ही प्रचार से भटक गया और स्थानीय मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने में विफल रहा।

पिछली बार के मुकाबले इस बार स्थिति अलग है। एलजेपी (राम विलास) के चिराग पासवान, जीतन राम मांझी और उपेन्द्र कुशवाहा की छोटी- छोटी पार्टियाँ भी एनडीए का हिस्सा हैं।

संक्षेप में कहा जाए तो इस बार एनडीए गठबंधन अधिक संगठित, अनुशासित और मुस्तैद दिख रहा है।

भारतीय मूल के तीन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वोट (54.2 प्रतिशत) हासिल कर रिपब्लिकन जॉन रीड (12,32,242 वोट) को हराया।

शिक्षिका और सामाजिक न्याय की पैरोकार हाशमी ने शिक्षा, महिलाओं के प्रजनन अधिकार, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच और पर्यावरण संरक्षण जैसे मुद्दों पर विधायी ध्यान दिया है। उनके अभियान को "इंडियन अमेरिकन इम्पैक्ट फंड" का मजबूत समर्थन मिला, जिसने मतदाताओं को संगठित करने के लिए 1,75,000 डॉलर का निवेश किया।

इम्पैक्ट फंड के कार्यकारी निदेशक चिंतन पटेल ने कहा, "एक प्रवासी, शिक्षिका और अथक कार्यकर्ता के रूप में हाशमी ने वर्जीनिया के कामकाजी परिवारों के लिए अवसर बढ़ाने और ठोस परिणाम देने के लिए अपना जीवन समर्पित किया है।" उन्होंने उनकी जीत को समुदाय, राज्य और लोकतंत्र के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया।

ग़ज़ाला का जन्म 5 जुलाई 1964 को हैदराबाद में हुआ था। वे चार वर्ष की आयु में अपनी मां और बड़े भाई के साथ अमेरिका चली गईं, जहां उनके पिता पहले से जॉर्जिया में "अंतर्राष्ट्रीय संबंध" विषय में पीएचडी पूरी कर रहे थे और विश्वविद्यालय में अध्यापन आरंभ कर रहे थे।

ग़ज़ाला ने बाद में जॉर्जिया सदर्न यूनिवर्सिटी से स्नातक की डिग्री ऑनर्स के साथ प्राप्त की और अटलांटा के एमरी विश्वविद्यालय से अमेरिकी साहित्य में पीएचडी की उपाधि हासिल की। उन्होंने तीस वर्ष पूर्व अज़हर रफ़ीक से विवाह किया था। उनकी दो बेटियां हैं, यास्मीन और नूर। उनके नाना आंध्र प्रदेश सरकार के कर्मचारी थे। ग़ज़ाला का हैदराबाद स्थित अपने परिवार से आज भी गहरा लगाव है।

ग़ज़ाला हाशमी को राजनीति में आने की प्रेरणा राष्ट्रपति ट्रंप के "ट्रैवल बैन" से मिली थी, जिसके तहत सात मुस्लिम-बहुल देशों, सीरिया, ईरान, इराक, लीबिया, सोमालिया, सूडान और यमन के नागरिकों के अमेरिका प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

इतने सारे झटकों के बावजूद, राष्ट्रपति ट्रंप की बेशर्मी उस समय सामने आई, जब उन्होंने इन चुनावों में रिपब्लिकंस की हार के कारण बताये। उन्होंने कहा कि चूंकि वे खुद मतपत्र पर नहीं थे और अमेरिकी संघीय सरकार लंबे समय से बंद (शटडाउन) का सामना कर रही है, इसलिए उनकी रिपब्लिकन पार्टी इस साल के पहले बड़े चुनावों में हार गई।

चुनाव परिणामों के तुरंत बाद वाइट हाउस ने सोशल मीडिया पर निक्स का लोगो पोस्ट करते हुए ट्रंप का संदेश साझा किया, "ट्रंप आपके राष्ट्रपति हैं।" इसे न्यूयॉर्क मेयर चुनाव में ममदानी की जीत के बाद संभावित प्रतिशोधी कदम के संकेत के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें न्यूयॉर्क सिटी के फंड रोकने जैसी कार्रवाई भी शामिल हो सकती है।

ट्रंप ने इससे पहले डेमोक्रेट्स समर्थक वोटरों को चेतावनी दी थी, "डेमोक्रेट को वोट देना मौत की इच्छा के समान है, रिपब्लिकन को वोट दें।"

उन्होंने वर्जीनिया और न्यू जर्सी के मतदाताओं को भी चेतावनी दी थी, जहाँ नए गवर्नर चुने जा रहे थे, "वर्जीनिया और न्यू जर्सी यह याद रखें, रिपब्लिकन को वोट देने का मतलब है, ऊर्जा की कीमतों में भारी कमी। डेमोक्रेट को वोट देना, खासकर इन दोनों हारने वालों को, आपकी ऊर्जा लागत को दोगुना, तिगुना और चौगुना कर देगा।"

मतदान की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भविष्य, लोकतंत्र और कानून के शासन के बारे में बहुत कुछ कहता है, जिसे भाजपा नेतृत्व द्वारा नष्ट किया जा रहा है।" उन्होंने चुनाव आयोग पर भी तीखा प्रहार किया और कहा कि आयोग भाजपा के साथ "मिलीभगत" में काम कर रहा है, ताकि जनादेश को पलटकर किसी भी तरह भाजपा की जीत सुनिश्चित की जा सके, भले ही वह धोखाधड़ी से ही क्यों न हो। राहुल ने कहा कि "बार-बार वोट डालना, फर्जी पहचान पत्रों का इस्तेमाल, एक ही व्यक्ति का अलग-अलग बूथों पर अलग नामों, जैसे सीमा या शबनम, से मतदान करना, अब इस सरकार की पहचान बन गई है।" उन्होंने यह भी कहा कि "एक ही घर में 100 लोग वोटर सूची में दर्ज हैं" और ऐसे अनगिनत उदाहरण दिए, जो यह दिखाते हैं कि चुनाव जीतने के लिए किसी भी हद तक जाने की संस्कृति स्थापित कर दी गई है।

जयपुर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शुरु कर दी है। पुलिस का मानना है कि पढ़ ाई का तनाव होने के कारण छात्रा ने आत्महत्या जैसा कदम उठाया है।

ट्रंप व उनकी टीम को सामान्य ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गिरवाकर अपना "ड्रीम बॉलरुम" बनाने की योजना बनाई थी, जहाँ अत्यधिक लग्ज़री में राष्ट्रपति के भोज और समारोह आयोजित किए जा सकें।

अमेरिकी जनता ने इसे राष्ट्रीय धरोहर, वाइट हाउस की तोड़फोड़ और उसकी ऐतिहासिक वास्तुकला के साथ विश्वासघात के रूप में देखा।

इतना ही नहीं, ट्रंप की आर्थिक नीतियों के दुष्परिणामों ने भी जनता को गहराई तक असंतुष्ट किया। उनकी अस्थिर और विरोधाभासी टैरिफ नीतियों के कारण सामान्य अमेरिकी नागरिकों और कंपनियों को आयातित वस्तुओं के लिए अधिक कीमत चुकानी पड़ी।

दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के कुछ ही महीनों में आम अमेरिकियों का जीवन स्तर तेजी से गिरा है।

- **रही सही कसर निकाल दी सम्राट ट्रंप ने अपनी पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार को स्वीकार नहीं करके। इसके बजाय उन्होंने पूर्व मेयर एंड्रू क्यूमो को खुला समर्थन दिया, जिससे रिपब्लिकन वोट बैंक भी विभाजित हो गया था।**

राष्ट्रपति बाइडन के समय महंगाई को लेकर जनता में असंतोष था, वह अब ट्रंप के दौर में भारी नाराज़गी में बदल गया है। कीमतों में वृद्धि और आर्थिक कठिनाईयों ने जनता को झकझोर दिया है।

राज्य-दर राज्य और विशेष रूप से न्यूयॉर्क, जो अमेरिकी जीवन का केन्द्र है, में राष्ट्रपति ट्रंप के उम्मीदवार को बुरी तरह पराजित होना पड़ा। विजेता उम्मीदवार जोहरन ममदानी, ट्रंप की "मेक अमेरिका ग्रेट अगेन" (एम.ए.जी.ए.) विचारधारा के ठीक विपरीत हैं। कभी विशेषज्ञों ने सवाल उठाया था कि क्या ममदानी "पर्याप्त रूप से अमेरिकी" हैं, जिससे वो न्यूयॉर्क जैसे शहर के मेयर बन सकें।

वे दक्षिण एशियाई मूल के हैं, मुस्लिम हैं और उदार विचारों वाले डेमोक्रेट हैं। राष्ट्रपति ट्रंप अक्सर उन्हें "कम्यूनिस्ट" कहते रहे हैं, क्योंकि वे वामपंथी विचारों की बात करते हैं और स्वतंत्र फ़िलिस्तीनी राज्य के समर्थक हैं।

उन्होंने एंड्रयू कुओमो नाम के एक ऐसे व्यक्ति को हराया, जिसे ट्रंप ने न्यूयॉर्क मेयर चुनाव के लिए, रिपब्लिकन उम्मीदवार को नज़रअंदाज करके, अपना समर्थन दिया था।

कुछ विश्लेषकों का मानना है कि ट्रंप का कुओमो को समर्थन देना, जिन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी से नाराज़ होकर स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था, वास्तव में रिपब्लिकन वोटों को विभाजित कर गया।

तकनीकी पहलुओं को छोड़ दें तो चुनाव परिणाम यह स्पष्ट करते हैं कि अमेरिकी जनता नीति अस्थिरता और उससे उपजी आर्थिक परेशानियों से बेहद असंतुष्ट है, जिनका असर उसके रोजमर्रा के जीवन पर पड़ रहा है।

जोधपुर विकास प्राधिकरण

Jodhpur Development Authority

ट्रांसपोर्ट एवं ऑटोमोबाईल नगर

- योजना में भूखण्डों की कुल संख्या 1481 रखी गई है। जिसमें से 513 भूखण्ड ऑटोमोबाइल नगर, 653 भूखण्ड ट्रांसपोर्ट नगर तथा इनफोर्मल मार्केट हेतु 315 भूखण्ड आरक्षिक किए गए हैं।
- योजना के आवंटन योग्य सामान्य भूखण्ड 1111 में से ट्रांसपोर्ट नगर हेतु 607 भूखण्ड तथा ऑटोमोबाइल नगर हेतु 504 भूखण्ड प्रस्तावित है।
- इसके अलावा ट्रांसपोर्ट एवं ऑटोमोबाइल से संबंधित छोटे व्यवसायियों हेतु इनफोर्मल मार्केट में ब्लॉक ए 35 एवं ब्लॉक बी में 280 कुल 315 भूखण्ड आवंटन हेतु प्रस्तावित किए गए हैं।
- जिनकी संख्या घटाई या बढ़ाई जा सकती है। सामान्य भूखण्डों काआवंटन लॉटरी प्रद्धति से किया जाएगा।

अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट विजिट करें https://joda.rajsthan.gov.in

प्राधिकरण द्वारा ट्रांसपोर्ट एवं ऑटोमोबाईल नगर योजना में आवेदन पत्रों के पंजीकरण की अन्तिम तिथि 16.11.2025 तक एवं ऑनलाईन आवेदन करने की अन्तिम तिथि को 18.11.2025 तक बढ़ाया गया है। साथ ही इस योजना की लॉटरी हेतु दिनांक: 25.11.2025 प्रस्तावित की गई है।

इस योजना के आवेदन पत्र केवल ऑनलाईन ही स्वीकार किए जाएंगें।

ट्रांसपोर्ट एवं ऑटोमोबाईल नगर की आवेदन पुस्तिका तथा आवेदन की प्रक्रिया सामान्य शर्ते व ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरने की प्रक्रिया/विस्तृत जानकारी जेडीए पोर्टल/joda.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध रहेगी।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908